राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 02
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
सोमवार 18 जूलाई 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज़ ज़रूर लगवाएं, पहली और दूसरी डोज की तरह ही प्रिकाशन डोज भी बिल्कुल फ्री है : अरविंद केजरीवाल

पेज 5 खनन माफिया पूर्व बसपा एमएलसी महमूद अली नवी मुंबई से गिरफ्तार, पुलिस ने घोषित किया था 25 हजार का इनाम

पेज 7 झसोशल मीडिया पोस्ट पर भड़के कट्टरपंथी, हिंदुओं के घरों, दुकानों को लगा दी आग, मंदिर में तोड़फोड़

आज से और सताएगी महंगाई

दूध के प्रोडक्ट और आटे पर 18 जुलाई से 5 प्रतिशत जीएसटी, होटल रूम के लिए चुकाने होंगे ज्यादा रुपए

नई दिल्ली। आज से जरूरत की कई चीजें महंगी होने वाली हैं। पिछले महीने हुई बैठक में जीएसटी काउंसिल ने जीएसटी रेट बढ़ाने का फैसला लिया गया है।

जीएसटी की दरें बढ़ने से दही, लस्सी, चावल और आटा समेत कई जरूरी चीजें महंगी हो जाएंगी।

डेयरी प्रोडक्ट और आटा होगा महंगा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में हुई जीएसटी काउंसिल की बैठक में दूध के प्रोडक्ट को पहली बार त्नस्ञ्ज के दायरे में शामिल करने का फैसला किया गया था। जीएसटी काउंसिल की बैठक में टेट्रा पैक वाले दही, लस्सी और बटर मिल्क पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगाने का फैसला किया गया। इतना ही नहीं अनब्रांडेड प्री–पैकेज्ड और प्री लेबल आटा और दाल पर भी 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा।

एलईडी लाइट्स और एलईडी लैंप्स पर 18 प्रतिशत जीएसटी

ब्लेड, पेपर कैंची, पेंसिल शार्पनर, चम्मच, कांटे वाले चम्मच, स्किमर्स और केक सर्विस आदि पर सरकार ने त्नस्ञ्ज को बढ़ा दिया है। अब इस पर 18 प्रतिशत की दर से जीएसटी वसूली जाएगी। इतना ही नहीं एलईडी लाइट्स और एलईडी लैंप्स पर भी जीएसटी 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दी गई है।

इलाज कराना भी महंगा

हॉस्पिटल द्वारा 5000 रुपए प्रतिदिन से अधिक का रूम उपलब्ध कराया जाता है तो उस पर 5 प्रतिशत की दर से जीएसटी देय होगा। इसमें आईसीयू, आईसीसीयू, एनआईसीयू, के रूम पर छूट लागू रहेगी।

होटल रूम के लिए देने होंगे ज्यादा पैसे

वर्तमान में 1000 रुपए से कम के होटल रूम पर जीएसटी नहीं लगता था, लेकिन अब ऐसे कमरे पर भी 12 प्रतिशत की दर से जीएसटी लगेगा।

महंगा हो जाएगा बिजनेस क्लास का सफर

अरुणाचल प्रदेश, आसाम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, सिक्किम, त्रिपुरा, बागडोगरा से उड़ने वाली फ्लाइट जो अब तक कर मुक्त थी, उसमें अब केवल इकोनॉमी क्लास पर ही जीएसटी से छूट प्राप्त होगी और बिजनेस क्लास में सफर करने पर 18 प्रतिशत की दर से जीएसटी लगेगा। वेयर हाउस में ड्रायफ्रूट्स, मसाले, खोपरा, गुड़, कॉटन, जूट, तम्बाकू, तेन्दूपत्ता, चाय, कॉफी इत्यादि के स्टोरेज की सेवाएं अब तक करमुक्त थीं, उन्हें अब कर के दायरे में लाया गया है और ऐसी सेवाओं पर अब 12 प्रतिशत की दर से जीएसटीलगेगा। इसके अलावा कृषि उपज के स्टोरेज किए जाने पर वेयर हाउस के फ्यूमीगेशन की सेवा पर कर से छूट प्रदान थी। अब ऐसी सेवाओं पर 18 प्रतिशत की दर से जीएसटी लगेगा।

बढ़ रहा जीएसटी कलेक्शन

जीएसटी कलेक्शन जून में बढ़कर 1.45 लाख करोड़ रुपए हो गया। एक साल पहले की तुलना में ये 56 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। वहीं मई के महीने में यह 1.41 लाख करोड़ रुपए था।

5 दिन में सुरक्षाबलों पर दूसरा जानलेवा हमला

नाका पार्टी पर बरसाई गोलियां, सीआरपीएफ का एक और एएसआई शहीद

एजेंसी

पुलवामा। पुलवामा के गंगू क्रॉसिंग के पास एक चेक पोस्ट पर आतंकियों ने हमला कर दिया। फायरिंग के दौरान यहां पुलिस और CRPF के जवान तैनात थे। घटना में CRPF का एक जवान शहीद हो गया, जिसकी पहचान स्ढ्ढ विनोद कुमार के रूप में हुई है। विनोद ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। जम्मू–कश्मीर पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है। गौरतलब है कि 5 में दिन में सुरक्षाबलों पर ये दूसरा हमला था। 12 जुलाई को लाल बाजार चौक में आतंकी हमले के दौरान कश्मीर पुलिस के ASI मुश्ताक अहमद लोन की मौत हो गई थी।

दोपहर में 2: 20 बजे किया हमला

जम्मू–कश्मीर पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक दोपहर करीब 2:20 बजे आतंकवादियों ने साउथ कश्मीर के गंगू इलाके में पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त नाका पार्टी पर गोलीबारी कर दी। जिसमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल का एक जवान और जम्मू–कश्मीर पुलिस की 182 बटालियन के ASI विनोद कुमार घायल हो गए थे। उन्हें पुलवामा के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया।

सांबा में भी पुलिस ने चलाया तलाशी अभियान

सांबा में मंगू चक गांव के रहने वालों ने पुलिस को बीती रात इलाके में देखे गए ड्रोन के बारे में खबर दी थी। इसके बाद पुलिस ने उस एरिया में तलाशी अभियान चलाया। DSP ऑपरेशन सांबा गारू राम भारद्वाज के मुताबिक रात में उन्हें कुछ संदिग्ध गतिविधी की जानकारी मिली थी जिसके बाद सर्च शुरू हुई। पूरा इलाका सर्च किया गया, जिसमें कुछ भी नहीं मिला।

सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने दिए मानसून सत्र के हंगामेदार रहने के संकेत

नयी दिल्ली। कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने मानसून सत्र शुरू होने से ठीक पहले सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में संकेत दिए हैं कि सत्र हंगामेदार रहेगा और विपक्षी दल संसद में जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की लिए एकजुट होकर काम करेंगे। सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक के बाद विपक्षी दलों ने कहा कि उन्होंने सरकार से साफ कह दिया है कि सत्र के दौरान गैर सरकारी कामकाज की अपेक्षा ध्यानाकर्षण प्रस्ताव, विशेष उल्लेख तथा जनता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा कराने को ज्यादा वक्त मिलना चाहिए। उनका कहना था कि संसद में विधायी काम जरूरी है लेकिन लोक महत्व के मुद्दों को सदन में उठाना और उन सबका समाधान भी उतना ही महत्वपूर्ण है। कांग्रेस ने इस संबंध में जानकारी देते हुए एक बयान में कहा कि बैठक के दौरान राज्यसभा में पार्टी के नेता मलिकार्जुन खडगे ने संसद सत्र के दौरान विचार विमर्श के लिए 13 मुद्दे सरकार के सामने रखने की बात करते हुए कहा कि इन सब पर सत्र के दौरान चर्चा होनी चाहिए। उसका कहना है कि संघीय ढांचे, अग्निपथ योजना, डीएचएफएल बैंक घोटाला, आसमान छूती महंगाई, लगातार बढ़ रही बेरोजगारी, डॉलर की तुलना में रुपए की कीमत में रिकॉर्ड गिरावट, नफरत फैलाने वाले बयान, जम्मू कश्मीर में बढ़ रही अपराध की घटनाएं और कश्मीरी पंडितों पर हमले जैसे मुद्दों के साथ ही पार्टी चीनी घुसपैठ और सरकार की विदेश नीति की असफलता जैसे मुद्दों को भी संसद में उठाएगी।

शिवसेना विधायकों की अयोग्यता पर 20 जुलाई को सुनवाई

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय 20 जुलाई को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और शिवसेना के 14 अन्य विधायकों की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करेगा जिसमें विधानसभा के उपाध्यक्ष की ओर से शुरू की गई अयोग्यता कार्यवाही को चुनौती दी गई है। मुख्य न्यायाधीश एन वेंकट रमना की अध्यक्षता में न्यायालय की तीन–न्यायाधीशों की पीठ, जिनमें न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी और न्यायमूर्ति हिमा कोहली भी शामिल हैं, 20 जुलाई यानी बुधवार को याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। शीर्ष अदालत उस दिन भी पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना समूह की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करेगी।

लैंडस्लाइड के बाद बद्रीनाथ-ऋषिकेश नेशनल हाईवे बंद

असम में गंभीर प्राकृतिक आपदा घोषित; मानसून के 45 दिन में 14 प्रतिशत ज्यादा बारिश

नई दिल्ली। गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, तेलंगाना, दिल्ली समेत 24 राज्यों में शनिवार को तेज बारिश हुई। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में लैंडस्लाइड के बाद बद्रीनाथ–ऋषिकेश नेशनल हाईवे बंद हो गया। इधर, केंद्र सरकार ने असम में आई बाढ़ को गंभीर प्राकृतिक आपदा घोषित कर दिया है। मौसम विभाग के अनुसार मानसून के 45 दिन पूरे होने के बाद अब तक देश में सामान्य से 14 प्रतिशत ज्यादा बारिश हो चुकी है। दिल्ली में हुई जोरदार बारिश के बाद कई इलाकों में पानी भर गया। भारी बारिश के चलते तेलंगाना में गोदावरी नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे राज्य के कई जिलों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है।

राजस्थान के श्रीगंगानगर में भारी बारिश के कारण शहर में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। गुजरात–महाराष्ट्र के कई जिलों में भी शनिवार को तेज बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक गुजरात के ओखा तट से 70 किमी दूर अरब सागर में 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तूफान चल रहा है, जो ओमान की तरफ बढ़ रहा है। इधर, महाराष्ट्र में बारिश से मरने वालों का आंकड़ा 100 के पार पहुंच गया है। वहीं, असम के कई इलाके अभी भी बाढ़ग्रस्त हैं। अब तक सामान्य रूप से 294.2 मिमी बारिश होनी थी, पर यह आंकड़ा 335.2 मिमी पहुंच चुका है। हालांकि झारखंड, बिहार, यूपी और पश्चिम बंगाल में सामान्य से कम बारिश हुई है। राजस्थान के कई जिलों में बारिश जारी है। बीते चौबीस घंटों में प्रदेश के 15 से ज्यादा जिलों में झमाझम बारिश ने आम आदमी को भीषण गर्मी और उमस से राहत दी है। जयपुर मौसम केन्द्र और जल संसाधन डिपार्टमेंट के मुताबिक प्रदेश के तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आ सकती है।

मध्य प्रदेश : भोपाल, इंदौर और उज्जैन सहित 19 जिलों में यलो अलर्ट

मध्यप्रदेश में भी बारिश का दौर जारी है। लगातार पानी गिरने से नदी–नाले उफान पर हैं। नर्मदा, ताप्ती और क्षिप्रा समेत दूसरी छोटी नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। अब तक प्रदेश में 13.28 इंच बारिश हो चुकी है। यह सामान्य (11.24 इंच) से 2 इंच (18 प्रतिशत) ज्यादा है।

अहमदाबाद में धंस गई पूरी सड़क, बड़ा हादसा टला

गुजरात में इन दिनों भारी बारिश हो रही है, जिसके कारण जगह–जगह पानी भर गया है। वहीं, कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। इस बीच, अहमदाबाद से एक चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है। शहर के वस्त्राल इलाके में देखते ही देखते एक सड़क धंस गई। सड़क धंसने के बाद वहां एक गड्ढा बन गया। सड़क पर गड्ढा होते ही यहां से आवाजाही रोक दी गई, जिससे कोई हादसा नहीं हुआ।

ट्रक-डबल डेकर बस की टक्कर में 6 की मौत

रामपुर में बाईपास पर ट्रक से लड़ी बस, 40 लोग घायल; रात 2 बजे लगा जाम

रामपुर। रामपुर में शनिवार देर रात डबल डेकर बस और ट्रक में टक्कर हो गई। इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई जबकि करीब 40 लोग घायल हैं। पुलिस ने सभी 6 शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया और घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

डबल डेकर बस यात्रियों को लेकर बरेली से दिल्ली जा रही थी। रात करीब 11.50 बजे कोसी पुल तिराहे से करीब 300 मीटर पहले बरेली बाईपास के पास ट्रक से टक्कर हो गई।

ट्रक मुरादाबाद से बरेली जा रहा था। हादसे में 6 व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई और करीब 40 लोग घायल हो गए। सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया गया है।

सीएम योगी ने जताया शोक

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्विटर पर हादसे में मरने वालों पर शोक जताया है। परिजनों के साथ संवेदनाएं व्यक्त की है। अधिकारियों को घायलों के बेहतर इलाज के निर्देश दिए हैं।

रात 2 बजे जेसीबी से बस और ट्रक को हाईवे से हटाया

बस में सवार नसीम (52 साल), शमीम उल हक (35 साल), साक्षी (26 साल), अब्दुल वहीद (50 साल) और करन राठौर (22 साल) और हुस्ने आलम (30 साल) की मौत हो गई।

हुस्ने आलम हापुड़ के रहने वाले थे। बाकी पांच शाहजहांपुर के रहने वाले थे। पुलिस ने घटना के बाद रूट को कोसी पुल तिराहे से रामपुर शहर में डायवर्ट कर दिया। रात करीब 2 बजे बस और ट्रक को जेसीबी से हटवाकर जाम खुलवाया।

शाहजहांपुर की सुनीता, अरबाज, निखिल, राहुल, मोहम्मद हनीफ, अमित, मोहम्मद मुकीम, अमन, नईम, नसीम जहां, जुबेर, इमरान अली, महफूज, अफसर अली, मोहम्मद नसीम, सरताज, प्राची, रसिया, अलीशा, अफजल, रुबिया खान, मोहम्मद जमाल, अफसान खान, मोहम्मद सादिक, अशरफ, सलीम, रमेश कुमार गुप्ता, कुलदीप, गिरजा शंकर और राम प्रताप, दिल्ली की इदरीसी बेगम, सुभान निजाम उल हक, नोमान इनामुल्लाह इनामुल हक, नईम, शहर, गजरौला के सद्दाम, पीलीभीत के भूरा, लखीमपुर खीरी के विनीत, हरदोई के संदीप गुप्ता सहित 40 सहित यात्री घायल हो गए। सभी का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

बस के मालिक के कहने पर कंडक्टर करन राठौर कभी–कभी बस कंडक्टर बनकर चला जाता था। करन घर में 2 दिन में वापस आने की बात कहकर गया था। यह कहते हुए करन के परिजन फफक पड़े।

करोड़ों परिवारों की उम्मीद पर पानी फेर रही है सरकार : राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार युवाओं को बेरोजगार बनाकर करोड़ों परिवारों की आस तोड़ रही है और देश के भविष्य को उजाड़ रही हैं। श्री गांधी ने ट्वीट किया सवाल मत पूछो, आवाज़ मत उठाओ,शांतिपूर्ण प्रदर्शन मत करो, नए भारत में हक मांगने पर होगी गिरफ्तारी। युवाओं को बेरोज़गार बना कर, करोड़ों परिवारों की आस तोड़ कर, देश का भविष्य उजाड़ रही है ये तानाशाह सरकार। इसके साथ ही,उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें पैरामिलिट्री फोर्स में नौकरी के लिए 2018 में परीक्षा पास किए अभ्यर्थी न्याय की मांग करते हुए नागपुर से पदयात्रा कर 46वें दिन आगरा पहुंचे जहां उन्हें चार बसों में ठूंसकर विभिन्न जिलों में छोड़ा गया।

देश में कोरोना सक्रिय मामलों की संख्या एक लाख के पार

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटे के दौरान कोरोना वायरस (कोविड–19) महामारी संक्रमण के 20,528 नये मामले सामने आने के साथ सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 143449 तक पहुंच गई है, जबकि 56 और लोगों की जान जाने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 525660 हो गया है।

फिलहाल, राहत की बात यह है कि इस दौरान ठीक होने वालों की संख्या में भी इजाफा हुआ है।

पिछले 24 घंटे में 17790 मरीजों के स्वस्थ होने के साथ इस महामारी से मुक्त होने वालों की कुल संख्या बढ़कर 43081441 हो गयी है। अब तक इस महामारी से 525709 मरीज जान गंवा चुके हैं।

इन नये आंकड़ों के साथ सक्रिय मामलों की दर 0.33 प्रतिशत, दैनिक संक्रमण दर 5.23 प्रतिशत, स्वस्थ होने की दर 98.47 प्रतिशत और मृत्यु दर 1.20 प्रतिशत पर दर्ज हुयी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने रविवार को यहां बताया कि सुबह सात बजे तक 199.71 करोड़ टीके दिये जा चुके हैं। देश में पिछले 24 घंटे में 3,92,569 कोविड परीक्षण किए गए हैं। अभी तक कुल 86.94 करोड़ कोविड परीक्षण किए हैं। दिल्ली में कोरोना मामले 116 घटने से सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 1894 हो गयी हैं। राजधानी में इस जानलेवा वायरस को 605 और लोगों ने मात दी, जिसके बाद कोरोना से मुक्त होने वालों की कुल संख्या बढ़कर 1915332 तक पहुंच गयी। अभी तक इस महामारी से 26291 लोग जान गंवा चुके हैं।

पश्चिम बंगाल में सक्रिय मामले 570 बढ़कर 30613 तक पहुंच गये हैं। राज्य में संक्रमणमुक्त लोगों की संख्या 2263 बढ़कर 2016315 हो गयी है और मृतकों का आंकड़ा 21271 हो गया है। केरल में कोरोना वायरस के सक्रिय मामले 308 घटकर 24645 रह गये हैं।

सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड : प्रियवर्त फौजी समेत 4 को जेल भेजा

शार्पशूटर मन्नु और रूपा का सुराग मिला

चंडीगढ़। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला का कत्ल करने वाले शार्पशूटर प्रियवर्त फौजी और उसके 4 साथियों को मानसा कोर्ट ने जेल भेज दिया है। फौजी के साथ कशिश उर्फ कुलदीप, केशव और दीपक को भी न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। इन्हें पंजाब पुलिस दिल्ली की तिहाड़ जेल से लाई थी।

वहीं मूसेवाला के कत्ल में शामिल शार्प शूटर मनप्रीत मनु कुस्सा और जगरूप रूपा के बारे में पंजाब पुलिस को अहम सुराग मिला है। शार्पशूटर अंकित सेरसा से पूछताछ में पता चला कि कत्ल के बाद यह दोनों पंजाब में ही छुपे हुए थे। इसके बाद पुलिस ने उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को शक है कि कहीं वह पंजाब में ही अंडरग्राउंड तो नहीं हो रखे हैं।

वहीं मूसेवाला की तरफ से जान बचाने के लिए 2 करोड़ ऑफर करने के दावे को दिल्ली पुलिस ने गलत करार दिया है। लॉरेंस गैंग के गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने दो दिन पहले वीडियो जारी कर यह दावा किया था। दिल्ली पुलिस के स्पेशल पुलिस कमिश्नर HGS धालीवाल का कहना है कि उनकी पूछताछ में ऐसा कुछ सामने नहीं आया। मूसेवाला हत्याकांड में लॉरेंस पर शिकंजा कसने से उसकी गैंग बौखलाई हुई है। पंजाब पुलिस मूसेवाला के कत्ल के बाद पंजाब के दूसरे केसों में उसे गिरफ्तार कर रही है। यही वजह है कि गैंगस्टर गोल्डी बराड़ को वीडियो जारी करना पड़ा। सूत्रों के मुताबिक मूसेवाला के जिंदा रहते विरोध देख लॉरेंस गैंग को उसके कत्ल किए जाने के इतने विरोध की उम्मीद नहीं थी। मगर, पंजाब ही नहीं बल्कि देश और विदेशों से भी मूसेवाला को इंसाफ की मांग उठ रही है। जिसके बाद पुलिस पर काफी दबाव बना हुआ है।

आप की जीत

बुरहानपुर में ओवैसी ने बिगाड़ा कांग्रेस का खेल, इंदौर में भाजपा की सबसे बड़ी जीत

मध्यप्रदेश के सिंगरौली में आप की मेयर कैंडिडेट जीतीं

भोपाल। मध्यप्रदेश में आम आदमी पार्टी की दमदार एंट्री हुई है। सिंगरौली नगर निगम में आप की मेयर प्रत्याशी रानी अग्रवाल जीत गई हैं। आप उम्मीदवार रानी अग्रवाल ने 9352 वोट से जीत दर्ज की। उन्हें 34585 वोट मिले है, जबकि बीजेपी प्रत्याशी चन्द्र प्रताप विश्वकर्मा को 25233 वोट मिले। कांग्रेस ने अरविंद चंदेल को प्रत्याशी बनाया था।

7 निगम पर भाजपा की जीत

मध्यप्रदेश में शहर सरकार की तस्वीर साफ हो गई है। पहले चरण के सभी 11 नगर निगमों के नतीजे आ गए हैं। 7 नगर निगम में बीजेपी के मेयर कैंडिडेट जीते हैं, वहीं 3 नगर निगम में कांग्रेस प्रत्याशी और एक नगर निगम में आम आदमी पार्टी प्रत्याशी की जीत हुई हैं। प्रदेश में इंदौर नगर निगम में बीजेपी के मेयर कैंडिडेट पुष्यमित्र भार्गव को 1,33,992 वोट से सबसे बड़ी जीत मिली है।

भोपाल में बीजेपी की मालती राय 98,800 वोटों से जीत गई है। ग्वालियर में कांग्रेस प्रत्याशी शोभा सिकरवार 28,805 वोटों से जीतीं हैं।

बुरहानपुर में जीत के अंतर से ज्यादा वोट नोटा को

बुरहानपुर नगर निगम में ओवैसी की पार्टी AIMIM ने कांग्रेस का खेल बिगाड़ दिया है।

यहां बीजेपी की माधुरी पटेल ने 542 वोट से जीत दर्ज की है। माधुरी पटेल को 52823 वोट मिले है, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी शहनाज बानो को 52281 वोट मिले है। यहां AIMIM की मेयर प्रत्याशी शाईस्ता सोहेल हाशमी को 10322 वोट मिले हैं। नोटा के खाते में जीत के अंतर से ज्यादा 677 वोट गए हैं।

केजरीवाल प्रचार करने आए थे

सबसे बड़ा उलटफेर सिंगरौली नगर निगम में हुआ है। सिंगरौली नगर निगम में जीत के जरिए एमपी की सियासत में आम आदमी पार्टी की एंट्री हो गई है।

बता दें कि आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल खुद प्रचार करने सिंगरौली पहुंचे थे। केजरीवाल के रोड शो में भारी भीड़ जुटी थी। जिसे बीजेपी और कांग्रेस के लिए खतरे की घंटी माना जा रहा था। जो मेयर चुनाव के नतीजों के बाद सही साबित हुई है।

कमलनाथ के गढ़ में कांग्रेस की वापसी

कमलनाथ के गढ़ छिंदवाड़ा में कांग्रेस ने वापसी कर ली है। यहां पिछली बार बीजेपी का मेयर था। कांग्रेस प्रत्याशी विक्रम अहाके 3547 वोटों से जीत गए। विक्रम ने भाजपा के अनंत धुर्वे को हराया। इस सीट के लिए कमलनाथ के बेटे व सांसद नकुलनाथ पूरे समय सक्रिय रहे।

शार्ट न्यूज

बादल फटने के पीछे विदेशी साजिश, गोदावरी की बाढ़ देख बोले केसीआर

हैदराबाद। तेलंगाना और आसपास के राज्यों में भारी बारिश की वजह से गोदावरी नदी कई जिलों में तबाही मचा रही है। मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव ने कहा कि गोदावरी इलाके में बाढ़ की बड़ी वजह बादल फटना है। उन्होंने कहा कि यह दूसरे देशों की साजिश भी हो सकती है। मुख्यमंत्री बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरान करने निकले थे। राव ने कहा, बादल फटने की घटनाएं बहुत बढ़ गई हैं। लोगों का कहना है कि ये कोई साजिश है। हमें नहीं पता कि यह कितना सच है। लेकिन कहा जाता है कि दूसरे देश हमारे देश में बादल फटने की घटनाएं करवा रहे हैं। कश्मीर और लेह-लद्दाख के पास भी ऐसी घटनाएं हुई थीं। इसके बाद उत्तराखंड में और अब कुछ रिपोर्ट्स का कहना है कि गोदावरी क्षेत्र में ऐसा हो रहा है। बादल फटने का मतलब होता है कि किसी खास इलाके में बहुत कम समय में बहुत ज्यादा बारिश हो जाना। मौसम विभाग का कहना है कि 20 से 30 स्क्वायर किलोमीटर के दायरे में एक घंटे के अंदर ही 100 मिमी से ज्यादा बारिश हो जाती है। तेलंगाने के चीफ सेक्रटरी सोमेश कुमार मुख्यमंत्री के साथ दौरे पर गए थे। जब केसीआर ने यह टिप्पणी की तो वह पास में ही बैठे थे।

दिल्ली वक्फ बोर्ड मामले में अमानतुल्लाह खान पर सीबीआई चलाएगी मुकदमा, एलजी ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक और दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष अमानतुल्लाह खान की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने अमानतुल्लाह खान के खिलाफ 2016 में दर्ज अवैध नियुक्तियों के मामले में उनके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए सीबीआई की मंजूरी दे दी है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि वक्फ बोर्ड के तत्कालीन सीईओ महबूब आलम के खिलाफ नियमों, विनियमों और कानून के जानबूझकर और आपराधिक उल्लंघन और पद के दुरुपयोग और सरकारी खजाने को वित्तीय नुकसान पहुंचाने सहित अपराधों के लिए अभियोजन की मंजूरी दी गई है। दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग के उप-मंडल मजिस्ट्रेट (मुख्यालय) ने नवंबर 2016 में दिल्ली वक्फ बोर्ड में विभिन्न मौजूदा और गैर-मौजूदा पदों पर अमानतुल्लाह खान द्वारा मनमानी और अवैध नियुक्तियों का आरोप लगाते हुए एक शिकायत दर्ज की थी। सूत्रों ने कहा कि सीबीआई ने एक मामला दर्ज किया था और जांच की थी जिसमें मुकदमा चलाने योग्य पर्याप्त सबूत सामने आए थे, जिसके बाद सीबीआई ने उपराज्यपाल से मुकदमा चलाने की मंजूरी मांगी थी। उन्होंने कहा कि सीबीआई ने इस साल मई में अपना अनुरोध पेश किया था।

करगिल विजय उत्सव के रुप में रन फॉर फन का आयोजन

श्रीनगर। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के सीमांत जिले कुपवाड़ा में माचल सेक्टर में नियंत्रण रेखा के नजदीकी गांव टी सुंतवारी में भारतीय सेना ने करगिल विजय उत्सव के रुप में 'रन फॉर फन' का आयोजन किया। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि टी सुंतवारी की छोटी पहाड़ी की सड़क पर सुबह से गतिविधियां चल रही थी। आस पास के गांवों चुंनवारी ओइन, धोबन और हाजीमोला के विभिन्न आयु वर्गो के 160 से ज्यादा ग्रामीणों जिसमें 30 लड़किया थी ने स्थानीय सेना की इकाई द्वारा आयोजित 'रन फॉर फन' में शामिल हुए। कुपवाड़ा जिले के बाहरी इलाके में टी सुंतवारी एक छोटा सा गाँव है। गांव की कच्ची सड़कों पर हर रोज केवल चार से पांच वाहन या दो टट्टुओं की भीड़ दिखाई देती है। भारतीय सेना ने इस महीने को कारगिल विजय समारोह के लिए समर्पित किया है। ग्रामीणों ने सशस्त्र बलों में प्रवेश के लिए अग्निपथ योजना पर व्याख्यान के बाद कार्यक्रम में उत्साह के साथ भाग लिया।

'कोरोना मामले की गिनती अनावश्यक तनाव का कारण'

श्रीनगर। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में द डॉक्टर एसोसिएशन कश्मीर (डाक) ने रविवार को कहा कि प्रांसगिकता खो चुका कोविड 19 मामलों की गिनती लोगों के बीच अनावश्यक तनाव और डर का कारण है। डाक के अध्यक्ष और इन्फ्लुएंजा विशेषज्ञ नासिर उल हसन ने कहा कि कोरोना मामलों की संख्या लोंगो के बीच अनावश्यक तनाव और डर का कारण है। श्री नासिर ने कहा कि महामारी की शुरुआत में दैनिक मामलों की गिनती का उपयोग एक मीट्रिक के रूप में किया जाता था क्योंकि उस समय कोरोना मामले में वृद्धि होने के कारण अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु में वृद्धि हुई थी। उन्होंने कहा कि आम जनसंख्या में टीकाकरण और प्राकृतिक रोग प्रतिरोधक शक्ति के फैलाव के कारण अब यह बदल चुका है। ज्यादातर संक्रमण कम असर वाले हैं और उनमें अस्पताल में भर्ती करने की जरुरत नही है। श्री निसार ने कहा कि कोविड -19 आखिरी चरण में प्रवेश कर गया है और मामलों में वृद्धि और गिरावट एक नियमित प्रक्रिया हो रही है।

चीन सीमा में फंसे 25 पर्यटकों को हेली से सकुशल लाया गया धारचूला

नैनीताल। चीन सीमा से सटी व्यासघाटी में सड़क सम्पर्क टूटने से बूंदी में फंसे 25 पर्यटकों को हेलीकाप्टर से सकुशल धारचूला लाया गया है। उच्च हिमालयी क्षेत्र में अतिवृष्टि के चलते लगातार भूस्खलन होने से धारचूला-गूंजी मुख्य मार्ग लगातार बाधित हो रहा है। दो दिन पहले भी कई जगहों में मलबा आने और मार्ग बाधित होने से 25 आदि कैलाश यात्री बूंदी में फंस गये थे। जिला प्रशासन की ओर से अविलंब कार्यवाही करते हुए 25 आदि कैलाश यात्रियों को हेली सेवा से सकुशल धारचूला लाया गया। सभी यात्री आज अपने गतंव्य के लिये रवाना हो पाये। मौसम खराब होने और सड़कें बंद होने से जिला प्रशासन के लिये धारचूला, मुनस्यारी व बंगापानी तहसीलों में गंभीर बीमार मरीजों और गर्भवती महिलाओं को समय से अस्पताल पहुंचाना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में जिलाधिकारी डा. आशीष चैहान ने गर्भवती महिलाओं को समय से उपचार दिलाने के लिये मुख्य चिकित्साधिकारी व संबद्ध उपजिलाधिकारियों को तहसील मुख्यालयों में आपातकालीन चिकित्सा केन्द्र स्थापित करने और ग्रामीण क्षेत्रों से गर्भवती महिलाओं को समय से भर्ती करने और उपचार देने के लिये वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश दिये हैं। यही नहीं उन्होंने पहाड़ों में ऐसे स्कूलों व छात्र छात्राओं के लिये भी कार्ययोजना बनाने को कहा है जो नदी नाले पार कर स्कूल पहुंचते हैं। गौरतलब है कि जनपद के मुनस्यारी में एक गर्भवती महिला को समय से उपचार नहीं मिलने और हेलीकाप्टर समय पर नहीं पहुंचने से नवजात बच्चे की मौत हो गयी थी जिससे जिला प्रशासन की किरकिरी हुई थी।

महिला ने अपनी दो बेटियों के साथ मिलकर जहर निगला, तीनों की मौत

सोनीपत। हरियाणा के सोनीपत के लाल दरवाजा क्षेत्र में शनिवार को महिला ने दो बेटियों के साथ जहरीला पदार्थ निगल लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उन्हें लेकर नागरिक अस्पताल में पहुंचे। जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया। वहां उपचार के दौरान तीनों की मौत हो गई। सूचना के बाद पहुंची सिविल लाइन थाना पुलिस ने शवों को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने महिला के पिता के बयान पर दामाद के खिलाफ आत्महत्या को विवश करने का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पानीपत के गांव नौल्था निवासी राजेंद्र ने सिविल लाइन थाना की ओल्ड चौकी पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने अपनी बेटी सीमा (40) की शादी करीब 22 साल पहले लाल दरवाजा निवासी प्रमोद के साथ की थी। शादी के बाद उसकी बेटी ने दो बेटियों भावना (20) व कृष्णा (16) व एक बेटे की मां बन गई। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रमोद उसकी बेटी को लगातार प्रताड़ित कर रहा था। उसकी बेटी व बच्चों की पढ़ाई तक का खर्च प्रमोद नहीं दे रहा था। शनिवार को उसकी बेटी सीमा ने अपनी बेटियों भावना और कृष्णा के साथ जहर खा लिया। तीनों की तबीयत बिगड़ी तो नागरिक अस्पताल ले जाया गया। जहां पर चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया। पीजीआई रोहतक में उपचार के दौरान तीनों ने दम तोड़ दिया। मामले की सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना की ओल्ड चौकी पुलिस मौके पर पहुंची।

मार्गरेट अल्वा होंगी विपक्ष की उपराष्ट्रपति उम्मीदवार

एनसीपी चीफ शरद पवार ने किया ऐलान

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्ष ने मार्गरेट अल्वा को अपना उम्मीदवार बनाया। रविवार को एनसीपी चीफ शरद पवार ने इस बात की घोषणा की। मूल रूप से कर्नाटक की रहने वाली अल्वा गोवा की राज्यपाल रह चुकी हैं। 80 वर्षीय अल्वा मंगलवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगी, जो छह अगस्त को होने वाले चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने उपराष्ट्रपति पद के लिए पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ को अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं मार्गरेट अल्वा ने ट्वीट कर संयुक्त विपक्ष का आभार जताया। उन्होंने लिखा कि वह खुद को काफी

सम्मानित महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मैं विपक्ष द्वारा खुद में दिखाए गए विश्वास के प्रति आभारी हूं और तहेदिल से नामांकन को स्वीकार करती हूं।

17 दलों का सामूहिक फैसला

अल्वा को मैदान में उतारने का फैसला राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार के आवास पर 17 विपक्षी दलों के नेताओं की बैठक में लिया गया।

पवार ने दो घंटे की बैठक के बाद घोषणा करते हुए कहा कि हमने सर्वसम्मति से मार्गरेट अल्वा को उपराष्ट्रपति पद के लिए अपने संयुक्त उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सामूहिक सोच है कि अल्वा मंगलवार को उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर नामांकन पत्र दाखिल करेंगी। पवार ने कहा कि कुल 17 दलों ने सर्वसम्मति से अल्वा को मैदान में उतारने का फैसला किया है और तृणमूल कांग्रेस तथा आम आदमी पार्टी के समर्थन से वह कुल 19 पार्टियों की संयुक्त उम्मीदवार होंगी।

ममता बनर्जी से नहीं हो पाया संपर्क

शरद पवार ने कहा कि उन्होंने इस बारे में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से संपर्क करने की कोशिश की। लेकिन वह किसी कांफ्रेंस में बिजी थीं, इसलिए उनसे बात नहीं हो पाई। इसके अलावा शरद पवार ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से भी संपर्क करने की कोशिश की है। एनसीपी चीफ ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने कुछ दिन पहले यशवंत सिन्हा के लिए समर्थन देने की घोषणा की है। वह मार्गरेट अल्वा को भी अपना समर्थन देंगे।

जुलाई 29 से बुद्ध अमरनाथ यात्रा, सुरक्षा कड़ी

जम्मू। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती पुंछ जिले में 29 जुलाई से वार्षिक बाबा बुद्ध अमरनाथ यात्रा शुरू हो रही है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यात्रा के सुचारू संचालन के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

अधिकारी ने कहा, कोविड महामारी के कारण दो साल से निलंबित बुद्ध अमरनाथ यात्रा इस साल आयोजित की जा रही है और यह 29 जुलाई से शुरू हो रही है। उन्होंने कहा कि तीर्थयात्रियों के स्वागत के लिए सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया गया है। उन्होंने कहा, हमने यात्रा को सुचारू रूप से चलाने के लिए कमर कस ली है। इस बीच, सुरक्षा के संबंध में, पुंछ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित बसकोत्रा ने 'यूनीवार्ता' को बताया, सुरक्षा ग्रिड को बढ़ा दिया गया है और सभी संबंधित एजेंसियों के सहयोग से, हम समय-समय पर स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं।

तीर्थयात्रियों का जत्था जम्मू स्थित यात्री निवास से मंदिर के लिए रवाना होगा।

गौरतलब है कि आगामी बाबा बुद्ध अमरनाथ यात्रा के मद्देनजर 14 जुलाई को राजौरी में एक उच्च स्तरीय संयुक्त सुरक्षा समीक्षा बैठक हुई थी।

लोरन घाटी से घिरा, बाबा बुद्ध अमरनाथ जम्मू से पुंछ जिले में 290 किलोमीटर दूर स्थित है और पुलस्ती नदी के किनारे समुद्र तल से 4600 फीट ऊपर स्थित है।

खेत में छिपकर बना रहे थे देसी बम, अचानक हुआ विस्फोट; 2 की मौत और 1 घायल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मालदा में देसी बम विस्फोट से दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान फरजान एसके (45) और सफीकुल इस्लाम (30) के रूप में हुई है। ये सभी मानिकचक थाना क्षेत्र के जेसरथला बालुटोला में एक खेत में बम बना रहे थे, तभी बम में दुर्घटनावश विस्फोट हो गया। पुलिस अधिकारी ने कहा, स्थानीय लोगों ने देर रात करीब ढाई बजे एक बड़े धमाके की आवाज सुनी।

जब तक हमारे कर्मी इलाके में पहुंचे, तब तक तीन घायलों को अस्पताल पहुंचा दिया गया था। अस्पताल के डॉक्टर्स ने उनमें से दो को मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य व्यक्ति का मालदा मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में इलाज हो रहा है। अधिकारी ने बताया कि मौके से कुछ कच्चा माल मिला है, जिनका इस्तेमाल देसी बम बनाने में किया जा रहा था। पुलिस ने बताया कि वह इस बात की जांच कर रही है कि इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक कहां से लाए गए।

उन्होंने बताया कि बम बनाने के मकसद का भी पता लगाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार यादव ने बताया कि बम निरोधक दस्ता इलाके में है और स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि इसमें शामिल अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। शुक्रवार को इलाके से चार हथियार बरामद किए गए थे।

स्थानीय लोगों ने कहा कि जमीन को लेकर सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस के भीतर गुटबाजी के कारण पिछले कुछ हफ्तों से इलाके में तनाव बना हुआ है।

यूजीडी पाइपलाइन बिछाने के दौरान मिट्टी की गुफा में जिंदा दबे दो मजदूर

विरुधुनगर। तमिलनाडु के दक्षिणी जिले विरुधुनगर के सत्तूर में रविवार को भूमिगत जल निकासी (यूजीडी) पाइपलाइन बिछाने का काम कर रहे दो ठेका मजदूरों पर मिट्टी का एक टीला खोदते समय उनपर गिर पड़ा जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि मृतकों की पहचान कल्लाकुरिची जिले के निवासी के कृष्णमूर्ति (52) और एन.शक्तिवेल (38) के रूप में हुई है। ये दोनों 12 फीट की गहराई पर एक गड्ढे के अंदर पाइपलाइनों को जोड़ रहे थे, तभी मिट्टी धंस गई और जिंदा उसमें फंस गए। सूचना मिलने पर तमिलनाडु अग्निशमन एवं बचाव सेवा विभाग के कर्मी पुलिस के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।

हॉस्टल में छात्रा की मौत से गुस्साई भीड़, स्कूल की बसों में लगाई आग; पथराव में 20 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल

चेन्नई। तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले में प्राइवेट स्कूल की बारहवीं कक्षा की छात्रा की मौत को लेकर विरोध प्रदर्शन रविवार को हिंसक हो गया। विभिन्न छात्र संगठनों और स्थानीय लोगों ने स्कूल परिसर में खड़ी कई बसों में आग लगा दी। साथ ही स्कूल की प्रॉपर्टी के साथ तोड़फोड़ की गई।

एक पुलिस बस में भी आग लगाने की खबर है। रिपोर्ट के मुताबिक, गुस्साए लोगों ने पथराव भी किया, जिसमें पुलिस उप महानिरीक्षक एम. पांडियन सहित 20 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हो गए। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस अधिकारियों की ओर से हवा में दो बार फायरिंग भी की गई।

कुड्डालोर जिले की रहने वाली पीड़िता बुधवार तड़के हॉस्टल के परिसर में मृत पाई गई थी। लड़की के परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों ने उसका शव लेने से इनकार कर दिया। उन्होंने छात्रा की मौत के पीछे साजिश होने का आरोप लगाया है और जांच की मांग की है। लड़की की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बताया गया है कि उसकी मौत कई चोटों के कारण रक्तस्राव और सदमे से हुई है। शरीर पर सभी चोटों के निशान ताजा थे। हालांकि, अभी तक इस पर अंतिम बयान सुरक्षित रखा गया है। रासायनिक विश्लेषण की रिपोर्ट आने का इंतजार है।

पुलिस ने रोका तो शुरू हुआ पथराव

परिवार के सदस्य, रिश्तेदार और स्थानीय लोग घटना की गहराई से जांच की मांग को लेकर कई दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। रविवार को बड़ी संख्या में छात्रों और स्थानीय लोगों ने चिन्ना सलेम-कल्लाकुरिची रोड पर यातायात को रोक दिया। इसके बाद ये लोग कनियामूर स्थित प्राइवेट रेसिडेंशियल स्कूल की ओर बढ़ने लगे।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सुलझाया हिट एंड रन केस, चार गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने रविवार को बडगाम जिले में मुख्य आरोपी समेत चार लोगों को गिरफ्तार करके हिट एंड रन मामले को सुलझाने का दावा किया।

पुलिस ने कहा कि 15 जुलाई 2022 को खानसाहिब थाना को सूचना मिली थी कि मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के सीतारन खाग के निवासी मोहम्मद यूसुफ लोन और मुश्ताक अहमद लोन दो सवारों के साथ एक मोहम्मद इस्माइल लोन द्वारा संचालित एक मोटरसाइकिल को जामिया मस्जिद अरिजल के पास एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी है। घटना को अंजाम देने के बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया है।

घायलों को इलाज के लिए श्रीनगर के श्री महाराजा हरि सिंह (एसएमएचएस) अस्पताल में भर्ती कराया गया। मोहम्मद यूसुफ और मोहम्मद इस्माइल ने हालांकि, बाद में दम तोड़ दिया।

इसके बाद कानून की संबंधित धाराओं के तहत खानसाहिब थाना में मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान पुलिस ने अपराध में शामिल चालक की पहचान करने और उसे गिरफ्तार करने के लिए सभी प्रयास किए। विभिन्न संदिग्धों को बुलाकर पूछताछ की गई और कुछ विश्लेषण भी किया गया जिससे कुछ सुराग मिले। इस बीच गांव अरिजाल में एक खेत से संदिग्ध वाहन बरामद हुआ।

चेकमार्ग हरदपंजू के इरशाद अहमद खान को अरिजल सूमो स्टैंड के अध्यक्ष द्वारा खानसाहिब थाना के सामने पेश किया गया, जिसकी पहचान अरिज़ल निवासी फ़याज़ अहमद वार और वाहन के मालिक (टाटा सूमो) के भाई मेहराज अहमद खान के चेक-ए-मार्ग के रूप में की गई जिसे घटना के समय वाहन का चालक बताया जा रहा था।

पूछताछ के दौरान यह पता चला कि घटना के समय चेकमार्ग हरपंजू (जिसके पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं है) निवासी शकील अहमद खान वाहन चला रहा था। वास्तविक चालक सूमो स्टैंड के अध्यक्ष द्वारा पेश चालक का भाई और शामिल वाहन के मालिक का भाई है। तीनों ने वर्तमान चालक को ड्राइविंग लाइसेंस न होने के कारण कानूनी कार्रवाई से बचाने की साजिश रची थी।

पुलिस ने कहा कि वाहन के चालक को गिरफ्तार कर लिया गया और फर्जी चालक समेत अन्य दो धोखेबाजों को भारतय दंड संहिता और मोटर वाहन अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया।

बाघ हमला : लापता युवक का सुराग नहीं, ग्रामीणों ने किया एनएच जाम

नैनीताल। उत्तराखंड के रामनगर में बाघ के हमले में लापता युवक का दूसरे दिन भी कोई सुराग नहीं लग पाया है। गुस्साये ग्रामीणों ने रविवार को राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगा दिया और बाघ को आदमखोर घोषित करने और पकड़ने की मांग की। मोहान के ग्रामीण आज सड़क पर उतर आये और दर्जनों ग्रामीणों ने विरोध में राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगा दिया। ग्रामीण बाघ को आदमखोर घोषित करने और पकड़ने की मांग कर रहे थे। ग्रामीणों ने वन विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जाम में अल्मोड़ा से लौट रहे पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस नेता हरीश रावत भी फंसे रहे। उन्होंने ग्रामीणों की मांग का समर्थन करते हुए वन विभाग से ग्रामीणों की समस्या का समाधान करने की मांग की।

दूसरी ओर वन विभाग की ओर से कार्बेट से जंगल में रविवार को युवक की तलाश के लिये खोज अभियान चलाया गया। बताया जा रहा है कि घटना स्थल से काफी दूर कुछ अवशेष मिले हैं। एक हाथ पूरा व दूसरा अधखाया हाथ मिला है। गौरतलब है कि अल्मोड़ा व नैनीताल जनपद की सरहद पर मोहान के पास उप्र के दो बाइक सवार युवकों पर शनिवार रात के समय बाघ ने हमला कर दिया था।

राज्य की आर्थिक नीतियों से बढ़ी प्रति व्यक्ति आय : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि राज्य सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण ही कोरोना काल के बावजूद पिछले तीन साल में प्रतिव्यक्ति आय 26.21 प्रतिशत बढ़ी है।

श्री गहलोत आज कृषि अनुसंधान संस्थान दुर्गापुरा में राजस्थान राज्य कर सेवा संघ द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य के राजस्व संग्रहण में वाणिज्य कर विभाग की अहम भूमिका है। संपूर्ण राजस्व का लगभग 60 प्रतिशत संग्रहण इसी विभाग द्वारा किया जाता है। इस विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2021-22 में वैट एवं जीएसटी (केन्द्र से प्राप्त क्षतिपूर्ति राशि के अलावा) को मिलाकर 48 हजार 112 करोड़ रूपए का राजस्व अर्जित किया गया। यह पिछले वर्ष की तुलना में 26 प्रतिशत अधिक है। इसमें राज्य कर सेवा के अधिकारी-कर्मचारियों की अहम भूमिका है।

उन्होंने बताया कि राज्य को जो भी राजस्व से मिलता है वह राज्य के विकास और जन कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों पर खर्च किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान बजट 2022-23 पूरे देश में अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है इसमें हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने विभिन्न एमनेस्टी योजनाएं भी लागू की हैं, जिससे राजस्व संग्रहण में वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि राज्य की जीडीपी तीन साल में तीन लाख रूपये बढ़ी है। यहीं विकास का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने राज्य में राजनीति से परे मानवीय दृष्टिकोण से राजकीय कार्मिकों के लिए पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) लागू करने का अहम फैसला लिया।

बागेश्वर में दो महिलायें सरयू नदी में कूदीं, लापता

बागेश्वर/नैनीताल। उत्तराखंड के बागेश्वर में दो महिलाओं की सरयू नदी में डूबने का मामला सामने आया है। पुलिस, राज्य आपदा प्रबंधन बल व अग्निशमन की टीम मौके पर खोज अभियान में जुटी हैं। दोनों लापता हैं। बताया जा रहा है कि बागेश्वर के दफौट की रहने वाली ज्योति (25) अपनी चाची के साथ किसी काम से रविवार को बागेश्वर जनपद मुख्यालय आयी थी। बताया जा रहा है कि विकास भवन के पास यकायक उसने सरयू में छलांग लगा दी। बताया जा रहा है कि ज्योति को बचाने के चक्कर में उसकी बदहवास चाची जीवंती देवी भी नदी में कूद गयी। दोनों पल में ओझल हो गये। यह घटना शहर में आग की तरह फैल गयी। सूचना मिलते ही पुलिस व एसडीआरएफ के जवान मौके पर पहुंचे और गहनता से तलाशी अभियान चलाया गया लेकिन सरयू नदी के तेज बहाव में दोनों का कोई पता नहीं चल पाया।

केंद्र सरकार टैक्स बढ़ोतरी पर पुन: विचार कर वापिस ले : गर्ग

सिरसा। हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व अखिल भारतीय व्यापार मंडल के राष्ट्रीय मुख्य महासचिव बजरंग दास गर्ग ने कहा कि केंद्र सरकार ने आम आदमी की हर जरूरत का सामान रोटी, कपड़ा और मकान पर सरकार ने अनाप-शनाप टैक्स लगाकर गरीबों के मुंह का निवाला छीनने का काम किया है। कपड़ा, खाद्य वस्तुओं, मकान की ईटों व खेती में उपयोग आने वाली दवा, बीज, उपकरणों आदि वस्तुओं पर कभी टैक्स नहीं था, जबकि सरकार ने इन पर भी जीएसटी लगा दिया। पहले ही देश-प्रदेश की जनता महंगाई की मार से दुखी थी ऊपर से नए टैक्स लगा व टैक्स में बढ़ोतरी कर केंद्र सरकार जनता की कमर तोडने में लगी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण को नए लगाए गए टैक्स व टैक्सों की बढ़ोतरी पर पुनः विचार कर वापिस लेना चाहिए ताकि आम जनता को महंगाई की मार से राहत मिल सके। इसको लेकर उनके संगठन द्वारा एक पत्र भी इन मंत्रियों को लिखा गया है।

गर्ग आज यहां व्यापारी प्रतिनिधियों की बैठक लेने के उपरांत पत्रकार वार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पेट्रोल व डीजल पर टैक्स कम कर जीएसटी के दायरे में लाना चाहिए था जबकि केंद्र व प्रदेश सरकार पेट्रोल व डीजल पर टैक्स बढ़ाकर महंगाई का बम जनता पर फोड़ रही है।

श्री गर्ग ने कहा कि टैक्स फ्री वस्तुओं पर भी जीएसटी लगाने से देश व प्रदेश में भ्रष्टाचार व इंस्पेक्टरी राज को बढ़ावा मिलेगा वहीं व्यापारियों का व्यापार भी बुरी तरह प्रभावित होगा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की गलत नीतियों के कारण पहले ही 70 फिसदी मीलें व गावों में चल रहे 90 फिसदी छोटे उद्योग बंद हो चुके हैं। कपास उद्योग प्रदेश से पलायन कर गया है।

सरकार को चाहिए कि उद्योगों की पुन: स्थापना के लिए व्यापरी को कम ब्याज दर पर कर्ज मुहैया करवाए। इस मौके पर सिरसा जिला प्रधान हीरालाल शर्मा, व्यापार मंडल युवा प्रधान संदीप मिढा, प्रदेश सचिव सुधीर ललित, स्वर्णकार एसोसिएशन के प्रधान सुखविंद्र सोनी, महासचिव जयप्रकाश भोलुसरिया, किराना एसोसिएशन के प्रधान सतीश शर्मा सहित कई व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

एनजीटी ने चार बिल्डरों पर लगाया 153.66 करोड़ का जुर्माना

सोनीपत। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली हरियाणा के सोनीपत की चार निजी बिल्डर कंपनियों के छह प्रोजेक्ट्स पर 153.66 करोड़ रुपये का जुर्माना ठोका है। इन कंपनियों में टीडीआई इंफ्रास्ट्रक्चर, पार्कर, सीएमडी बिल्डटेक और नारंग कंस्ट्रक्शन शामिल हैं। टी.डी.आई. इंफ्रास्ट्रक्चर पर सबसे ज्यादा 94 करोड़ से अधिक का जुर्माना लगाया गया है। इस जुर्माने को एनजीटी ने पर्यावरण मुआवजे का नाम दिया है। मिलने वाली रकम को पर्यावरण संरक्षण के लिए खर्च करने के निर्देश दिए हैं, जिसके लिए बाकायदा एक कमेटी का गठन भी किया गया है। कंपनियों को जहां तीन माह में जुर्माना राशि जमा करवाने के निर्देश दिए गए हैं, वहीं, कमेटी को पर्यावरण सुदृढ़ता के प्लान को लागू करने के लिए छह माह का समय दिया गया है।

सोनीपत के गांव नांगल कलां के ग्रामीण किसान उदय समिति के बैनर तले पिछले कई सालों से पर्यावरण प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई लड़ी रहे थे। समिति द्वारा 2018 में शिकायत नंबर 764 एनजीटी में भी लगाई थी। इसी शिकायत पर एनजीटी ने 15 जुलाई को आदेश दिए हैं। शिकायत में ग्रामीणों ने बताया था कि सेक्टर-58 से लेकर सेक्टर-64 तक में निजी बिल्डरों ने रिहायशी प्रोजेक्ट्स तैयार किए हैं, जिनमें 14 से 15 हजार लोग रहते हैं। इन रिहायशी इलाकों से जो दूषित पानी या गंदगी निकलती है, उसके निपटान की ठोस व्यवस्था नहीं है। ग्रामीणों के अनुसार दूषित पानी को टैंक में भरकर नांगल कलां गांव के क्षेत्र में जमीन पर डाल दिया जाता है। शिकायत में बताया गया था कि हर रोज करीब 5 लाख लीटर दूषित पानी गांव की जमीन पर डाला जा रहा है। जिसकी वजह से क्षेत्र में बदबू फैल रही है और बीमारियां फैलने का खतरा भी बना हुआ है। ग्रामीणों का आरोप था कि पानी का ट्रीटमेंट किए बिना आसपास की खाली जमीन पर डाला जा रहा है। इसके अलावा खेतों के लिए बनाई गई नहरों में भी गंदगी डाली जा रही है।

किसान उदय समिति ने 24 अप्रैल 2018 को पहले मुख्यमंत्री को शिकायत भेजी थी। सबूत के तौर पर शिकायत के साथ फोटोग्राफ भी लगाए गए थे। इसके बाद 24 जुलाई 2018 को हरियाणा स्टेट पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया और मौके पर ही गंदा पानी डालते हुए टैंकर भी पकड़े थे। इसके बाद भी कोई एक्शन नहीं लिया गया। 2019 में अतिरिक्त मुख्य सचिव के निर्देशों पर गठित कमेटी ने भी निरीक्षण कर सॉलिड वेस्ट के लिए उपयुक्त सिस्टम न पाए जाने की जानकारी दी थी। 16 जुलाई 2019 को भी एक कमेटी ने निरीक्षण कर रिपोर्ट दी थी, जिसमें पर्यावरण प्रदूषण की बात कही गई थी।

हरियाणा स्टेट प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने भी 22 अक्तूबर 2019 में एक रिपोर्ट में उपरोक्त बिल्डरों से पर्यावरण प्रदूषण करने की एवज में 1.32 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने की बात कही थी। चार सितंबर 2019 को नगर योजनाकार विभाग के प्रधान सचिव ने मीटिंग लेकर सोनीपत के नगर योजनाकार अधिकारी को सॉलिड वेस्ट के मैनेजमेंट के संदर्भ में निर्देश दिए थे कि वेस्ट की सही मैनेजमेंट सुनिश्चित करें। ग्रामीणों के अनुसार इन सब निर्देशों और आदेशों के बावजूद निजी बिल्डर मनमानी करते रहे। कुंडली में सेक्टर-58 से सेक्टर-64 तक रिहायशी प्रोजेक्ट्स हैं।

शार्ट न्यूज

जेवर पुलिस ने एक बैट्री चोर को किया गिरफ्तार, कब्जे से चोरी की तीन बैट्री बरामद

ग्रेटर नोएडा। थाना जेवर क्षेत्रान्तर्गत जहाँगीरपुर पुलिस चौकी प्रभारी एसआई नीलकान्त ने अपने पुलिस बल एसआई लाखन सिंह, हैड कांस्टेबल 296 धनेश कुमार, कास्टेंबल 3376 सत्येंद्र कुमार के साथ मिलकर रविवार को एक शातिर बैट्री चोर फुरकान उर्फ टैम्पो पुत्र इस्लाम निवासी मौहल्ला व्यापारियान कस्बा जहाँगीरपुर थाना जेवर गौतमबुद्धनगर को झाझर रोड ईदगाह के पीछे से गिरफ्तार कर लिया ।पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने चोरी की तीन बैट्री बरामद की है ।गौरतलब है कि वादी की 15 जुलाई 2022 को जहांगीरपुर फार्म हाऊस मे खड़े तीन टैक्टरों की बैट्री चोरी हो गई थी। जिसके सम्बन्ध में वादी द्वारा 16 जुलाई 2022 को जेवर थाने में लिखित तहरीर दी गयी थी। जिस के आधार पर थाना जेवर पर मुकदमा अपराध संख्या 264/2022 धारा 379 भादवि के तहत पंजीकृत किया गया था ।गिरफ्तार अभियुक्त शातिर किस्म का चोर है ।जिसके विरूद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

थाना फेस 1 पुलिस द्वारा दुष्कर्म के अभियोग के वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

नोएडा। थाना फेस 1 पुलिस ने रविवार को डिलाईट पब्लिक स्कूल से आगे तिराहे पर न्यू नाइस सैलून से एक वांछित अभियुक्त दिलजान पुत्र फुरकान निवासी सदरपुर कालोनी सैक्टर 45 नोएडा मूल पता गढी रसूलपुर बस्ती थाना मीरापुर कस्बा मीरापुर जिला मुजफ्फरनगर को गिरफ्तार कर लिया। उपरोक्त अभियुक्त थाना फेस 1 पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 174/22 धारा 376 भादवि व 3/4 पोक्सो एक्ट के तहत वांछित चल रहा था ।अभियुक्त द्वारा वादी की नाबालिग पुत्री के साथ दुष्कर्म किया गया था। जिसके सम्बन्ध में वादी द्वारा 15 मई 2022 को उपरोक्त मुकदमा पंजीकृत कराया गया था ।अभियुक्त वादी की पुत्री के स्कूल के पास हेयर ड्रेसर की दुकान पर कार्य करता था। जिसके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

पड़ोसन को पैसे ट्रांसफर करने पर लिव-इन पार्टनर ने ली प्रेमिका की जान, फिर यूपी में एक्सप्रेस-वे पर फेंका शव

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के गोविंदपुरी इलाके में पड़ोसन को पैसे ट्रांसफर करने को लेकर हुए झगड़े के दौरान अपनी लिव-इन पार्टनर की कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति की गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 43 वर्षीय ओम प्रकाश के रूप में हुई है। हत्या के बाद आरोपी पहले तो घर से भाग गया था, लेकिन शव ठिकाने लगाने के लिए लौट वापस आया था। पुलिस ने कहा कि वह अपने भाई रमेश (45) और दोस्त संजय (33) के साथ घर लौटा और महिला के शव को एक कार में डालकर ले गया और उसे उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्ध नगर जिले के दनकौर इलाके में यमुना एक्सप्रेसवे पर सर्विस लेन के पास फेंक दिया था। पुलिस ने कहा कि तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और शव को फेंकने में इस्तेमाल की गई कार भी जब्त कर ली गई है। पुलिस के अनुसार, मामले की सूचना उन्हें 2 जुलाई को ब्रजेश नाम के एक व्यक्ति ने दी थी, जो गोविंदपुरी थाने में आया और कहा कि उसके तुगलकाबाद एक्सटेंशन स्थित घर से एक किराएदार लापता है। ब्रजेश ने अपनी शिकायत में कहा कि उसे शक है कि महिला जुलेखा का उसके लिव-इन पार्टनर ओम प्रकाश ने अपहरण किया होगा। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण पूर्व) ईशा पांडे ने कहा कि शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और उस इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जहां जुलेखा रहती थी। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की स्कैनिंग के दौरान, उन्हें एक फुटेज मिला जिसमें तीन व्यक्ति एक बेहोश महिला को एक काली कार में ले जाते हुए दिखाई दे रहे थे। पुलिस ने दो लोगों की पहचान ओम प्रकाश और राजकुमार के रूप में की, जबकि तीसरे की पहचान नहीं हो पाई थी।

दिल्ली में एमसीडी की समान संपत्ति कर नीति लागू, एकमुश्त भुगतान पर छूट की अवधि भी बढ़ाई

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों के लिए समान संपत्ति कर नीति शनिवार से लागू हो गई है। इसके साथ ही एमसीडी ने कहा कि उसने 2022-23 के लिए संपत्ति कर के एकमुश्त भुगतान पर 10 प्रतिशत छूट का लाभ उठाने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 जुलाई करने का भी निर्णय लिया है। इससे पहले, छूट का लाभ उठाने की अंतिम तिथि 16 जुलाई थी। तीन पूर्व निगमों के एकीकरण के बाद एमसीडी ने घोषणा की थी कि एक समान संपत्ति कर स्लैब उसके अधिकार क्षेत्र के तहत क्षेत्रों पर लागू होगा। पहले तीनों निगमों के अलग-अलग स्लैब थे। एमसीडी ने अपने बयान में कहा कि अगर चालू वित्त वर्ष की बकाया राशि का एकमुश्त भुगतान किया जाता है तो वह संपत्ति कर पर 10 प्रतिशत की छूट प्रदान करेगी। एमसीडी ने यह फैसला उन नागरिकों को राहत देने के लिए लिया है, जो किन्हीं कारणों से 15 जुलाई, 2022 तक संपत्ति कर दाखिल नहीं कर छूट का लाभ उठाने में विफल रहे थे। नगर निगम की ओर से सभी संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं और संपत्ति कर कार्यालयों को भी सूचित कर दिया गया है ताकि नागरिकों को कोई असुविधा न हो।

हार्न बजाने से टोकने पर युवक को पीटा

गाज़ियाबाद। इंदिरापुरम में गाड़ी का हार्न बजाने से टोकने पर एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित ने कई लोगों के खिलाफ पुलिस से शिकायत की है। पुलिस ने एक आरोपी को पकड़ लिया है। बीबीए छात्र विनय त्यागी ने पुलिस को बताया है कि वह शुक्रवार शाम करीब छह बजे अपने मित्र आयुष के साथ घर आ रहा था। ज्ञानखंड-1 में दोस्त को कार से उतारने के समय कार रोकी तभी पीछे से एक कार चालक ने हार्न बजाना शुरु कर दिया। उन्होंने गाड़ी से उतरकर जब बेवजह हॉर्न बजाने का कारण पूछा तो आरोपी ने उनके साथ अभद्रता शुरु कर दी। विरोध करने पर उसने पीटना शुरु कर दिया। इसी बीच आरोपी युवक ने अपने ऑफिस से अपने तीन और दोस्तों को बुला लिया। इस दौरान सभी ने उस पर हमला कर दिया जिससे वह बेहोश होकर गिर पड़ा। चीख पुकार मचने पर आसपास के लोगों की मदद से उसके दोस्त ने उसकी जान बचाई और फिर परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने एक आरोपी को पकड़ लिया और घायल का सरकारी अस्पताल में डॉक्टरी मुआयना कराया। छात्र के पिता का आरोप है कि पुलिस ने पकड़े गए एक आरोपी को महज शांति भंग करने की धारा में चालान किया है। जबकि उनके बेटे पर जानलेवा हमला हुआ है और उसे गंभीर चोटें भी आई हैं। इंदिरापुरम थाना प्रभारी देवपाल सिंह पुंडीर का कहना है कि थाना प्रभारी इंदिरापुरम देवपाल सिंह पुंडीर ने बताया कि आरोपियों को शीघ्र पकड़ा जाएगा।

हादसे में घायल महिला की उपचार के दौरान मौत

गाज़ियाबाद। अर्थला मेट्रो स्टेशन के पास अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से घायल हुई महिला की मौत हो गई। महिला अस्पताल में भर्ती अपने पति को खाना देकर घर जा रही थीं। मृतका के पुत्र ने साहिबाबाद थाने में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कराया है। अर्थला में रहने वाले दीपू ने बताया कि मां गुड्डी 11 जुलाई को रात करीब साढ़े आठ बजे ईएसआई अस्पताल में भर्ती उनके पिता ओमवीर को खाना खिलाकर वापस घर लौट रही थी। जैसे ही वह अर्थला पहुंची तभी एक अज्ञात वाहन चालक ने उन्हें तेज टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। वहां से जा रहे उनके पड़ोसी ने हादसे की सूचना दी जिसके बाद वह मां को नरेंद्र मोहन अस्पताल ले गए, जहां से उन्हें जीटीबी दिल्ली के लिए रैफर कर दिया गया। बताया कि 13 जुलाई को उनकी मां की उपचार के दौरान मौत हो गई। दीपू ने साहिबाबाद थाने पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ शिकायत दी है, जिसके आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। साहिबाबाद थाना प्रभारी प्रदीप सिंह त्रिपाठी ने कहा कि वह उक्त मामले की जांच कर रहे हैं और जल्द ही उचित आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज़ ज़रूर लगवाएं, पहली और दूसरी डोज की तरह ही प्रिकाशन डोज भी बिल्कुल फ्री है : अरविंद केजरीवाल

18 वर्ष से ऊपर के वे सभी लोग, जिनको दूसरी डोज लगवाए हुए छह महीने से ज्यादा हो गए हैं, वे बूस्टर डोज लगवा सकते है: अरविंद केजरीवाल

प्रफुल्ल राय

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की जनता से अपील करते हुए कहा है कि जिन लोगों ने अभी तक कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज नहीं लगवाई है, वे लोग बूस्टर डोज अवश्य लगवा लें। 18 वर्ष से ऊपर के वे सभी लोग, जिनको दूसरी डोज लगवाए हुए छह महीने से ज्यादा हो गए हैं, वे लोग बूस्टर डोज लगवा सकते हैं। कोरोना वैक्सीन की पहली और दूसरी डोज की तरह ही प्रिकाशन (बूस्टर) डोज भी बिल्कुल फ्री है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने बताया कि दिल्ली में कोरोना वैक्सीन की करीब 3.5 करोड़ डोज लगाई जा चुकी है। इसमें 1.81 करोड़ पहली और 1.53 करोड़ दूसरी डोज लगी है, जबकि 18.5 लाख बूस्टर डोज लगी है। दिल्ली में करीब 10 फीसद लोगों ने ही प्रिकाशन डोज लगवाई है। सीएम ने वरिष्ठ नागरिकों से अपील की है कि अगर आपने अभी तक दूसरी डोज या प्रिकाशन डोज नहीं लगवाई है, तो जरूर लगवा लें। सभी हेल्थ वर्कर्स और फ्रंट लाइन वर्कर्स भी जल्द से जल्द प्रिकाशन डोज लगवा लें। साथ ही, अगर अभिभावकों ने 12 से 17 साल उम्र के

अपने बच्चों को अभी तक दूसरी डोज नहीं लगवाई है, तो जरूर लगवा लें। मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल ने आज डिजिटल प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि हम दिल्ली वालों ने कोरोना का डटकर मुकाबला किया। अब कोरोना की स्थिति काफी नियंत्रण में आ गई है और कोरोना के मामले भी काफी कम हो गए हैं। दिल्ली में जितने मामले आ रहे हैं, वो भी गंभीर नहीं है। एक-आध मामले को छोड़ दें, तो काफी कम गंभीर मामले आ रहे हैं। जितने मामले आ रहे हैं, उसमें अधिकतर लोग घर पर ठीक हो जा रहे हैं और उनको अस्पताल जाने की भी जरूरत नहीं पड़ रही है। कोरोना से होने वाली पहले जो मौतें थीं, वो भी अब लगभग ना के बराबर है। लेकिन यह बीमारी तो खराब है, बहुत गंदी बीमारी है। यह बीमारी किसी को ना हो, ऐसी हमारी कामना है और हमारी कोशिश रहती है। इसके वैक्सीनेशन को लेकर दिल्ली सरकार समय-समय पर उचित कदम उठाती रही है। हमने सबके लिए वैक्सीन फ्री किया। केंद्र सरकार का इसमें बहुत सहयोग मिला। आज मैं दिल्ली के लोगों से अपील करना चाहता हूं कि जो सतर्कता (प्रिकाशन) डोज है। प्रिकाशन डोज, पहली और दूसरी रोज के बाद लगती है। जिन-जिन लोगों ने प्रिकाशन डोज नहीं लगवाई है, वो सब लोग प्रिकाशन डोज लगवा लें। दिल्ली में भी बहुत कम लोगों ने प्रिकाशन डोज लगवाई है। यह प्रिकाशन डोज भी हम लोगों ने फ्री की हुई है। जैसे पहली और दूसरी डोज फ्री थी, वैसे ही यह प्रिकाशन डोज भी बिल्कुल फ्री है।

आपको पैसा देने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। सिर्फ आपको थोड़ा सा समय निकाल कर प्रिकाशन डोज लगवाने के लिए जाना है।

अकेडमिक्स ऑफ़ एक्शन एंड डेवलपमेंट के चेयरपर्सन व 3 बार के डूटा अध्यक्ष डॉ. आदित्य नारायण मिश्रा आम आदमी पार्टी में हुए शामिल

डॉ. आदित्य नारायण मिश्रा समेत दर्जनभर से अधिक शिक्षाविद हुए आम आदमी पार्टी में शामिल, मनीष सिसोदिया ने पटका पहना पार्टी में किया स्वागत

आनंद राय

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार द्वारा शिक्षा व गवर्नेंस के विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे शानदार काम से प्रभावित होकर लगातार लोग 'आम आदमी पार्टी' से जुड़ रहे हैं। इसी क्रम में रविवार को अकेडमिक्स ऑफ़ एक्शन एंड डेवलपमेंट के चेयरपर्सन व 3 बार के डूटा अध्यक्ष डॉ. आदित्य नारायण मिश्रा समेत दर्जनभर से अधिक प्रोफेसर,शिक्षाविद व डूटा के वर्तमान कार्यकरिणी के कई सदस्य आम आदमी पार्टी में शामिल हुए। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने टोपी और पटका पहना कर उनका पार्टी में स्वागत किया। इस अवसर पर श्री सिसोदिया ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार शिक्षा के क्षेत्र में शिद्दत से काम करती है यहीं कारण है कि पार्टी जब से सरकार में आई है हमने शिक्षा

को प्राथमिकता देते हुए शानदार काम किए है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्व में दिल्ली में 'आप' की सरकार ने स्कूली शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए काम तो किया ही साथ ही उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भी शानदार काम किए। हमने 5 नए यूनिवर्सिटी शुरू किए और उच्च शिक्षा संस्थाओं में 5 सालों में 25,000+ सीटें बढाई ये अपने आप में रिकॉर्ड है और ऐसा शायद ही देश के किसी और राज्य में हुआ होगा। उन्होंने कहा कि इस क्रम में आदित्य नारायण मिश्रा जी के पार्टी में शामिल होने से उच्च शिक्षा को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में हमें उनके अनुभवों से फायदा मिलेगा। इस मौके पर बुराड़ी विधानसभा से आम आदमी पार्टी के विधायक संजीव झा भी उपस्थित रहे।

श्री सिसोदिया ने कहा कि आज दिल्ली सहित देशभर में अरविंद केजरीवाल जी के काम से प्रभावित हो रहे है इसी दिशा में दिल्ली विश्वविद्यालय के जाने माने चेहरे व उच्च शिक्षा और शिक्षक राजनीति की आवाज, अकेडमिक्स ऑफ़ एक्शन एंड डेवलपमेंट के चेयरपर्सन व 3 बार के दिल्ली यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. आदित्य नारायण मिश्रा जी का आम आदमी पार्टी में शामिल होना हर्ष की बात है।

उन्होंने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी उच्च शिक्षा को बेहतर करने के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है। हमारा मानना है कि स्कूली शिक्षा को इतना शानदार बनाया जाए कि देश का आधार मजबूत हो और उच्च शिक्षा के संस्थानों को इतना बेहतरीन बनाया जाए कि देश तरक्की की ऊंचाईयों को छुएं। शिक्षा को शानदार करने का जो काम दिल्ली में शुरू हुआ है उसे हम पूरे देश में फैलायेंगे चाहे वो यूनिवर्सिटी की क्वालिटी, उसमें होने वाली पढ़ाई की क्वालिटी, विद्यार्थियों को मिलने वाली सुविधाएं हो या रिसर्च और इनोवेशन को अपनाना हम प्राथमिकता के साथ इसपर काम करेंगे और इस दिशा में डॉ. आदित्य नारायण मिश्रा जी व उनकी टीम का अनुभव काम आएगा।

भारत आई अमेरिकी महिला के अपहरण का मामला निकला फर्जी, दिल्ली पुलिस ने 24 घंटे में सुलझा लिया केस

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने हाल ही में एक अमेरिकी महिला के फर्जी अपहरण के मामले को एफआईआर दर्ज होने के महज 24 घंटे के भीतर ही सुलझा लिया है। महिला ने अपने माता-पिता को इमोशनल ब्लैकमेल करने के लिए उनसे झूठ बोला था। महिला के अपहरण की शिकायत को अमेरिकी दूतावास ने नई दिल्ली जिला पुलिस को भेजा था। दरअसल, सनसनीखेज ब्लाइंड केस में महिला पर्यटक 3 मई को दिल्ली पहुंची थी और अपने परिवार को बताया था कि वह असुरक्षित वातावरण में है और एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसके साथ मारपीट की जा रही है। हालांकि, उसने अपने वर्तमान स्थान के बारे में अपने परिवार को नहीं बताया था। नई दिल्ली जिले की डीसीपी अमृता गुगुलोथ ने कहा कि यह मामला पीड़िता के भारत आने के ढाई महीने से अधिक समय के बाद दर्ज किया गया था, इसलिए, सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से उसकी तलाश के प्रयास करने की कोई गुंजाइश नहीं थी। यह भी सुनिश्चित नहीं था कि पीड़िता भारत के कौन से हिस्से में है। तकनीकी निगरानी और पेशेवर जांच के आधार पर घटना की सूचना पुलिस को देने के 24 घंटे के भीतर पीड़िता को बरामद कर लिया गया है। डीसीपी ने कहा कि अमेरिकी दूतावास ने सूचित किया था कि एक अमेरिकी महिला मिस क्लो रेनी मैकलॉघलिन 3 मई, 2022 को दिल्ली पहुंची थी, जहां उसके साथ एक अज्ञात व्यक्ति ने मारपीट की और वह अमेरिका में अपने परिवार को घटना की सूचना देने के बाद से गायब है। पीड़िता ने ईमेल में उल्लेख किया है कि वह एक असुरक्षित वातावरण में है जहां उसे शारीरिक और भावनात्मक शोषण का सामना करना पड़ा है। 10 जुलाई को पीड़िता ने अपनी मां सैंड्रा मैकलॉघलिन से वॉट्सऐप पर वीडियो कॉल के जरिए बात की। पीड़िता की मां ने उसके बारे में कुछ और जानकारी जुटाने की कोशिश की, लेकिन इस दौरान एक अज्ञात व्यक्ति कमरे में दाखिला हुआ और वह ज्यादा कुछ नहीं बता पाई।

लापता बच्ची की 17 दिन बाद गुमशुदगी दर्ज

गाज़ियाबाद। खोड़ा के शंकर विहार में रहने वाली महिला की 13 साल की लड़की घर के बाहर से लापता हो गई। परिजनों ने बताया कि वह तीन चार दिन पहले ही गांव से यहां आई थी और उसे रास्ते की जानकारी नहीं थी। महिला ने बच्ची के गुम होने की सूचना के लगभग 17 दिन बाद खोड़ा थाना पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज की। पुलिस बच्ची को तलाशने के लिये आसपास जानकारी कर रही है। शारदा ने बताया कि 28 जून को वह और बेटा फैक्ट्री में काम करने गए थे, जब वापस लौटे तो उनकी 13 साल की बेटी प्रीति घर पर नहीं थी। आसपास जानकारी की तो पता चला कि वह घर के बाहर खेलते हुए देखी गई थी। महिला ने थाने में बच्ची के गुमशुदगी की सूचना दी। पुलिस उसके यहां 14 जून को आई और उसे एक नंबर देकर अशोक नगर आने के लिए कहा। 15 तारीख को जब वहां पहुंची तो पुलिस वालों ने उसे बाद में आने को कहा। महिला का कहना है कि गांव से आने के कारण बच्ची को यहां के रास्तों की जानकारी नहीं थी, जिस कारण वह रास्ता भटक गई होगी। खोड़ा थाना प्रभारी अलताफ अंसारी ने बताया कि बच्ची को उसकी मां बिहार से लाई थी। माता पिता दोनो ही फैक्ट्री में काम करते हैं। पुलिस बच्ची की तलाश में जुटी है। झंडापुर में सात जुलाई की रात दनकौर की रहने वाली एक महिला की ससुराल में हुई मारपीट में महिला के ताऊ की मृत्यु हो गई है। लिंकरोड़ थाने में ससुराल पक्ष के पति समेत कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि ससुराल वालों के उत्पीडन् के चलते उसने मायके वालों को सूचना दी थी और जब उसके मायके वाले सात जुलाई की रात झंडापुर आए तो उन पर ससुराल पक्ष के लोगों ने हमला कर दिया। जिसमें कई लोग घायल हो गए थे। गंभीर हालत में भाई व ताउ को उपचार के लिए नोएडा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

उत्तराखंड प्रकोष्ठ ने मनाया हरेला महोत्सव

मोदी सरकार उत्तराखंड के रीति-रीवाज और संस्कृति को संजोने का काम किया है : अनिल बलूनी

विवेक राय

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख एवं राज्यसभा सांसद श्री अनिल बलूनी और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री तीरथ सिंह रावत की उपस्थिति में आज उत्तराखंड के लोकल पर्व हरेला महोत्सव का आयोजन किया गया और वृक्षारोपण भी किया गया। प्रदेश कार्यालय में उत्तराखंड प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में प्रदेश संगठन महामंत्री श्री सिद्धार्थन और पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री अजय टमटा उपस्थित थे। प्रदेश भाजपा उत्तराखंड प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित किए गए इस पर्व में ढोल नगाड़ों के साथ उत्तराखंड की संस्कृति का भरपूर नजारा देखने को मिला।

इस मौके पर उपस्थिति लोगों को हरेला पर्व की बधाई देते हुए श्री अनिल बलूनी ने कहा कि उत्तराखंड में इस पर्व पर श्री पुष्कर सिंह धामी सरकार ने अवकाश का ऐलान किया है जो भाजपा सरकार का उत्तराखंडवासियों की संस्कृति के प्रति लगाव का प्रमाण है। उत्तराखंड के रीति-रिवाज और संस्कृति को संजोने के लिए भाजपा प्रयास करती रही है। लोक पर्वों को जिंदा रखना और उन्हें सिर्फ राज्य में ही नहीं पूरे देश में सम्मान दिलाने का काम भाजपा सरकार ने किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का उत्तराखंड के प्रति लगाव इस बात का प्रमाण है कि आज उत्तराखंड जैसे छोटे राज्य में दो-दो एम्स बनाए गए हैं।

अनिल बलूनी ने कहा कि उत्तराखंड में रहने वालों के सर्वांगिण विकास का विशेष ध्यान भाजपा सरकार रख रही है। साथ ही विशेष रूप से भाजपा सरकार उत्तराखंड के पलायन को रोकने के लिए काम कर रही है। लेकिन यह इतना आसान नहीं है इसके लिए सरकार के इस मुहिम में उत्तराखंड के लोगों का साथ होना जरुरी है क्योंकि बिना एक-दूसरे के सहयोग से यह मुहिम सम्भव और सफल नहीं हो पायेगी।

तीरथ सिंह रावत ने कहा कि प्रकृतिक का संरक्षण करना हमारा सिर्फ काम ही नहीं बल्कि कर्तव्य भी है। उत्तराखंड अपनी प्राकृतिक संपदा के लिए पूरे देश का गौरव है। इसलिए अधिक से अधिक पौधों को लगाने का काम हमें करना चाहिए क्योंकि देवभूमि देश को शुद्ध हवा भी देती है और शुद्ध पानी भी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अमृत महोत्सव पर भी पूरे देशवासियों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने का आवाहन किया है। इसलिए यह हमारा कर्तव्य है कि हम प्रधानमंत्री के इस संदेश को उत्तराखंड के जन-जन तक पहुंचाए तभी इस पर्व को मनाने का हमारा उद्देश्य पूरा हो पाएगा।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने बिजली के बढ़े हुए दामों को कम करने पर चर्चा के लिए केजरीवाल से मांगा समय

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने केजरीवाल को दिल्ली के शिक्षा और स्वास्थ्य को लेकर दी खुली बहस की चुनौती

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के कुप्रबंधन, भ्रष्टाचार व सस्ती राजनीतिक लोकप्रियता के कारण दिल्ली की अर्थव्यवस्था लगातार गिर रही है। आज दिल्ली की जीडीपी ग्रोथ -3.9 प्रतिशत हो गई है जबकि देश की जीडीपी ग्रोथ 8.2 प्रतिशत है। इसका अर्थ है कि वित्तीय कुप्रबंधन व भ्रष्टाचार में दिल्ली सरकार लिप्त है। श्री गुप्ता ने केजरीवाल से बिजली के दामों पर अधिभार में की गई वृद्धि एवं बिजली की अन्य समस्याओं को लेकर मिलने का समय मांगते हुए कहा कि केजरीवाल के पास अगर दिल्ली के आम लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए समय नहीं है तो एक जिम्मेदार विपक्ष होने के नाते भाजपा प्रचंड प्रदर्शन करेगी। क्योंकि दिल्ली में बिजली के नाम पर लूट जारी है।

फिक्स चार्ज के नाम पर केजरीवाल सरकार द्वारा अवैध रुप से वसूले गए 11000 करोड़ रुपये तुरंत वापस करें।

आज प्रदेश कार्यालय में एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए श्री गुप्ता ने कहा कि रेवड़ियां बांटने का परिणाम है कि आज दिल्ली का रेवेन्यू 61891 करोड़ रुपये का है जबकि खर्चा 71085 करोड़ रुपये का है। सीएजी ने अपनी रिपोर्ट में चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार का सब्सिडी के रूप में 2015-16 का 1,867.61 करोड़ रुपये से बढ़कर 2019-20 में 3592.94 करोड़ रुपये हो गया।

आज सब्सिडी लगभग 6700 करोड़ रुपये हो गई है, लेकिन ये बढ़ी हुई सब्सिडी जनता की भलाई की जगह बिजली कंपनियों के मालिकों, केजरीवाल और उनके नेताओं की जेब में जा रहा है। आदेश गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल कहते रहते हैं कि दिल्ली सरकार का बजट सरप्लस में है और उनके ऊपर कोई कर्ज नहीं है, लेकिन सच्चाई इससे विपरीत है क्योंकि आज केजरीवाल सरकार के ऊपर केंद्र सरकार का 38506 करोड़ रुपये का बकाया है। केजरीवाल के कुप्रबंधन का ही प्रमाण है कि दिल्ली जलबोर्ड के ऊपर 67000 करोड़ रुपये, डयूसिब के ऊपर 1620 करोड़ रुपये, बिजली सप्लाई करने वाली कंपनी के ऊपर 3326 करोड़ रुपये, प्रगति पावर कॉरपरेशन के ऊपर 707 करोड़ रुपये और डीटीसी के ऊपर 11673 करोड़ रुपये का बकाया है। उन्होंने कहा कि जो पैसा जनता की भलाई के लिए, बेहतर अस्पताल, अच्छे विद्यालय और परिवहन व्यवस्था को दुरुस्त करने में खर्च होना चाहिए था उन पैसों का इस्तेमाल केजरीवाल सरकार अपनी झूठी राजनीतिक लोकप्रियता के चक्कर में पानी की तरह बहा रही है।

जापानियों को शहर में बने कपड़े खूब आ रहे पसंद

गुरुग्राम। जापान के लोगों को सेल्फ जाकर्ड फेवरिक से बने कपड़े पंसद खूब आ रहे है। कोविड के बाद पहली बार इस तरह कपड़ों की डिमांड विदेशों से गारमेंट उद्योगों को मिल रहे हैं। जनवरी से लेकर जुलाई तक मानेसर की कई कंपनियों में फेवरिक के कपड़े तैयार किए जाते हैं। कंपनियों को चार बार इन कपड़ों डिमांड आ चुकी है। तीन बार ऑर्डर कंपनियों की ओर से पूरे किए जा चुके हैं। चौथा ऑर्डर पूरा करने के लिए कंपनियों में काम तेजी से हो रहे हैं। जो इस माह के अंत तैयार कर भेज दिया जाएगा।

मानेसर के कंपनियों के अनुसार तैयार होने वाले कपड़ों में फेवरिक शिफॉन की तरह दिखता है। यह जापानी महिलाओं को ज्यादा पसंद किया जा रहा है। इसमें सूट, ड्रेस, शर्ट और कुर्ते आदि शामिल है। ये लाइटवेट फेवरिक गर्मियों में सुंदर लगने के साथ-साथ काफी सुकून देता है। क्योंकि कॉटन, सिल्क, लिनेन और ऊनी फेवरिक के मिक्स से बनता है। इसमें बेहद खूबसूरत कलर भी आपको आसानी से मिल जाते हैं।

उद्यमियों ने कहा कि इसे कपड़ों का एयरकंडीशनर भी कह सकते हैं। यह फेवरिक हमेशा हल्के रंगों में ही मिलता है, इसलिए आंखों को भी बहुत ठंडक पहुंचाता है।

इसकी शर्ट, टीशर्ट और सूट जापानी महिलाएं खूब पहनती हैं। आजकल बहुत ट्रेंड में हैं, लिनने पैंट्स के साथ क्रॉप टॉप या टी-शर्ट पहनती हैं। अभी तक 50,000 से अधिक पीस जापान की कंपनियों को भेजे गए। दस हजार पीस कंपनियों में तैयार हो रहे हैं। गारमेंट उद्यमी सतीश चंद ने कहा कि कोविड के बाद पहली ऐसा देखने को मिला कि जापान से सेल्फ जाकर्ड फेवरिक से बने कपड़ों की चार बार मांग आ चुकी है। अन्य कपड़ों एक से दो बार के ऑर्डर आया करते थे।

संपादकीय

कितने भारतीय कमला हैरिस से ऋषि सुनक तक की कतार में

अगर ब्रिटेन के नये प्रधानमंत्री ऋषि सुनक बने जाते हैं, तो वे एक तरह से उसी परंपरा को ही आगे बढ़ायेंगे, जिसका श्रीगणेश 1961 में सुदूर कैरिबियाई टापू देश गयाना में भारतवंशी छेदी जगन ने किया था। वे तब गयाना के निर्वाचित प्रधानमत्री बन गए थे। उनके बाद मॉरीशस में शिवसागर रामगुलाम से लेकर अनिरूध जगन्नाथ, त्रिनिदाद और टोबैगो में वासुदेव पांडे, सूरीनाम में चंद्रिका प्रसाद संतोखी, अमेरिका में कमल हैरिस वगैरह उप-राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री बनते रहे। ये सभी उन मेहनतकश भारतीयों की संताने रहे हैं, जिन्हें गोरे दुनियाभर में लेकर गए थे, ताकि वे वहां के चट्टानों की सफाई कर वहां गन्ना की खेती कर लें।

दरअसल सन 1834 में दुनिया में गुलामी प्रथा का अंत होने के बाद श्रमिकों की भारी संख्या में की जरूरत पड़ी जिसके बाद गोरे भारत से एग्रीमेंट करके मजदूर बाहर के देशों में ले जाने लगे जिन्हें बाद में गिरमिटिया कहा जाने लगा। बेशक भारत के बाहर जाने वाला प्रत्येक भारतीय अपने साथ एक छोटा भारत ले कर जाता था। सभी भारतवंशी अपने साथ तुलसी रामायण, अपनी भाषा, खानपान एवं परंपराओं के रूप में भारत की संस्कृति दुनियाभर में ले कर गए थे। उन्हीं मजदूरों की संतानों के कारण फीजी, त्रिनिडाड, गयाना, सूरीनाम और मारीशस लघु भारत के रूप में उभरे। ये सब के सब भोजपुरी भाषी हैं।

पर ऋषि सुनक की कहानी भिन्न है। उनको लेकर भारत की वह नौजवान पीढ़ी जो टेक्नालॉजी की दुनिया से जुड़ी है, काफी उत्साहित है। वजह यह है कि सुनक दामाद है भारत की सबसे प्रतिष्ठित आईटी कंपनियों में से एक इंफोसिस के फाउंडर चेयरमेन एन.नारायणमूर्ति के। सुनक और नारायणमूर्ति की पुत्री अक्षिता स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी में एक साथ पढ़ते हुए पहले मित्र और फिर पति-पत्नी बने थे। सुनक के पुरखे पंजाब से हैं। वे पूर्वी अफ्रीकी देश केन्या में बस गए थे करीब 125 साल पहले। उनके पिता यशवीर का जन्म केन्या में और मां का जन्म तंजानिया में हुआ था। गुजारे लायक हिन्दी और पंजाबी भी जानने वाले सुनक का परिवार 1960 के दशक में ब्रिटेन शिफ्ट कर गया था। जान लें कि गोरे पूर्वी अफ्रीका में सन 1896 से लेकर 1901 के बीच करीब 32 हजार मजदूरों को भारत के विभिन्न राज्यों से केन्या, तंजानिया, युंगाड़ा लेकर गए थे। इनूहें केन्या में रेल पटरियों को बिछाने के लिए ले जाया गया। इनमें पंजाब के सर्वाधिक मजदूर थे। पूर्वी अफ्रीका का सारा रेल नेटवर्क पंजाब के लोगों ने ही तैयार किया था। इन्होंने बेहद कठिन हालतों में रेल नेटवर्क तैयार किया। उस दौर में गुजराती भी केन्या में आने लगे। पर वे वहां पहुंचे बिजनेस करने के इरादे से न कि मजदूरी करने की इच्छा से। रेलवे नेटवर्क का काम पूरा होने के बाद अधिकतर पंजाबी श्रमिक वहां पर ही बस गए। हालांकि उनमें से कुछ आगे चलकर बेहतर भविष्य की चाह में ब्रिटेन, कनाडा, अमेरिका आदि देशों में भी जाकर बसते रहे। इसी तरह सुनक का परिवार ब्रिटेन चला गया था।

यह साफ हो जाना चाहिए कि सुनक अगर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बन भी जाते हैं, तो भी वे अपने देश के हितों का ही सबसे पहले ख्याल रखेंगे। उन्हें यह करना भी चाहिए। हां, पर उनका भारत से भावनात्मक संबंध तो बना रहेगा। अब कमला हैरिस को ही लें। वह अमेरिका की उपराष्ट्रपति हैं। उन्हें डेमोक्रेटिक पार्टी ने अपना उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया था। कमला हैरिस का परिवार मूलतः भारत के राज्य तमिलनाडू से है और उनकी मां श्यामला गोपालन ने दिल्ली के लेडी इरविन कॉलेज से ही ग्रेजुएशन किया था। पर उप-राष्ट्रपति बनने के बाद उन्होंने कभी इस तरह का कोई संकेत नहीं दिया जिससे कि लगे कि वह अपने देश के भारत से संबंध प्रगाढ़ करने की बाबत अतिरिक्त प्रयास कर रही हैं। तो कमोबेश बात यह है कि भारतवंशी भारत को प्रेम करते हैं। लेकिन उनकी पहली निष्ठा तो उसी देश को लेकर रहेगी जहां पर वे बसे हुए हैं। मारीशस में 60-0 से विजयी होकर पहले प्रधानमंत्री और बाद में मारीशस के राष्ट्रपति बने शिवसागर रामगुलाम तो बराबर कहा करते थे कि मारीशस मेरी जन्मभूमि है, पर भारत मेरी पुण्यभूमि है।

जातिवाद के गणित में मानवतावादी समीकरण के बिखरते स्वर

ज्ञातव्य है की इस पृथ्वी पर जीवन के प्राथम्य दौर में जीवों के सृजन, उत्थान और प्राकृतिक संसाधनों के बीच अनुकूलता के समीकरणों के बीच जीवन का प्रसार हुआ। लाखों वर्षों की लम्बी यात्रा के पश्चात् मनुष्य प्रजाति आदिम से सभ्यता की यात्रा में उसने अपने समान संतति का सृजन, उन्हे अपने जीवन के अनुभव और ज्ञान का प्रसार करना सीख लिया था। यह ज्ञान पीढ़ी दर पीढ़ी बढ़ती गई। वहीं ज्ञान से नव विकास के अनुकूल अवसरों की तलाश ने मनुष्य में अनुसंधान की प्रक्रिया का सृजन किया। जिसके चलते आज भी नित नवीन आविष्कार के आविर्भाव हो रहे हैं। सभ्यता के प्राचीन दौर में सामाजिक ढांचा और उसकी पृष्ठभूमि कबीलाई परम्परा और संगठनों के नाम पर एक ऐसी व्यवस्था का जन्म हुआ जिसे जातिसूचक व्यवस्था का जन्म हुआ। जैसे सिंधु नदी के किनारे रहने वालों की सभ्यता को सिंधु सभ्यता और रनिवासियों को सिंधु से अपभ्रंश शाब्दिक प्रयोग में हिंद और हिन्दू कहा जाने लगा। ठीक वैसे ही छोटे-छोटे समूहों के पहचान, प्रतीक चिन्ह, टोटम, परम्परा के संदर्भ में एक समानता के स्थिति में जाति का सृजन हुआ। वहीं वैज्ञानिक पृष्ठभूमि में जीवों के जीववैज्ञानिक वर्गीकरण में नींव या बुनियादी और निचली श्रेणी होती है। जीव वैज्ञानिक दृष्टिकोण से ऐसे जीवों के समूह को एक जाति बुलाया जाता है। जो एक दूसरे के साथ संतान उत्पन्न करने की क्षमता रखते हो और जिनकी संतान स्वयं आगे संतान जनने की क्षमता रखती हो। यानी जाति के समीकरण में अपने आप को जकड़ कर मनुष्य अपने आप को श्रेष्ठ और अन्य की जाति को कमतर की तुलना करने लगता है। सीधे अर्थों में कहें तो जातिवाद, अपने परम्परागत रीति रिवाजों, मान्यताओं और अपनी जाति के हित को सर्वोच्च मानना जातिवाद कहा जा सकता है। नि:संदेह ही जाति प्रथा एक सामाजिक कुरीति से कम भी नहीं है। ये विडंबना है कि आजादी के सात दशक से भी अधिक समय व्यतीत हो जाने के बाद भी हम जाति प्रथा के चंगुल से मुक्त नहीं हो पाए हैं। हालांकि एक लोकतांत्रिक देश के नाते संविधान के अनुच्छेद 15 में राज्य के द्वारा धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, जन्म स्थान के आधार पर नागरिकों के प्रति जीवन के किसी क्षेत्र में भेदभाव नहीं किए जाने की बात कही गई है। लेकिन लोगों में व्यापक रूप से जातिवाद के समीकरण देखने को मिलते हैं। चाहे राजनीति गलियारे में प्रत्याशी खड़ा करने की बात हो या किसी विशेष वर्ग/जाति के द्वारा राजनीतिक उलटफेर की बात हो दोनो ही अवसर पर बाहुल्य जाति के लोगों और प्रतिनिधित्व करने वाले व्यक्ति विशेष से मत संबंधि आशीर्वाद लिए जाते हैं। यही समीकरण तक और गंभीर लगने लगता है जब भारतीय लोकतंत्र तंत्र के विभिन्न राज्यों में उपस्थित लोगों को जाति विशेष का संख्यात्मक रूप में जातिवाद के प्रबल समर्थकों के द्वारा जातिगत आंकड़ों को संकलित किया जाता है। इन आंकड़ों के मद्देनजर कई और समीकरण बाहर आते है जैसे राजनीति पकड़, कुल जनसंख्या में अपनी बाहुल्यता साबित करना और जातिवाद के स्वरों को मजबूत करना है। इससे भारतीय सामाजिक ढांचे पर अलहदा चित्र अंकित होने लगता है, जो जातिवाद के जड़ों को मजबूत तो कर देता है। लेकिन इसके साथ सामाजिक संतुलन की स्थिति को छिन्न-भिन्न करके रख देता है। ऐसे ही अंध जातिवाद के भक्तों के द्वारा लोक समाज में अपने बाहुल्यता का महिमामंडन किया जाना इसके स्वाभाविक लक्षणों में से एक हैं। ऐसा नहीं है कि ये लक्षण केवल यही तक सीमित रहते हैं। ये लक्षण अन्य समूहों, जाति और लोगों को एक होने के लिए प्रावस्थाओं की जननी बन जाती है। जिससे अन्य समुदाय, जाति, पंथ, धर्म और विचारधाराओं का आंकड़ों का संकलन करने का गैर-आवश्यक स्थिति निर्मित होती है। इन सभी स्थितियों का प्रादुर्भाव राजनीति से लेकर सोशल मीडिया के प्रयोगशाला में विभिन्न नव मानवतावादी विचार को कुचलने के समरूप आविष्कारों का जन्म होने के लिए सृजन स्थिति के दरवाजे पर ला खड़ा किया जाता है।

आखिर किस लाभ की उम्मीद में पसमांदा मुस्लिमों को खुश करने में जुटी है भाजपा

अजय कुमार

भाजपा में अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी खुद पसमांदा वर्ग से हैं। उनका कहना है कि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा में सभी स्तर पर पसमांदा मुस्लिमों का प्रतिनिधित्व है। पीएम की अपील पर काम करते हुए मोर्चा एक राष्ट्रीय कमेटी गठित कर रहा है।

उत्तर प्रदेश की सियासत में मुस्लिम और उसमें भी पसमांदा समाज के वोटर हमेशा निर्णायक भूमिका में रहते हैं। यह वोटर जिसके पक्ष में वोट करते हैं उसके जीत की संभावनाएं काफी बढ़ जाती हैं, लेकिन इस बात का फायदा यह समाज नहीं उठा पाता, बल्कि इनकी जगह मुसलमानों में अगड़ी जाति के नेता और लोग इसका फायदा उठा लेते हैं। यूपी में बड़े-बड़े पदों और राजनीति में इन्हीं अगड़ी जाति के मुसलमानों का वर्चस्व है। अब इस नाइंसाफी के खिलाफ पसमांदा समाज के भीतर से भी आवाज उठने लगी है। पसमांदा समाज को लीड करने वाले नेता कहते हैं कि हम कांग्रेस के साथ में रहे, जब उसकी सत्ता गयी तो सपा, बसपा में गए तो वह सरकार बनाने में सफल रहे, लेकिन हमारी परेशानियों की तरफ किसी ने ध्यान नहीं दिया। हमारा समाज अशिक्षा, बेरोजगारी और आर्थिक समस्याओं से जूझ रहा है, लेकिन हमारी आवाज मुस्लिमों की अगड़ी जातियों के बीच दब के रह जाती है। योगी सरकार ने हमारे समाज के एक नेता को मंत्री बनाया है। योगी सरकार गरीबों के लिए जो योजनाएं चला रही है उसका फायदा भी हमारे समाज के लोगों को मिल रहा है। अब प्रधानमंत्री मोदी ने पसमांदा समाज के विकास की ओर ध्यान देने की बात कही है, यह हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण है। हमारी मुसलमानों की कुल आबादी में करीब 80-85 फीसदी भागीदारी है, अगर बीजेपी सरकार हमारी समस्याओं को सुनती और समझती हैं तो हमें बीजेपी से कोई एतराज नहीं होगा।

गौरतलब है कि बीते दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की एक मीटिंग में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से अपील की थी कि वह समाज के सबसे पिछड़े तबके तक अपनी पहुंच बनाएं। उन्होंने कहा था कि केवल हिंदू ही नहीं, बल्कि अल्पसंख्यक समुदायों के कमजोर तबके तक भी हमें पहुंच बनानी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पसमांदा मुस्लिमों को पार्टी से जोड़ने के लिए की गई अपील के बाद पसमांदा समाज को लेकर सियासत तेज हो गई है। उधर, मोदी के मुंह से पसमांदा समाज की बात निकली और इधर भाजपा ने इस दिशा में काम भी शुरू कर दिया है। इसके साथ ही विपक्षी दलों में भी मुस्लिम वोटों को लेकर झटपटाहट साफ देखी जा सकती है।

बहरहाल, पीएम मोदी की इस अपील के बाद सवाल यह भी उठने लग है कि क्या भाजपा पसमांदा मुस्लिमों को जोड़ने और उन्हें अपने वोट बैंक में तब्दील करने में सफल होगी? पिछले कुछ चुनावों से भाजपा को आठ से नौ फीसद मुस्लिम वोट मिलने के आंकड़े आते रहे हैं। इसमें पसमांदा समाज के वोटरों की संख्या ज्यादा है। भाजपा इसी वोट बैंक को और मजबूत करना चाहती है। इससे भाजपा को लंबे समय तक केंद्र में सत्ता बनाए रखने और दक्षिण के राज्यों में पकड़ मजबूत करने में मदद मिलेगी।

खैर, मोदी के इस बयान के बाद विपक्ष पूछ रहा है कि क्या भाजपा की इस मुहिम का पसमांदा या कहें दलित व पिछड़े मुस्लिमों पर कोई असर पड़ेगा? उर्दू दैनिक इंकलाब के पूर्व

संपादक और मुस्लिम उद्धार के लिए काम करने वाले शकील शम्सी बताते हैं कि इस्लाम में जात-पात का कोई भेदभाव नहीं है। यही वजह है कि पूर्व में बड़े पैमाने पर गैर मुस्लिम लोगों ने इस्लाम धर्म अपनाया था। हिंदुओं में भी सामान्य, पिछड़े और दलित वर्ग के काफी लोगों ने धर्म परिवर्तन किया था। भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के मुसलमानों में ही ये भेद देखने को मिलता है। यहां जिन्होंने धर्म परिवर्तन किया, वो अपनी वंशावली सिस्टम से बाहर नहीं निकल सके।

राज्यसभा के पूर्व सांसद अली अनवर पसमांदा मुस्लिम महाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। अली अनवर के मुताबिक अभी मुस्लिमों की जो राजनीति है, उसका केंद्र अशराफ (अपर कास्ट) हैं। अजलाफ (ओबीसी) और अरजाल (दलित), जिन्हें मिलाकर पसमांदा कहा जाता है, राजनीति में उनकी हिस्सेदारी बहुत सीमित है। अरजाल मुस्लिमों को तो दलित आरक्षण का लाभ तक नहीं मिलता। नौकरियों में भी उनकी भागीदारी बहुत कम है। केवल पसमांदा की बात करने से कुछ नहीं होगा। राजनीति में उनकी भागीदारी बढ़ानी होगी। आज तक किसी दल ने पसमांदा मुस्लिमों की तरफ ध्यान नहीं दिया, इसीलिए भाजपा को ये मौका मिल रहा है। इसका दूरगामी प्रभाव अवश्य पड़ेगा। कहा यह भी जाने लगा है कि मुस्लिमों में पसमांदा का अनुपात अगर 100 में से 80 का है तो उन्हें उनका अधिकार मिलना चाहिए। भाजपा के इस कदम से अन्य दलों को भी इस तरफ ध्यान देना होगा।

भाजपा में अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी खुद पसमांदा वर्ग से हैं। उनका कहना है कि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा में सभी स्तर पर पसमांदा मुस्लिमों का प्रतिनिधित्व है। पीएम की अपील पर काम करते हुए मोर्चा एक राष्ट्रीय कमेटी गठित कर रहा है। ये कमेटी राज्यों में पिछड़ों की भागीदारी और उन्हें मिलने वाली सरकारी योजनाओं के लाभ की निगरानी करेगी। राज्य स्तर पर भी इसी तरह की कमेटी बनेगी। इसके अलावा संगठन में पसमांदा मुस्लिमों को प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। सिद्दीकी के अनुसार मुस्लिमों की राजनीति करने वाले दलों ने भी उन्हें हमेशा उन्हें नजरअंदाज कर अशराफ को आगे बढ़ाया है। इन्हीं दलों ने मुस्लिम समाज में ये खाई, भ्रम और डर पैदा किया है। यही वजह है कि मुस्लिम समाज लगातार भाजपा से जुड़ रहा है। आजमगढ़ और रामपुर उपचुनाव इसका ताजा उदाहरण है।

पसमांदा समाज को लेकर प्रधानमंत्री की अपील के बाद मीडिया में भी यह मुद्दा सुर्खियां बटोरने लगा है। इसके मुताबिक पसमांदा मुस्लिमों की राजनीति से भाजपा को लाभ मिलेगा या नहीं, इस पर बहस हो सकती है। लेकिन इतना साफ है कि भाजपा की इस पहल से पसमांदा मुस्लिमों की स्थिति मजबूत होगी। पसमांदा मुस्लिमों की अनदेखी करने वाले अन्य दलों को भी अब इनकी तरफ ध्यान देना होगा। यूपी के एमएलसी चुनाव में इसका उदाहरण देखा जा चुका है। योगी सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल में पसमांदा मुस्लिम दानिश अंसारी को कैबिनेट में जगह दी। दानिश तब राज्य के किसी भी सदन के सदस्य नहीं थे। भाजपा के इस कदम ने सभी दलों को चौंका दिया। यही वजह है कि समाजवादी पार्टी को जैसे ही विधान परिषद में किसी को भेजने का मौका मिला, उसने भी पसमांदा मुस्लिम जसमीर अंसारी को चुना।

मोदी की तरह ही राजनीति के कुछ पंडित व सामाजिक सुधार का काम करने वाले लोगों का भी मानना है कि पसमांदा मुसलमानों को बाकी मुस्लिमों की तुलना में निचले स्थान पर रखा गया। ऐसा इसलिए क्योंकि ये वो मुसलमान हैं, जिन्होंने दूसरे धर्मों से परिवर्तित होकर इस्लाम अपनाया। धर्म परिवर्तन करने वाले ये मुसलमान स्थानीय आबादी का हिस्सा थे और इन्होंने काफी बाद में इस्लाम धर्म अपनाया है। इनमें से ज्यादातर लोगों ने व्यवसाय के आधार पर अपने टाइटल का इस्तेमाल किया, जैसे अंसारी (बुनकर) और कुरैशी (कसाई) आदि। बता दें कि मुस्लिम समाज में पिछड़े और दलित वर्ग से आने वाले मुसलमानों को पसमांदा मुसलमान कहा जाता है। मुस्लिम समुदाय में इनकी संख्या करीब 80 प्रतिशत बताई जाती है। बाकी के 20 प्रतिशत में सैयद, शेख, पठान जैसे उच्च जाति के मुसलमान हैं। दावा है कि सबसे ज्यादा संख्या में होने के बाद भी इन्हें अपनी संख्या के हिसाब से हक नहीं मिल पाया है। समाज पर राज 20 प्रतिशत मुसलमान करते हैं, जो इन्हें धर्मांतरित मानते हैं और खुद को अरब, मध्य एशिया से आए मुसलमानों के वंशज मानते हैं।

यही नहीं ये 20 प्रतिशत अगड़े मुसलमान सामाजिक और आर्थिक तौर पर ये मजबूत हैं और सभी सियासी दलों में इन्हीं का वर्चस्व रहा है। पसमांदा समाज के नेताओं का मानना है कि कांग्रेस, सपा, बसपा आदि पार्टियों में पसमांदा समाज के उत्थान के लिए कुछ खास नहीं किया गया। राजनीतिक प्रतिनिधित्व भी वैसा नहीं मिला, जितनी जरूरत थी। दरअसल 2014 से 2017 तक यूपी के चुनावों पर गौर करें तो बीजेपी ने अपनी पूरी रणनीति गैर मुस्लिम मतदाताओं पर ही केंद्रित रखी। पार्टी अपर कास्ट के साथ पिछड़ों और दलित वर्ग को जोड़ते हुए हिंदुत्व की राह पर चलते हुए केंद्र और यूपी की सत्ता तक पहुंची। अब 2022 में भाजपा दोबारा यूपी की सत्ता पर काबिज हो गई है। लेकिन इस बार की सफलता में अहम बदलाव शामिल है। इस बार की जीत में में पसमांदा मुसलमानों से मिले 'थोड़े समर्थन' को लेकर पार्टी नेता काफी उत्साहित हैं। पार्टी नेताओं का मानना है कि यूपी में योगी आदित्यनाथ सरकार ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान तमाम सरकारी योजनाओं में इस वर्ग को लाभ देने की कोशिशें कीं। इन योजनाओं का फायदा पसमांदा मुसलमानों को भी मिला। इसी का नतीजा था कि ऐसे लोगों ने भी बीजेपी को वोट किया।

उत्तर प्रदेश में मुस्लिम वोट बैंक की सियासत शुरू से ही अपनी अलग पहचान रखती है। कभी ये वोट बैंक कांग्रेस का आधार माना जाता था लेकिन धीरे-धीरे कांग्रेस से इसका मोहभंग हुआ और समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी जैसे नए दलों में ये बंटने लगा।

जो उनके लिये 'वंशवाद' वह इनके लिये 'राष्ट्रवाद' कैसे ?

तनवीर जाफ़री

ख़बर है कि 2024 में भारतीय जनता पार्टी %वंशवाद की राजनीति% के विरुद्ध बिगुल फूंकने की तैयारी में है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी %वंशवाद की राजनीति% के विरुद्ध काफ़ी मुखर होकर बोलते रहे हैं। चाहे वह कानपुर में राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद के पैतृक गांव परौंख में दिया गया उनका भाषण हो या पिछले दिनों हैदराबाद में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक या अत्र तत्र कहीं भी, हर जगह उनका मुख्य फ़ोकस वंशवाद की राजनीति के विरोध पर आधारित ही रहा। सूत्रों के अनुसार जिसतरह बीजेपी ने पिछले चुनावों में कांग्रेस और भ्रष्टाचार मुक्त भारत के नारे दिए थे उसी तरह अगले चुनावों में पार्टी वंश-मुक्त भारत के नारे को अपने चुनाव अभियान में शामिल कर सकती है। परन्तु सवाल यह है कि भारतीय जनता पार्टी व उसके नेताओं की नज़रों में वंशवाद की व्यापक परिभाषा है क्या ? क्या वास्तव में राजनीति की वंशवादी व्यवस्था ही देश के विकास में सबसे बड़ी बाधा है ? क्या कांग्रेस या कई अन्य क्षेत्रीय राजनैतिक दल ही %वंशवादी राजनीति % का शिकार हैं और भाजपा इससे पूरी तरह अछूती है ? या फिर भाजपा अपने दल के वंशवादी नेताओं या अपने समर्थक वंशवादियों के अतिरिक्त केवल अपने विरोधी वंशवादियों को ही वंशवादी राजनीति करने वालों की श्रेणी में डालती है ? सबसे ताज़ातरीन उदाहरण तो महाराष्ट्र का ही है। जब शिव सेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भाजपा से नाता तोड़ने के बाद एनसीपी और कांग्रेस के साथ मिलकर महा विकास अघाड़ी का गठन किया और मंत्रिमंडल में अपने पुत्र आदित्य ठाकरे को शामिल किया उस समय से लेकर अब तक यही शोर-शराबा होता रहा कि शिवसेना वंशवादी राजनीति का प्रतीक है। अब उसी राज्य से प्राप्त ख़बरों के अनुसार भाजपा ने राज ठाकरे के सुपुत्र अमित ठाकरे को विभाजित शिवसेना के शिंदे गुट व भाजपा द्वारा नव गठित सरकार के मंत्रिमंडल में शामिल कर उद्धव ठाकरे की कथित %वंशवादी राजनीति को वंशवाद के ही शस्त्र से ही हमलावर होने की योजना बनाई है। इससे राज ठाकरे व उनके मनसे समर्थक ख़ुश होंगे और उद्धव ख़ेमा आहत होगा और इन दोनों ही ख़ेमों की खाई और गहरी भी होगी। गोया बाल ठाकरे के एक पौत्र आदित्य ठाकरे को बढ़ावा दिया जाना वंशवादी राजनीति का हिस्सा था और बाल ठाकरे के ही दूसरे पौत्र अमित ठाकरे को मंत्री बनाना राष्ट्रवादी राजनीति कहलायेगी ? कुछ दिनों पूर्व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के 26 वर्षीय सुपुत्र आर्यमन सिंधिया को किसी भी संस्था या संगठन के पहले पद की ज़िम्मेदारी सौंपते हुए ग्वालियर डिवीज़न क्रिकेट एसोसिएशन त्रष्ठष्ट का उपाध्यक्ष बनाया गया। ज्योतिरादित्य सिंधिया का चश्म-ए-चिराग़ होने के अतिरिक्त आख़िर उनमें और क्या विशेषता है ? यह सिंधिया घराने की अगली पीढ़ी के राजनैतिक प्रवेश की तैयारी नहीं तो और क्या है ? विजय राजे सिंधिया से लेकर वसुंधरा राजे उनके पुत्र दुष्यंत सिंह, स्वयं ज्योतिरादित्य सिंधिया आदि सब वंशवाद की ही बेल तो है ? इसी प्रकार गृह मंत्री अमित शाह के पुत्र जय शाह को 2019 में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड का सेक्रेटरी बनाया गया। आज वे एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष भी हैं। अमित शाह का कुलदीपक होने के अतिरिक्त भी क्या उनकी कोई योग्यता या विशेषता है ? परन्तु इसे भी वंशवाद नहीं बल्कि राष्ट्रवाद कहिये। भाजपा में शीर्ष में अनेक नेताओं ने वंशवादी बेल को बख़ूबी सींचा है और अब भी सींच रहे हैं। उदाहरणार्थ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के विधायक पुत्र पंकज सिंह, हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल के फ़ायर ब्रांड सुपुत्र व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे स्वर्गीय साहब सिंह वर्मा के सांसद पुत्र प्रवेश सिंह वर्मा, उत्तर प्रदेश के 3 बार मुख्यमंत्री व राज्यपाल रहे स्व कल्याण सिंह के सांसद पुत्र राजवीर सिंह और राजवीर सिंह के भी विधायक पुत्र संदीप सिंह जोकि वर्तमान में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में शिक्षा राज्य मंत्री भी हैं।

प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिए छात्र कर रहे हैं इस कला का उपयोग

कई राष्ट्रीय नागरिक समाज संगठनों के साथ सरकार ने भारत के 75 समुद्र तटों पर अपनी तरह के पहले सफाई अभियान में समुद्र तटों से 1,500 टन कचरा हटाने का लक्ष्य रखा है। यह न केवल स्थानीय लोगों और पर्यटकों के लिए बल्कि जलीय जीवन और तटों पर कूड़े से संकटग्रस्त समुद्री जानवरों के लिए भी एक बड़ी राहत होगी। सरकार ने देश भर में 75 समुद्र तटों को साफ करने के लिए 75 दिनों के लिए एक मेगा तटीय सफाई अभियान शुरू किया है। स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर नाम का अभियान 3 जुलाई को शुरू किया गया था और इसका समापन 17 सितंबर को सबसे बड़े समुद्र तट सफाई कार्यक्रम के साथ होगा, जिसे अंतर्राष्ट्रीय तटीय सफाई दिवस के रूप में मनाया जाएगा। कई राष्ट्रीय नागरिक समाज संगठनों के साथ सरकार ने भारत के 75 समुद्र तटों पर अपनी तरह के पहले सफाई अभियान में समुद्र तटों से 1,500 टन कचरा हटाने का लक्ष्य रखा है। यह न केवल स्थानीय लोगों और पर्यटकों के लिए बल्कि जलीय जीवन और तटों पर कूड़े से संकटग्रस्त समुद्री जानवरों के लिए भी एक बड़ी राहत होगी। सबसे अधिक भागीदारी और जागरूकता फैलाने के साथ सफाई अभियान सबसे लंबे समय तक चलने वाला अभियान भी होगा। अभियान का उद्देश्य सभी आयु समूहों के बीच व्यवहार परिवर्तन और जागरूकता के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण प्राप्त करना है और दैनिक जीवन शैली से प्लास्टिक के स्थायी उन्मूलन और जागरूक उन्मूलन के बारे में जागरूकता प्राप्त करना है। प्लास्टिक प्रदूषण पिछले 5 वर्षों में सबसे जरूरी पर्यावरणीय चुनौतियों में से एक के रूप में उभरा है क्योंकि प्लास्टिक अपशिष्ट उत्पादन दोगुने से अधिक हो गया है। औसत भारतीय नागरिक हर साल लगभग 20 किलो प्लास्टिक कचरा उत्पन्न करता है और इस कचरे का एक महत्वपूर्ण प्रतिशत लैंडफिल या महासागरों में समाप्त होने के लिए कुप्रबंधित होता है।

मुफ्त की रेवड़ी न तो टिकाऊ है और न ही चुनाव जीतने की गारंटी

यदि मतदाता बुद्धिमान और शिक्षित हैं, तो वे इस तरह की चालों के झांसे में नहीं आएंगे। मुफ्त उपहार स्वीकार करने के बाद भी, वे सरकार के प्रदर्शन या उसकी कमी के अनुसार मतदान करना चुन सकते हैं। यदि वे मुफ्त उपहारों और वादों को अस्वीकार करते हैं, तो राजनीतिक दल अधिक रचनात्मक कार्यक्रमों के लिए आगे बढ़ेंगे। अस्वीकृति की शुरुआत पंचायत राज और राज्य विधानसभा चुनावों से होनी चाहिए। मतदाताओं के केवल एक निश्चित वर्ग के लिए किसी विशेष क्षेत्र में सब्सिडी चुनाव में जीत का आश्वासन नहीं दे सकती है।

सत्यवान 'सौरभ'

श्रीलंकाई अर्थव्यवस्था के पतन की हालिया खबरों ने राज्य की भूमिका पर एक नई बहस को जन्म दिया है। श्रीलंका की सरकार ने बोर्ड भर में करों में कटौती की और कई मुफ्त सामान और सेवाएं प्रदान कीं। नतीजतन, अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो गई और सरकार गिर गई। संभावित मतदाताओं को मुफ्त उपहार देने या देने का वादा करने वाली राजनीतिक पार्टियां न तो बहुत पुरानी हैं और न ही बहुत नई घटना हैं। लेकिन, पिछले दस वर्षों में, इस प्रथा का विस्तार होता दिख रहा है। आमतौर पर वितरित किए जाने वाले मुफ्त में साइकिल, स्मार्ट फोन, टीवी, लैपटॉप और बिलों पर छूट (पानी, बिजली, आदि) जैसे सामान शामिल हैं। सत्ता में पार्टियों द्वारा मुफ्त में बांटे जाते हैं और विपक्षी दलों द्वारा वादा किया जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी के जी मुफ्त की रेवड़ी भाषण के बाद ये गंभीर विषय जोर-शोर से चर्चा में है, आजकल हमारे देश में हर पार्टी के द्वारा मुफ्त की रेवड़ी बांटकर वोट बटोरने का कल्चर है। ये रेवड़ी कल्चर देश के विकास के लिए बहुत घातक है। इस रेवड़ी कल्चर से देश के लोगों को और खासकर युवाओं को बहुत सावधान रहने की जरूरत है। वर्षों से मुफ्त उपहार भारत में राजनीति का एक अभिन्न अंग बन गए हैं, चाहे चुनावी लड़ाई में वादे करने के लिए हो या सत्ता में बने रहने के लिए मुफ्त सुविधाएं प्रदान करने के लिए। तमिलनाडु राज्य इस संस्कृति को पेश करने और अग्रणी खिलाड़ी होने के लिए बदनाम है। यह प्रथा अब उत्तरी राज्यों में भी फैल गई है। दिल्ली सरकार ने महिलाओं के लिए मुफ्त बिजली और पानी और मुफ्त बस पास की घोषणा की। अन्य राज्यों जैसे तेलंगाना, मध्य प्रदेश, राजस्थान, आदि में मुफ्त की संस्कृति देखी गई है।

भले ही समाज कल्याण के क्षेत्र में बहुत सारी प्रतिबद्धताएं पूरी की गई हों, लेकिन कुछ राजनीतिक और दल इसे अपर्याप्त मानते हैं। मुफ्त उपहारों के पक्ष में तर्क देखे तो यह कल्चर विकास को सुगम बनाता है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली, रोजगार गारंटी योजनाएं, शिक्षा के लिए सहायता और स्वास्थ्य के लिए परिव्यय में वृद्धि। ये जनसंख्या की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने में एक लंबा रास्ता तय करते हैं और एक स्वस्थ और मजबूत कार्यालय बनाने में मदद करते हैं, जो किसी भी विकास रणनीति का एक आवश्यक हिस्सा है। वही शिक्षा या स्वास्थ्य पर राज्य के खर्च के लिए जाता है। तमिलनाडु और बिहार जैसे राज्य महिलाओं को सिलाई मशीन, साड़ी और साइकिल देने के लिए जाने जाते हैं, लेकिन वे इन्हें बजट राजस्व से खरीदते हैं, जिससे इन उद्योगों की बिक्री में योगदान होता है। इसे आपूर्तिकर्ता उद्योग के लिए बढ़ावा माना जा सकता है, न कि फिजूलखर्ची को देखते हुए।

भारत जैसे देश में चुनावों के उद्भव पर, लोगों की ओर से ऐसी उम्मीदें हैं जो मुफ्त के ऐसे वादों से पूरी होती हैं। इसके अलावा, जब आस-पास के अन्य राज्यों के लोगों को मुफ्त उपहार मिलते हैं, तो तुलनात्मक अपेक्षाएं भी होती हैं। गरीबी से पीड़ित आबादी के एक बड़े हिस्से के साथ तुलनात्मक रूप से निम्न स्तर के विकास वाले राज्यों के साथ, इस तरह के मुफ्त मांग-आधारित हो जाते हैं और लोगों को अपने स्वयं के उत्थान के लिए इस तरह की सब्सिडी की पेशकश करना आवश्यक हो जाता है। %मुफ्त रेवड़ी मॉडल% न तो टिकाऊ है और न ही आर्थिक रूप से व्यवहार्य है। भारत एक जीवंत लोकतंत्र है जिसे पूरी दुनिया, विशेष रूप से विकासशील देशों में लोकतंत्र के रोल मॉडल के रूप में देखती है। मुफ्त उपहार जैसी प्रथाएं मतदाता के चुनावी निर्णय, चुनाव प्रक्रिया, राजनीतिक व्यवस्था और संसदीय लोकतंत्र को कम आंकती हैं। यह एक अस्वास्थ्यकर प्रथा है जो करदाता का पैसा देती है जिसे कई मतदाताओं द्वारा सराहा नहीं जाता है। लेकिन फिर भी पार्टियां इस प्रथा को जारी रखती हैं। अगर सरकार चुनाव से ठीक पहले मुफ्त उपहारों का विकल्प चुनती है, तो यह इंगित करता है कि सत्ता में पार्टी को यकीन नहीं है कि उन्होंने लोगों की जरूरतों की पहचान की है और उन्हें पूरा किया है।

चुनाव से पहले सार्वजनिक धन से तर्कहीन मुफ्त का वादा मतदाताओं को अनुचित रूप से प्रभावित करता है, समान अवसर प्रदान करता है और चुनाव प्रक्रिया की शुद्धता को खराब करता है।

यह एक अनैतिक प्रथा है जो मतदाताओं को रिश्वत देने के समान है। जब मुफ्त बिजली, या एक निश्चित मात्रा में मुफ्त बिजली, पानी और अन्य प्रकार के उपभोग के सामान देने के बारे में हैं, तो यह पर्यावरण और सतत विकास विचलित करता है। इसके अलावा, यह एक सामान्य मानव प्रवृत्ति है कि जब इसे %मुफ्त% प्रदान किया जाता है, तो चीजों का अधिक उपयोग किया जाता है और इस प्रकार संसाधनों की बर्बादी होती है।

भारत एक बड़ा देश है और अभी भी ऐसे लोगों का एक बड़ा समूह है जो गरीबी रेखा से नीचे हैं। देश की विकास योजना में सभी लोगों को शामिल करना भी जरूरी है। इस प्रथा को खत्म करने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग, अदालतों, राजनीतिक दलों और अंततः मतदाताओं की होती है। पूरी दुनिया में चुनाव सरकार के प्रदर्शन या उसकी कमी के आधार पर लड़े जाते हैं। सत्ता में राजनीतिक दलों को अपने पांच साल के कार्यकाल के दौरान रचनात्मक गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। अगर सरकार विकास का फल मतदाताओं तक पहुंचने में सफल हो जाती है, तो मुफ्त में काम नहीं चलेगा। अगर सरकारी संस्थान ठीक से काम करते हैं तो मुफ्त की कोई आवश्यकता नहीं होगी।

यदि मतदाता बुद्धिमान और शिक्षित हैं, तो वे इस तरह की चालों के झांसे में नहीं आएंगे। मुफ्त उपहार स्वीकार करने के बाद भी, वे सरकार के प्रदर्शन या उसकी कमी के अनुसार मतदान करना चुन सकते हैं।

आज दहाड़े अपना शेर

जब कलम लिखे सत्ता बखान तो
धार कलम में क्या होगा ?
कलम कार जब बेचे ईमान तो धार
कलम में क्या होगा ??

अर्ध ज्ञानी के पीछे लगे जमाना
उद्धार किसी का क्या होगा ?
शेरों को भी मौन कराकर कैद डाल
कर क्या होगा ??

वर्षो कैद रही भारत माता बोलो
हमने क्या पाया ?
अपने शेरों को खुद हीं हमने मौन
कराकर क्या पाया ??

आज दहाड़े अपना शेर तो प्रश्न उठने
से क्या होगा ?
उल्टे सीधे प्रश्नों से फिर नुकसान
केवल आपका होगा ??

एक शेर की गर्जन भर थर्राती है
जंगल साम्राज्य ।
चार शेर की गर्जन को कैसे झेले
लुटेरे वर्ग ये खास ??

चक्र यहां प्रगति का द्योतक इसको
तो चलने से काम।
चक्कर इसे बनकर तुमको क्यों करना
अपना काम आसान ??

शार्ट न्यूज

खनन माफिया पूर्व बसपा एमएलसी महमूद अली नवी मुंबई से गिरफ्तार, पुलिस ने घोषित किया था 25 हजार का इनाम

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश में सहारनपुर के खनन माफिया एवं पूर्व बसपा एमएलसी हाजी इकबाल उर्फ बाला के छोटे भाई महमूद अली को मुंबई से गिरफ्तार किया गया है। पूर्व बसपा एमएलसी महमूद अली कई आपराधिक मामलों में वांछित है। अली की गिरफ्तारी पर तीन दिन पूर्व ही पुलिस 25 हजार का ईनाम घोषित किया गया था, जिले की थाना मिर्जापुर पुलिस ने शनिवार देर शाम नवीं मुंबई से गिरफ्तार किया है। जहां वह किराए का मकान लेकर छिपा हुआ था। डीआईजी सुधीर कुमार सिंह ने आज बताया कि पूरी रात महमूद अली को नेरूल थाने में रखा गया। रविवार सुबह 11 बजे सहारनपुर पुलिस ट्रांजिट रिमांड लेने के लिए मज्ट्रिरेट के यहां गई। उसके बाद पुलिस उसे सहारनपुर लाकर कोर्ट में पेश करेगी। महमूद अली अन्य मुकदमों के साथ-साथ एक किशोरी से दुष्कर्म के मामले में वांछित था। उसके बड़े भाई हाजी इकबाल अभी भी फरार है। उन पर भी 25 हजार का ईनाम घोषित है। महमूद अली मिर्जापुर स्थित ग्लोकल यूनिवर्सिटी का संचालक भी है। दोनों भाइयों द्वारा अर्जित की गई संपत्ति की जांच केंद्रीय एजेंसिया ईडी और सीबीआई आदि कर रही है।

बस्ती में अचानक आग का गोला बन गई कार, गैस रिफलिंग के दौरान हुआ हादसा

बस्ती। यूपी के बस्ती में अचानक एक कार आग का गोला बन गई। कार से आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठती देख वहां भगदड़ मच गई। गैर रिफिलिंग करते समय यह हादसा हुआ। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई। घटना बस्ती के छावनी थाना क्षेत्र के विक्रमजोत बाजार की है। बताया जा रहा है कि अवैध और असुरक्षित ढंग से एलपीजी गैस रिफिलिंग का काम यहां काफी दिनों से चलता है। रविवार को यहां एक वैन में गैस रिफिलिंग कराई जा रही थी। तभी अचानक आग लग गई और पलक झपकते पूरी कार आग के गोले में तब्दील हो गई। इस दौरान आसपास खड़े लोग वहां से भाग गए। आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई लेकिन थोड़ी ही देर में वैन पूरी तरह जलकर खाक हो गई। कार में आग लगी देख विक्रमजोत पुलिस चौकी पर तैनात जवान वहां पहुंचे। उन्होंने काफी मशक्कत से आग को काबू में किया। आग की वजह से बगल में स्थित सब्बू गुप्ता की दुकान भी आंशिक रूप से जल गई है।

सीतापुर में नदी में नहाने गए 4 बच्चे डूबे, 3 की मौत, चौथा लापता

सीतापुर। उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले में गोबरहिया नदी में नहाने गए चार बच्चे डूब गए। तीन बच्चों की तो मौत हो गई जबकि एक लापता है। चाथे बच्चे की गोताखोर तलाश कर रहे हैं। उधर, तीनों बच्चों की पहचान कर ली गई है। घर वालों को सूचना दे दी गई है। कनरखी के गोंडियन पुरवा के सामने गोबरहिया नदी में नहाने गए तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई। चौथा लापता है। अमित पुत्र राजेंद्र 13, ललित पुत्र गया प्रसाद 10, श्याम सुंदर पुत्र केशव 09 वर्ष के शव निकाले गए। मौके पर अधिकारी पहुंचे।

चलती बाइक से झपटकर युवक को जंगल ले गया बाघ, घर जाने को निकले थे दो दोस्त

रामनगर। अल्मोड़ा से यूपी के अमरोहा जा रहे दो बाइक सवारों पर मोहान के पास बाघ ने हमला कर दिया। बाघ बाइक के पीछे बैठे एक युवक को घसीट कर जंगल की ओर ले गया। बाइक चला रहा युवक सुरक्षित है। कॉर्बेट, रामनगर वन प्रभाग व पुलिस टीमें युवक की तलाश कर रही हैं ।वन विभाग व कॉर्बेट प्रशासन के अनुसार ग्राम जिहल तहसील हसनपुर थाना नगली जिला अमरोहा (यूपी) निवासी मोहम्मद अनस पुत्र शमीम अहमद और भूरा पुत्र बाबू अल्मोड़ा किसी काम से गए थे। दोनों शनिवार सुबह अल्मोड़ा से बाइक से यूपी जाने के लिए निकले थे। शनिवार रात करीब साढ़े आठ बजे मोहान के पास बाघ ने उन पर हमला बोल दिया। इससे बाइक सवार दोनों युवक सड़क किनारे गिर गए। बाइक के पीछे बैठे भूरा को बाघ जबड़ों में दबा जंगल की ओर ले गया। आसपास के लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। वन विभाग और कॉर्बेट की टीमें मौके पर पहुंच गईं। रामनगर और अल्मोड़ा पुलिस की टीमों ने भी पहुंच कर तलाश की। बताया इस दौरान वनकर्मियों ने चार से पांच राउंड फायरिंग भी की। खबर लिखे जाने तक टीमें भूरा की खोज कर रही थीं। इधर, पार्क के डिप्टी डायरेक्टर नीरज शर्मा ने कहा घटनास्थल रामनगर वन प्रभाग का है। डीएफओ चंद्रशेखर जोशी ने बताया कि युवक की खोज की जा रही है।

बरेली में महिला की गला रेतकर हत्या, पास ही सो रहे थे दोनों बच्चे

बरेली। बरेली में फरीदपुर लाइनपार रहने वाली एक महिला की गला काट कर हत्या कर दी गई। सुबह को आसपास के लोगों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी गई जबकि कुछ दूरी पर ही उसके दोनों बच्चे सो रहे थे। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। फॉरेंसिक टीम ने मौका मुआयना कर सैंपल लिए। इसके बाद शव पोस्टमार्टम को भेजा गया। पुलिस के मुताबिक, फरीदपुर में लाइनपार मठिया की रिंकी(35) ने पास के धीरपुर गांव के विष्णु यादव से प्रेम विवाह किया था। रिंकी का पति विष्णु यादव और जेठ राधे बरेली में रहकर मजदूरी करते हैं। शनिवार की रात विष्णु यादव और राधे यादव बरेली में मजदूरी को गए थे। रिंकी यादव घर के बाहर बंधी भैंसों के पास अपने 10 और 12 साल के बच्चों के साथ सो रही थी। सुबह चार बजे गांव के लोग शौच और खेतों पर काम को निकले। उन्होंने पिंकी का शव खून से लथपथ देखा। महिला की गर्दन अलग कटी पड़ी हुई थी। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। एसएसपी सत्यार्थ अनिरुद्ध पंकज,सीओ गौरव सिंह, इंस्पेक्टर राजेश कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया। फॉरेंसिक टीम ने मौके से हत्या के साक्ष्य जुटाए। हत्या के बाद गांव में पुलिस फोर्स तैनात कर दिया है। कातिलों तक पहुंचने को पुलिस को महिला के बच्चों से ही साक्ष्य मिलने की उम्मीद है। फरीदपुर इंस्पेक्टर राजेश कुमार का कहना है, बीती रात महिला के घर में उसका पति नहीं था।

वाराणसी नगर निगम में रामनगर पालिका का विलय, 87 गांवों को शामिल कर होगा विस्तार

रामनगर/वाराणसी। रामनगर पालिका और नवसृजित डोमरी व सूजाबाद नगर पंचायतों का जल्द ही वाराणसी नगर निगम में विलय होगा। इसके बाद गंगापार में भी नगर निगम का दायरा चंदौली जिले की सीमा तक हो जाएगा। इस सम्बंध में मंडलायुक्त की ओर से प्रस्ताव शासन में भेज दिया गया है। प्रमुख सचिव नगरीय विकास और निकाय निदेशालय की हरी झंडी मिलने के बाद कार्रवाई शुरू हो जाएगी। अफसरों की मानें तो गंगापार विकास में आड़े रहीं बाधाओं को दूर करने और बुनियादी सुविधाओं के विकास के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है। बता दें कि जिले के 87 गांवों को शामिल कर नगर निगम का विस्तारीकरण हो रहा है। परिसीमन की कार्यवाही भी जारी है। निगम चुनाव से पूर्व वार्डों का आवंटन भी हो जाएगा। वहीं फरवरी से रामनगर पालिका, डोमरी व सूजाबाद नगर पंचायतों को शामिल करने की तैयारी शुरू हो गई है। पिछले हफ्ते शासन ने मंडलायुक्त दीपक अग्रवाल से प्रस्ताव मांगा था। मंडलायुक्त ने तीन निकायों की प्रोफाइल और जरूरतों की पत्रावली शासन में भेज दी है। केंद्र व प्रदेश सरकार की ओर से गंगापार में करीब आधा दर्जन बड़े प्रोजेक्ट प्रस्तावित हैं। इसमें रिवर फ्रंट के विकास के तहत 26 सौ करोड़ का प्रस्ताव है। साथ ही टेंट सिटी, आवासीय योजना, सिक्सलेन, गंगा पर पुल निर्माण है। इन परियोजनाओं की स्वीकृति को लेकर नगर पालिका व पंचायतों की सहमति लेनी पड़ती है। लिहाजा, सरकार परियोजनाओं की गति बढ़ाने के लिए नगर निगम का दायरा बढ़ाने का निर्णय् लिया है। रामनगर किला, रामनगर की रामलीला, महिला डिग्री कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (बालिका), राजकीय बाल गृह बालक व बालिका, पूर्व प्रधानमंत्री पं. लालबहादुर शास्त्री का निवास स्थान, 150 बेड का राजकीय अस्पताल, डेढ़ दर्जन रामलीला स्थल, 36वीं वाहनी पीएसी मुख्यालय, विधि विज्ञान प्रयोगशाला, 11 प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय, एक थाना।

मॉनसून के इंतजार में सूखने लगी धान की फसल

आसमान की ओर टकटकी लगाए बैठे किसान

बस्ती। मॉनसून की बेरुखी ने यूपी के किसानों के सामने बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। खासतौर से उन किसानों के लिए जिन्होंने अपने संसाधन की मदद से धान की रोपाई कर दी है। अब बारिश न होने के कारण फसल सूख रही है।

दूसरी तरफ बारिश की आस में रोपाई न करने वाले किसानों का बेहन खेत में ही खराब हो रहे हैं। हर तरफ से हो रहे नुकसान के बीच अब भी किसान आसमान की ओर टकटकी लगाए बैठें है, कि कब मेघ बरसे और खेती की गाड़ी फिर से पटरी पर आ सके। हालांकि अब तक हुई देरी का फसल की उपज पर असर पड़ना तय है।

किसानों पर भारी पड़ रही मानसून की बेरुखी को आप इसप्रकार समझें। प्रति बीघा धान की फसल में करीब साढ़े पांच से छह हजार रुपये की लागत आ रही है। एक बीघा खेत में धान की रोपाई करने के लिए डीजल इंजन से 150-200 रुपये प्रति घंटे की दर से कुल पांच घंटे तक पानी भरना पड़ रहा है। खेत में पानी भरने की लागत करीब 1000 रुपये आ रही है।

मजदूरों से एक बीघे धान की रोपाई की लागत करीब 1200 रुपये है। ट्रैक्टर से एक बीघे खेत की जुताई पर भी लगभग 800 का खर्च आ रहा है। धान की नर्सरी तैयार करने में करीब 400 से 500 रुपये खर्च आता है। रोपाई के बाद खाद प्रति बीघा डीएपी बीस किलो पर 600 रुपया, यूरिया प्रति बीघा पंद्रह किलो पर 150 रुपया और खर पतवार नाशक दवा पर करीब 200 रुपये खर्च होते हैं।

भादी खुर्द के किसान जयंत कुमार शुक्ल ने बताया कि 10 बीघे खेत में अच्छी वैरायटी के धान की रोपाई 15 जून को करवाया था। उम्मीद थी बारिश होगी। लेकिन तब से अब तीन बार खुद के संसाधन से सिंचाई करनी पड़ी। फिर भी फसल पीली ही दिख रही है। प्रति बीघे में करीब छह हजार रुपये की लागत आई है। किसी तरह से रोपाई कराने के बाद सिंचाई कराना लागत को और बढ़ा रहा है। दिन में तेज धूप से पानी भी उबल जा रहा हैं, जिससे धान के बीज गलकर सड़ जा रहे हैं।

तीन साल में सबसे कम बारिश

जिले में बीते तीन साल के आंकड़ों पर नजर डालें तो इस साल सबसे कम बारिश अभी तक दर्ज की गई है। 15 जुलाई 2020 में अब तक 107 मिमी बारिश दर्ज कर ली गई थीं। जबकि 2021 में अब तक 189 मिमी बारिश रिकॉर्ड की जा चुकी थी। इस साल 2022 में 15 जुलाई तक जिले में कुल 89 मिमी ही बारिश हुई है।

रामपुर दर्दनाक हादसा में मारे गए लोगों पर मोदी ने जताया शोक

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के रामपुर में एक प्राइवेट बस और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस दर्दनाक हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख व्यक्त किया है। पीएम ने रविवार को ट्वीट करके शोक संवेदना व्यक्त की। पीएम ने ट्वीट करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के रामपुर में हुआ सड़क हादसा अत्यंत दुखद है। इस दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करने के साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन मौके पर हरसंभव मदद में जुटा है। उल्लेखनीय है कि रामपुर के सिविल लाइन क्षेत्र में बाईपास पर शनिवार देर रात एक डबल डेकर बस और विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक की आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में एक महिला समेत छह लोगों की मौत हो गई और 22 यात्री घायल हो गए। घायलों में एक की हालत नाजुक बनी हुई है। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) संसार सिंह ने बताया कि ट्रक मुरादाबाद की तरफ से आ रहा था और बस शाहजहांपुर की तरफ से आ रही थी। उन्होंने बताया कि दोनों वाहनों की आमने-सामने की टक्कर हुई, जिसमें पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और 22 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एएसपी ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और उनकी शिनाख्त कराई जा रही है। वहीं, इस हादसे पर 5 लोगों की मौत होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

मकान की खुदाई के दौरान मिला खजाने से भरा मटका

जौनपुर। यूपी के जौनपुर जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक मकान की खुदाई के दौरान पुराने जमाने का मटका मिला। मटके को खाली किया गया तो उसमें से सोने का खजाना मिला है। भारी मात्रा में सोने के सिक्कों को देखकर खुदाई कर रहे मजदूरों की आंखें चकाचौंध हो गईं। इसके बाद मजदूरों ने सिक्कों को आपस में बांट लिया, इस दौरान कुछ सिक्के जमीन में गिर गए। सिक्के बांटने के बाद मजदूर मौका पाते ही फरार हो गए। इसकी जानकारी जब मकान मालिक को हुई तो वह मौके पर पहुंचा और सिक्कों के बारे में पूछताछ की। मकान मालिक को मौके से 10 सिक्के बरामद हुए। धीरे-धीरे मामला पुलिस तक पहुंच गया। पुलिस ने मकान मालिक से 10 सिक्के अपने कब्जे में ले लिए हैं। पुलिस अब जांच-पड़ताल में जुटी है। पुलिस सिक्का लेकर भागे मजदूरों की भी पड़ताल कर रही है।

मछलीशहर के कजियाना मोहल्ले के एक मकान में नाली की टंकी बनाने के लिए खुदाई चल रही थी इस दौरान जमीन के अंदर सोने के सिक्कों से भरा मटका मिला। मजदूरों ने मकान मालिक को बिना बताए सिक्कों को आपस में बांट लिया। मजदूरों के जाने के बाद मकान मालिक को भी मिट्टी के अंदर से 10 सिक्के बरामद हुए। उसके बाद मकान मालिक ने मजदूरों से पूछताछ की तो पता चला सोने के सिक्के से भरा मटका था जिसमे से कुछ मजदूर सिक्के ले गए हैं। धीरे धीरे ये बात पुलिस तक पहुँची। पुराने जमाने के सोने के सिक्के मिलने की जानकारी पर पहुँची पुलिस ने मकान मालिक के पास से 10 सिक्के कब्जे में ले लिए है और जांच में जुट गई है।

नटवीर बाबा मंदिर में त्रिशुल घोंप कर पुजारी की हत्या

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में नटवीर बाबा मंदिर के पुजारी राजेश रावत की रविवार सुबह त्रिशुल घोंप कर बेरहमी से हत्या कर दी गई। चारपाई पर खून से लथपथ नग्न शव मिला। शरीर पर कई जगह चोट के निशान है। पुजारी की हत्या की सूचना से इलाके सनसनी मच गई। लोगों ने इसकी पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। सलेमपुर अचाका निवासी राजेश रावत करीब पांच साल से नटवीर बाबा मंदिर में पुजारी था। परिवार में पत्नी शीला और पांच बच्चे हैं। जिनसे राजेश का संबंध लगभग खत्म हो गया था। इंस्पेक्टर नगराम के मुताबिक सुबह सलेमपुर निवासी मोहर्रम अली बकरियां लेकर जंगल की तरफ जा रहा था। नटवीर बाबा मंदिर के पास पहुंचने पर उसे राजेश का शव बिना कपड़ों के चारपाई पर पड़ा मिला।

नशे के लिए इस्तेमाल की जाने वाली कफ सिरप की बड़ी खेप जब्त

वाराणसी कैंट स्टेशन से 3355 बोतलों के साथ 16 गिरफ्तार

वाराणसी। वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन से जीआरपी और ड्रग विभाग ने कोडीन से बनी अवैध कफ सिरप की 3355 बोतलों के साथ 16 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। 100-100 मिलीग्राम की इन बोतलों की कुल कीमत 7 लाख रुपए बताई जा रही है लेकिन बड़ी बात यह है कि इस सिरप का इस्तेमाल नशे के लिए किया जाता है। पकड़े गए लोगों में 15 पश्चिम बंगाल और एक वाराणसी का है। उन्होंने पुलिस को बताया कि सिरप वाराणसी से पश्चिम बंगाल ले जाई जा रही थी।

बता दें कि इसके पहले भी अलग-अलग स्थानों से कई बार नशे के लिए कोडीन तत्व से बकी सिरप का इस्तेमाल पकड़ा जा चुका है। ड्रग्स के तस्कर इसे नशे के लिए नशेड़ियों तक पहंचाते हैं। पकड़े गए लोगों से पूछताछ कर पुलिस कोडीन तस्कर गिरोह के बारे में और जानकारी जुटा रही है।

जानकारों का कहना है कि ऐसी सिरप बिना डॉक्टर की सलाह के मरीज को नहीं दी जा सकती। यह प्रतिबंधित है। इसके बावजूद ड्रग्स तस्कर इसे ड्रग्स सप्लीमेंट के तौर पर बेचते हैं। यह कम्र उम्र के लोगों खासकर बच्चों के लिए जानलेवा हो सकती है।

रेलवे ट्रैक पर मिली युवक की लाश, चौकी इंचार्ज समेत आरपीएफ के चार पुलिसकर्मी सस्पेंड

अमरोहा। यूपी के अमरोहा रेलवे स्टेशन के पास ट्रैक पर मिली युवक की लाश मामले में बड़ी कार्रवाई की गई है। चौकी इंचार्ज समेत आरपीएफ के चार पुलिसकर्मियों को को सस्पेंड कर दिया गया है। इन सभी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरपीएफ के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त मुरादाबाद द्वारा अमरोहा पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर यह कार्रवाई की है। बतादें कि युवक के परिजनों ने आरपीएफ के जवानों पर उसे पीट-पीटकर मार डालने का आरोप लगाया था। श्मशान घाट से लापता युवक की लाश रेलवे ट्रैक पर मिलने पर परिजनों ने यहां जमकर हंगामा किया था। इसके बाद आरोपित आरपीएफ के जवानों पर मुकदमा दर्ज किया गया।

ये है पूरा मामला

कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला पीरगढ़ में हर किशन का परिवार रहता है। उनके बेटे छोटू का आरोप है कि शनिवार दोपहर उसका भाई विनीत अमरोहा रेलवे स्टेशन के नजदीक श्मशान घाट में बैठा हुआ था। आरोप है कि दोपहर करीब साढ़े तीन बजे वहां पहुंचे आरपीएफ के छह सिपाही बेवजह ही उसे बुरी तरह पीटने लगे और उठाकर ले गए। इस बात का पता चलने पर परिजन विनीत को छुड़ाने के लिए आरपीएफ चौकी पर पहुंचे तो इंचार्ज ने मामला संज्ञान में न होने की बात कहकर लौटा दिया।

रविवार सुबह छह बजे विनीत की लाश अमरोहा रेलवे स्टेशन के नजदीक रेलवे ट्रैक पर पड़ी मिलने से हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंचे परिजनों ने आरपीएफ जवानों पर पीट पीटकर हत्या कर लाश रेलवे ट्रैक पर फेंकने का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही सीओ सिटी विजय कुमार राणा मौके पर पहुंच गए। हंगामा बढ़ने की आशंका भांपते हुए उन्होंने डिडौली कोतवाली व अमरोहा देहात थाने की पुलिस को भी बुला लिया। एसपी आदित्य लांग्हे ने बताया कि युवक की हत्या के मामले में फील्ड यूनिट को मौके पर भेजकर साक्ष्य भी जुटाए गए हैं। परिजनों के आरोप पर आरपीएफ चौकी इंचार्ज विरेंद्र सिंह बिष्ट के अलावा आरक्षी दिवाकर, संजू, उस्मान व देवेंद्र ठाकी समेत दो अज्ञात के खिलाफ हत्या के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट व साक्ष्य के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

फार्म हाउस में चल रहे अवैध कैसिनो पर पुलिस की छापा, 9 विदेशी युवतियां समेत 43 गिरफ्तार

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में एसओजी टीम ने एक फार्म हाउस पर छापा मारकर अवैध रूप से चलने वाले डिजिटल कैसिनो से जुआ खेलते हुए विदेशी युवतियों समेत 43 लोगों को गिरफ्तार किया है, इसमें गुजरात का एक हीरा कारोबारी भी शामिल है। पुलिस ने मौके से करीब 6 लाख रुपये कैश, दर्जनों लग्जरी कारें, मोबाइल फोन और बड़ी संख्या में ताश आदि बरामद किए हैं। पकड़े गए युवक दिल्ली गुजरात, उत्तराखंड, गाजियाबाद और कई अन्य इलाकों के बताए गए हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक यादव ने बताया कि परतापुर क्षेत्र के वेदव्यासपुरी स्थित ओक ट्री फार्म हाउस में अवैध कसीनो में जुआ खेलने की सूचना पर उनके नेतृत्व में एसओजी की टीम ने रविवार को तड़के करीब सवा तीन बजे छापा मारा। उन्होंने बताया कि जुआ खिलाने के लिए नेपाल समेत अन्य देशों से लड़कियों को बुलाया गया था। टीम ने छापेमारी के दौरान कुल 43 लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें 34 पुरुष और 9 विदेशी युवतियां शामिल हैं। आरोप है कि पकड़े गए लोगों में कई राजनीतिक दलों से संबंधित सफेदपोश रईसजादे भी शामिल हैं। यादव ने बताया कि छापे में टीम को शराब की बोतलें और हुक्के भी बरामद हुए हैं। विवेक यादव ने इस फार्म हाऊस पर काफी समय से जुए का अवैध कारोबार चलने की आशंका से इंकार नहीं किया है। उन्होंने यह भी बताया कि संबंधित थाना पुलिस को बिना बताए एसओजी ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया है। यादव ने बताया कि पकड़े गए लोगों से पूछताछ जारी है और उनसे यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस गिरोह के अन्य सदस्य कहां और किस शहर में मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि इसी के आधार पर कुछ अन्य जगहों पर भी छापामार कार्रवाई की जा सकती है।

कन्नौज बवाल: डीएम और एसपी हटाए गए, एसएचओ सहित दो दरोगा सस्पेंड

तालग्राम(कन्नौज)। कन्नौज के तालग्राम थाना क्षेत्र में धार्मिक स्थलों में खुराफात कर माहौल बिगाड़ने की कोशिश में हुए बवाल के बाद यहां के डीएम और एसपी को हटा दिया गया है। तालग्राम के एसएचओ और दो एसआई को सस्पेंड कर दिया गया है। कानपुर के कमिश्नर और आईजी रविवार की सुबह फिर तालग्राम पहुंचे हैं। हालात सामान्य है, फिर भी प्रशासन अलर्ट है। जगह-जगह चौकसी हो रही है।

शुभ्रांत शुक्ला बनाए गए नए डीएम

चित्रकूट के डीएम शुभ्रांत शुक्ला को नया जिलाधिकारी बनाया गया है। हाल ही में यहां आए एसपी राजेश श्रीवास्तव की जगह कुंवर अनुपम सिंह को नई जिम्मेदारी मिली है। वहीं, तालग्राम के एसएचओ हरिश्याम सिंह को सस्पेंड कर जितेंद्र सिंह को थाना की कमान सौंपी गई है। दो और दरोगा विनय कुमार और तालग्राम कस्बा चौकी इंचार्ज रामप्रकाश भी सस्पेंड कर दिए गए हैं। हालात का जायजा लेने के लिए रविवार की सुबह ही कानपुर कमिश्नर राजशेखर और आईजी प्रशांत कुमार भी तालग्राम पहुंचकर हालात का जायजा ले रहे हैं।

धार्मिक स्थलों की बढ़ाई गई सुरक्षा

तालग्राम थाना क्षेत्र के गांव रसूलाबाद और फिर कस्बे के मोहल्ला टिकुरियान में बिगड़े हालात के बाद इलाके के सभी धार्मिक स्थलों पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। कड़ी चौकसी की जा रही है।

तबादले की सूचना पर भी तालग्राम में डटे हैं डीएम

डीएम राकेश मिश्र रविवार की सुबह से मौके पर ही डटे हैं। इसी बीच उन्हें तबादले की जानकारी मिली। वो तालग्राम थाना में ही अफसरों संग बैठक कर हालात का जायजा ले रहे हैं।

प्रयागराज स्थित महाधिवक्ता भवन में लगी आग

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पास स्थित महाधिवक्ता भवन में रविवार को सुबह आग लग गयी। इसे बुझाने के लिये 15 दमकल वाहनों को लगाया गया है। इस इमारत को बाबा साहब डाक्टर भीमराव अंबेडकर भवन के नाम से भी जानते हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के महाधिवक्ता भवन में रविवार सुबह करीब 5:30 बजे आग लगने की सूचना कुछ राहगीरों द्वारा दी गयी।

इमारत के पांचवें, छठें और सातवें मंजिल में लगी आग पर काबू पाने के लिए पहले अग्निशमन विभाग की टीम लगी रही। आग जब बेकाबू होती चली गई तो सेना और एयरफोर्स के जवानों को बुलाया गया।

इस बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस इमारत में आग लगने की जांच के आदेश देतते हुए आज शात तक रिपोर्ट सौंपने को कहा है। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुपालन में प्रयागराज के पुलिस अधीक्षक (नगर), अपर जिलाधिकारी (नगर), मुख्य अग्निशमन अधिकारी, एडिशनल एलआर, प्रयागराज तथा उपनिदेशक, विद्युत सुरक्षा की सदस्यता में एक जांच समिति गठित की गई है। यह समिति जिलाधिकारी तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में आग लगने के कारणों के संबंध में आज सायंकाल तक रिपोर्ट देगी। जिससे जिम्मेदारी तय कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सके।

इमारत में आग पर काबू पाने के लिये पावर प्लांट के साथ ही कौशांबी और प्रतापगढ़ के भी दमकल वाहनों एवं कर्मियों को बुलाया गया। पाचवें, छठवें और सातवें तल पर लगी आग पर काबू पा लिया गया जबकि आठवें तल पर लगी आग बुझाने की कोशिशें जारी है।

अदालत के आदेश पर पांच के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश में हमीरपुर जिले के कुरारा क्षेत्र में काम के बहाने युवक को उड़ीसा ले जाकर हत्या करने पर पुलिस ने अदालत के आदेश से रविवार को पांच लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक ककरोऊँ गांव निवासी महिला वकीलन पत्नी नसीर ने न्यायालय में शिकायती पत्र देकर बताया कि उसके पुत्र हसीम को गांव के पांच लोग जलालुद्दीन, सलीम, निजाम, सलामुद्दीन और फरीद काम के लिए गत 18 मार्च को उड़ीसा ले गये थे। इसके बाद बेटे ने 24 मार्च को फोन करके बताया कि ये लोग उसे मारपीट कर प्रताड़ित कर रहे है।

फर्रूखाबाद : धार्मिक तनाव होने पर हरकत में आया प्रशासन, हालात काबू में

फर्रूखाबाद। उत्तर प्रदेश में फर्रूखाबाद जिले के कम्पिल थाना क्षेत्र में गुरू पूर्णिमा को काली शोभा यात्रा के खप्पर में कुछ बच्चों द्वारा पानी व मौरंग फेंकने के मामले में आज धार्मिक तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गयी। हालांकि, पुलिस प्रशासन के अधिकारी तत्काल हरकत में आ गये, जिससे अब स्थिति नियंत्रण में है।

जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों में शांति एवं सौहार्द का माहौल बनाकर स्थिति को बेकाबू होने से रोक लिया। फर्रूखाबाद के पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने रविवार को बताया कि जिले के कम्पिल थाना क्षेत्र की पुलिस चौकी शिवारा ग्राम बहवलपुर में गुरू पूर्णिमा के दिन रात में करीब आठ बजे एक सामुदाय के लोगों ने काली शोभा यात्रा निकाली। इस दौरान दूसरे सामुदाय के बच्चों ने काली के खप्पर में पानी व मौरंग फेंक दी। इसके बाद दोनों सामुदायों के बीच ग्राम प्रधान ने समझौता वार्ता करके मामला शांत कराया। उन्होने बताया कि दोनों समुदाय के लोगों में शांति समझौता वार्ता होने के बाद रविवार को प्रात: करीब नौ बजे एक मंदिर निर्माण के लिये एक समुदाय द्वारा चंदा मांगा गया तो गांव के पूर्व प्रधान ने इसका विरोध किया। इस मामले को लेकर बड़ी संख्या में मंदिर पर लोग एकत्र शुरू हो गए। जिससे धार्मिक तनाव जैसी स्थिति उत्पन्न हो गयी। इधर घटना की जानकारी मिलते ही कायमगंज पुलिस उपाधीक्षक सोहराब आलम व उपजिलाधिकारी संजय कुमार के साथ कम्पिल-कायमगंज व शमसाबाद थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों समुदायों के बीच शांति वार्ता करायी।

वैश्विक रुख और कंपनियों के तिमाही परिणाम तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

एजेंसी

मुंबई। विदेशी बाजारों की गिरावट के दबाव में बीते सप्ताह एक प्रतिशत से अधिक गिरे घरेलू शेयर बाजार की चाल अगले सप्ताह वैश्विक रुख और कंपनियां के चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के परिणाम से निर्धारित होगी।

समीक्षाधीन सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 721.06 अंक लुढ़ककर सप्ताहांत पर 54 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 53760.78 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 171.4 अंक टूटकर 16049.20 अंक पर रह गया।

बीते सप्ताह दिग्गज और मझौली कंपनियों की गिरावट के विपरीत छोटी कंपनियों में तेजी दर्ज की गई। सप्ताहांत पर बीएसई का मिडकैप 3695.38 अंक लुढ़ककर 22854.62 अंक पर आ गई वहीं स्मॉलकैप 88.75 अंक चढ़कर 25779.56 अंक पर पहुंच गया।

विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिका में आसमान छूती महंगाई को नियंत्रित करने के लिए फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने की संभावना है। इसका दबाव अंतर्राष्ट्रीय शेयर बाजार पर रहेगा। साथ ही अगले सप्ताह रिलायंस, हिंदुस्तान यूनीलीवर, इंडसइंड बैंक, टाटा कम्युनिकेशंस, विप्रो, बंधन बैंक और आईडीबीआई जैसी दिग्गज कंपनियों के चालू वित्त की पहली तिमाही के परिणाम आने वाले हैं। इन कारकों का असर बाजार पर देखा जा सकेगा।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में लगातार चार दिन गिरावट जबकि अंतिम कारोबारी दिवस शुक्रवार को तेजी रही। वैश्विक स्तर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर आईटी और टेक जैसे समूहों में हुयी भारी बिकवाली के कारण सोमवार को शेयर बाजार गिरावट लेकर बंद हुआ। सेंसेक्स 86.61 अंक टूटकर 54395.23 अंक और निफ्टी 4.60 अंकों की गिरावट के साथ 16216 अंक पर रहा।

वैश्विक बाजार के नकारात्मक संकेत से हतोत्साहित निवेशकों को स्थानीय स्तर पर बेसिक मैटेरियल्स, सीडीजीएस, एफएमसीजी, आईटी, ऑटो, धातु और टेक समेत पंद्रह समूहों में हुई बिकवाली से शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन भी गिरावट रही। सेंसेक्स 508.62 अंक टूटकर 54 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 53,886.61 अंक और निफ्टी 157.70 अंक गिरकर 16,058.30 अंक पर आ गया।

विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर ऊर्जा, वित्त, दूरसंचार और यूटिलिटीज समेत बारह समूहों में हुई बिकवाली से बुधवार को सेंसेक्स 372.46 अंक टूटकर 53,514.15 अंक और निफ्टी 91.65 फिसलकर 16 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 15,966.65 अंक पर रहा। विदेशी बाजारों की गिरावट के दबाव में स्थानीय स्तर पर एक्सिस बैंक, एसबीआई, एचसीएल टेक, टीसीएस, विप्रो और आईसीआईसीआई बैंक समेत 17 दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली से शेयर बाजार का गुरुवार को लगातार चौथे दिन भी गिरना जारी रहा। सेंसेक्स 98 अंक फिसलकर 53,416.15 अंक और निफ्टी 28 अंक उतरकर 15,938.65 अंक पर रहा। वहीं, वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर सीडीजीएस, एफएमसीजी, इंडस्ट्रियल्स, दूरसंचार, ऑटो और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स समेत पंद्रह समूहों में हुई लिवाली से शुक्रवार को शेयर बाजार की पिछले चार दिन की गिरावट थम गई। सेंसेक्स 344.63 अंक उछलकर 53760.78 अंक और निफ्टी 110.55 अंक मजबूत होकर 16 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 16049.20 अंक पर पहुंच गया।

पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं

नयी दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब रहने के बावजूद देश में रविवार को तेल विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया। सिंगापुर में आज सुबह अमेरिकी क्रूड 1.87 प्रतिशत बढ़कर 97.57 डॉलर प्रति बैरल और ब्रेंट क्रूड 101.16 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसीएल) के अनुसार, दिल्ली में आज पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है वहीं मुंबई में पेट्रोल और डीजल के दाम क्रमशः 106.31 रुपये प्रति लीटर और 94.27 रुपये प्रति लीटर पर हैं।

एएक्सएल वर्ल्ड का कॉलिंग वाला नया स्मार्टवॉच एक्स फिट एम 57

नयी दिल्ली। एएक्सएल वर्ल्ड ने भारतीय बाजार में किफायती श्रेणी में ऐसा नया फुल टच स्मार्टवॉच लॉंच की है जिससे न सिर्फ कॉलिंग की सुविधा है बल्कि इसमें एक फिटनेस ट्रैकर की सभी अत्याधुनिक खुबियां भी है।

कंपनी ने इसकी कीमत 3599 रुपये रखी है जो अभी उसकी वेबसाइट के साथ ही ऑनलाइन मार्केटप्लेस अमेजन पर भी उपलब्ध है। कंपनी ने ग्राहकों को बहुत पंसद आने का दावा करते हुये कहा है कि यह उपयोगकर्ताओं के जीवन में काफी सुगमता लाने वाला है। कंपनी के निदेशक अतुल मोदी ने कहा एएक्सएल श्रेणी में इसके साथ हम कई फीचर उपलब्ध करा रहे हैं जो इसको को इस श्रेणी का एक बेस्ट प्रोडक्ट बना सकते हैं। यह वॉच निश्चित रूप से आने वाले दिनों में एक लोकप्रिय उत्पाद बनने वाली है क्योंकि इसमें ग्राहकों के लिए अनूठे फीचर दिए गए हैं।

फुल टच स्मार्टवॉच में 1.28 इंच एचडी फुल स्क्रीन दी गई है और यह 240 पिक्सल के साथ है। 10 दिन की बैटरी लाइफ दी गई है और यह मौजूद ज्यातार स्मार्टवॉच की तरह सिर्फ फिटनेस ट्रैकर नहीं है बल्कि इसमें कई अन्य फीचर भी दिए गए हैं जिसमें ब्लूटुथ वी 5.0 कॉलिंग दी गई है। साथ ही मल्टी-स्पोर्ट मोड के साथ कम्पलीट हेल्थ ट्रैकिंग उपलब्ध कराई गई है। यह स्टैंडर्ड ब्लैक कलर में उपलबध है। इसमें चलने, दौड़ने, साइकिल चलाने, बास्केटबॉल, योग और फिटनेस आदि की ट्रैकिंग की जानकारी मिलती है।

कैट करेगा जीएसटी को सरल बनाने के लिए आंदोलन

नयी दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्ज (कैट) ने जीएसटी काउन्सिल के मनमाने रवैए के खिलाफ एक देशव्यापी आंदोलन कराए जाने की घोषणा की।

कैट ने रविवार को जारी एक बयान में कहा कि जीएसटी कर प्रणाली की नए सिरे से समीक्षा कर कानून एवं नियमों को सरल एवं तार्किक बनाया जाए और इसमें सरलता लायी जाए।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि इस देशव्यापी आंदोलन की शुरूआत आगामी 26 जुलाई को भोपाल से होगी तथा इसमें देश के 50 हजार से ज्यादा व्यापारी संगठन भाग लेंगे। देश के प्रत्येक राज्य में व्यापारियों द्वारा अपने राज्य में सघन आंदोलन होगा और सभी राज्यों में बड़ी रैलियां होंगी। सितम्बर में दिल्ली में एक बड़ी राष्ट्रीय रैली होगी। उन्होंने कहा कि इसमें ट्रांसपोर्ट, किसान, स्वयं उद्यमी, महिला उद्यमी, छोटे एवं मध्यम निर्माता आदि के राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय संगठनों को भी शामिल किया जाएगा और एक बड़ा मोर्चा इस संघर्ष को देश भर में पूरी ताकत से लड़ेगा। श्री भरतिया और श्री खंडेलवाल ने बताया की कर दरों में विसंगतियों एवं राज्यों के मनमाने व्यवहार से कर प्रणाली दूषित हो गई है जिसको सुधारना बेहद आवश्यक है ताकि व्यापारी आसानी से कर नियमों का पालन कर सकें, सरकारों को अधिक राजस्व मिल सके तथा कर वंचना को रोका जा सके। इसके लिए जीएसटी के कानून एवं नियमों की नए सिरे से पूर्ण समीक्षा की जाए।

यश बैंक ने एफडी पर लागू नियमों को और सख्त किया

- एफडी अब समय से पहले तोड़ी तो देना होगा अधिक जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)।

निजी क्षेत्र के यस बैंक ने एफडी पर लागू नियमों को और सख्ते त बना दिया है। अब बैंक के ग्राहकों को एफडी की समय पूर्व निकासी पर ज्े यादा जुर्माना देना होगा। बैंक की वेबसाइट के अनुसार, हर अवधि की एफडी के लिए प्री मेच्े योर निकासी दरें भी अलग-अलग हैं। इस पर जुर्माने की राशि में बदलाव किया गया है और नया नियम 8 अगस्त, 2022 से लागू हो जाएगा। इसके तहत एफडी को लॉक इन पीरियड से पहले तुड़वाने पर निवेशकों को जुर्माने के रूप में ज्यादा रकम चुकानी पड़ेगी। जुर्माने की राशि एफडी की अवधि के हिसाब से तय की जाएगी। बैंक के अनुसार, 181 दिन से कम समय वाली एफडी पर अब समय से पहले निकासी करने पर दोगुना जुर्माना देना होगा। बैंक ने इस पर जुर्माने की राशि 0.25 फीसदी से बढ़ाकर 0.50 फीसदी कर दिया है। 182 दिन या उससे ज्यादा अवधि वाली एफडी को समय से पहले तुड़वाने अथवा निकासी करने पर अब 0.75 फीसदी जुर्माना देना होगा, जो पहले 0.50 फीसदी था।

बैंक ने कहा है कि यह नियम वरिष्ठ नागरिकों पर लागू नहीं होंगे। एफडी पर पेनॉल्टी की व्यवस्था सभी तरह के ग्राहकों के लिए है। हालांकि, बैंक के कर्मचारियों को कुछ मामलों में रियायत दी गई है। इसके तहत 5 जुलाई, 2019 से 9 मई, 2021 के बीच एफडी कराने वाले कर्मचारियों को समय से पहले एफडी तुड़वाने अथवा निकासी करने पर नई व्यवस्था के अनुसार ही जुर्माना देना होगा। 10 मई 2021 के बाद एफडी कराने वालों को प्री मेच्योर निकासी पर कोई जुर्माना नहीं देना होगा। बैंक ने कहा है कि 5 जुलाई, 2019 से 15 मई, 2022 के बीच कराई गई एफडी पर वरिष्ठ नागरिकों को भी प्री मेच्योर निकासी करने पर नई व्यवस्था के अनुसार जुर्माना देना होगा। हालांकि, जिन वरिष्ठ नागरिकों ने 15 मई, 2022 के बाद एफडी कराई है, उन्हें समय से पहले निकासी करने पर जुर्माने की राशि नहीं देनी होगी। प्री मेच्योर पेनॉल्टी एफडी से पूरी राशि अथवा आंशिक निकासी दोनों पर ही लागू होगा। यस बैंक ने 18 जून को अपने एफडी पर ब्याज दरों में भी इजाफा किया था।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 580.3 अरब डॉलर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण भंडार और विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में कमी आने से देश का विदेशी मुद्रा भंडार 08 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 8.06 अरब डॉलर घटकर 580.3 अरब डॉलर रह गया जबकि इसके पिछले सप्ताह यह पांच अरब डॉलर घटकर 588.3 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार 08 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 6.7 अरब डॉलर कम होकर 518.1 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 1.24 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 39.2 अरब डॉलर पर रहा।

सुला विनयाड्र्स ने आईपीओ लाने सेबी के पास जमा किए दस्तावेज

नई दिल्ली। पिछले साल की तरह यह साल भी बेहद खास होने वाला है। एक के बाद कई कंपनियां अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) ला रही हैं। इसी कड़ी में अब देश की सबसे बड़ी वाइन कंपनी सुला विनयाड्र्स भी आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है। सुला विनयाड्र्स शेयर बाजार में लिस्ट होने वाली ऐसी पहली कंपनी होगी जो वाइन की मैन्युफैक्चरिंग करती है जबकि एल्कोहल और स्पिरिट सेगमेंट में आईपीओ लाने की तैयारी करने वाली यह दूसरी कंपनी होगी। ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की बनाने वाली कंपनी एलॉइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स ने पिछले महीने ही आईपीओ के लिए सेबी के पास पेपर जमा किया था। कंपनी ने आईपीओ के जरिए फंड जुटाने के लिए मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया यानी सेबी के पास शुरुआती दस्तावेज दाखिल किए हैं। ड्राफ्ट दस्तावेज के मुताबिक इश्यू पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल होगा, जिसमें प्रमोटर, निवेशक और अन्य शेयरधारक 25,546,186 इक्विटी शेयरों की पेशकश करेंगे। सुला विनयाड्र्स रेड, व्हाइट और स्पार्कलिंग वाइन की बिक्री करती है। यह 13 ब्रांड के तहत 56 प्रकार की वाइन का उत्पादन करती है। कंपनी महाराष्ट्र के नासिक में है। नासिक में अंगूर की खेती सबसे ज्यादा होती है। इस कंपनी में बेल्जियन फैमिली ऑफिस वर्लीनवेस्ट का पैसा लगा हुआ है। इस कंपनी ने सुला विनयाड्र्स में एक दशक पहले निवेश किया था। कंपनी के एमडी और सीईओ राजीव सामंत हैं।

भारत का यूएई को निर्यात बढ़कर 83.71 करोड़ अमेरिकी डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली। भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट लागू होने के बाद इस साल मई-जून में यूएई को होने वाला निर्यात 16.22 फीसदी बढ़कर 83.71 करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया। सूत्रों के मुतो बिक पिछले साल की इसी अवधि में यह निर्यात 72.03 करोड़ अमेरिकी डॉलर रहा था। दोनों देशों के बीच कंप्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (सीईपीए) एक मई, 2022 से लागू हो चुका है। इस समझौते के तहत कपड़ा, कृषि, सूखे मेवे, रत्न और आभूषण जैसे विभिन्न क्षेत्रों के घरेलू निर्यातकों को यूएई के बाजार में ड्यूटी एक्सेस पहुंच मिल गई है। यूएई को भारत का निर्यात, जो कोविड-19 महामारी के पहले से लेकर अप्रैल 2022 तक नकारात्मक वृद्धि की दिशा में था, उसमें समझौता होने के बाद मई 2022 से तेजी आई है। सीईपीए पर हस्ताक्षर होने के बाद मई-जून 2022 में निर्यात 16.22 फीसदी बढ़कर 83.71 करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया। सोने के आभूषणों का निर्यात मई और जून में क्रमशः 62 फीसदी और 59 फीसदी बढ़कर 13.527 करोड़ अमेरिकी डॉलर और 18.57 करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया।

इलेक्ट्रॉनिक उद्योग को पैकेज पर विवरण क्यूआर कोड के जरिए देने का विकल्प

नई दिल्ली। केंद्र ने इलेक्ट्रॉनिक उद्योग को 15 जुलाई के बाद तथा एक साल की अवधि के लिए निर्मित उत्पादों के लेबल पर क्यूआर कोड के माध्यम से कुछ अनिवार्य विवरण घोषित करने की अनुमति दी है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने कहा कि हालांकि उद्योग को अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी), फोन नंबर तथा ई-मेल पता जैसा अनिवार्य विवरण पैकेज पर देना होगा। इन संशोधनों को विधिक माप विज्ञान (पैक किए गए उत्पाद) नियम 2011 के तहत लाया गया और ये 14 जुलाई से प्रभावी हुए। एक अधिकारी ने कहा कि पहले नियमानुसार कई घोषणाएं पैकेज पर करनी होती थीं। अब हमने इलेक्ट्रॉनिक उद्योग को क्यूआर कोड फॉर्म के जरिए कुछ अनिवार्य घोषणाओं का विकल्प दिया है। विवरण क्यूआर कोड के जरिए देने की स्थिति में पैकेज पर ग्राहकों को यह सूचना देनी होगी। यह विकल्प पहले एक साल के लिए दिया गया है क्योंकि सरकार इस प्रौद्योगिकी को पहली बार पायलट आधार पर इस्तेमाल करने की कोशिश कर रही है और जो प्रतिक्रिया मिलेगी उसके आधार पर इसे विस्तार देने के बारे में निर्णय लिया जाएगा।

सुपरटेक डेवलपर प्रोजेक्ट पूरा करने होटल और शॉपिंग मॉल बेचेगी

मुंबई। (एजेंसी)

सुपरटेक डेवलपर कुछ लंबित प्रोजेक्ट पूरे करने के लिए अपने दो होटल और दो शॉपिंग मॉल बेचने पर विचार कर रही है। ये होटल और शॉपिंग मॉल उत्तर प्रदेश के मेरठ और उत्तराखंड के हरिद्वार में है। सुपरटेक लिमिटेड ने कहा कि उसकी योजना मेरठ और हरिद्वार स्थित चार वाणिज्यिक परिसंपत्तियों को अनुमानित 1,000 करोड़ रुपए में बेचने की है। यह मौजूदा परियोजनाओं के निर्माण में तेजी लाने और कर्ज चुकाने के उसके प्रयासों का हिस्सा है। कंपनी ने कुछ साल पहले भी इन परिसंपत्तियों को बिक्री के लिए रखा था लेकिन कोविड महामारी के कारण आतिथ्य तथा खुदरा क्षेत्रों के बुरी तरह प्रभावित होने से ऐसा हो नहीं सका। नोएडा की सुपरटेक लिमिटेड ने कहा कि मेरठ और हरिद्वार में शॉपिंग मॉलों और होटलों को बिक्री के लिए रखा है और उसका लक्ष्य इससे 1,000 करोड़ रुपए जुटाना है। मेरठ और हरिद्वार में सुपरटेक के एक-एक शॉपिंग मॉल और एक-एक होटल हैं।बीते 10 जून को नेशनल कंपनी लॉ अपीलेंट ट्रिब्यूनल की ओर से एक आदेश जारी किया गया था। इसमें सुपरटेक लिमिटेड के ग्रेटर नोएडा वेस्ट जिसे आमतौर नोएडा एक्सटेंशन भी कहा जाता है, के प्रोजेक्ट ईको विलेज-2 के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया चलाने का आदेश जारी किया गया। इस प्रोजेक्ट के लिए कमेटी ऑफ क्रेडिटर्स का गठन को कहा गया है। इससे पहले 25 मार्च को एनसीएलटी की ओर से सुपरटेक लिमिटेड के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया चलाने का आदेश दिया गया था। यूनियन बैंक की ओर से इस बाबत याचिका दायर की गई थी। सुपरटेक पर यूनियन बैंक का 432 करोड़ बकाया है।

घटने से पहले शीर्ष पर जा सकती है मंहगाई, व्यापार घाटे और पूंजी निकासी पर कड़ी निगरानी की जरूरतः आरबीआई

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बैंकों की शीर्ष निगरानी संस्था भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जुलाई 2022 के प्रकाशित अपने मासिक बुलेटिन में कहा है कि अस्थिर वैश्विक हालात के बीच व्यापार घाटे और विदेशी निवेशकों की ओर से जारी पूंजी निकासी पर सख्त निगरानी की जरूरत है। बुलेटिन में कई लेखों के जरिए भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर विचार किया गया है। बुलेटिन में कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था मंदी और संघर्ष की चिंताओं के अलावा महत्वपूर्ण वैश्विक चुनौतियों का सामना मजबूती से कर रही है।

आरबीआइ के डिप्टी गवर्नर माइकल पात्रा की टीम की ओर से तैयार लेख में कहा गया कि जिंस की कीमतों में हालिया नरमी और सप्लाई चेन का दबाव कम होने से देश को महंगाई के जाल से बचने में मदद मिलेगी। लेख में कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक अस्थिरता के सामने लचीली बनी हुई है, लेकिन भू-राजनीतिक बिखराव के कारण पुनरुद्धार की गति कम हो रही है। लेख में कहा गया है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन सकता है। हालांकि, मंदी का डर भी बना हुआ है। लेखकों का मानना है कि हाल में मानसून में हुए सुधार से कृषि गतिविधियों के बेहतर रहने की उम्मीद है, और ग्रामीण मांग जल्द ही तेजी पकड़ सकती है, जिससे पुनरुद्धार को मजबूती मिलेगी।

आरबीआई के बुलेटिन में आशंका जताई गई है कि महंगाई कम होने से पहले अपने उच्चतम स्तर तक जा सकती है। बता दें कि राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा 12 जुलाई, 2022 के आंकड़ों के अनुसार, खाद्य मुद्रास्फीति में कमी के कारण जून में लगातार दूसरे महीने उपभोक्ता मूल्य पर आधारित मुद्रास्फीति में कमी आई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) द्वारा मापी गई मुद्रास्फीति जून में घटकर 7.01 प्रतिशत हो गई, जो एक महीने पहले 7.04 प्रतिशत थी। लेख में कहा गया है कि मुद्रास्फीति के दबाव को कम करने के लिए दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों द्वारा सख्त मौद्रिक नीतियों का एलान किया रहा है। साथ ही कमोडिटी की कीमतों में नरमी लाने और सप्लाई चेन बनाए रखने की भरसक कोशिश की जा रही है।

सोना 695 और चांदी में 1547 रुपये की साप्ताहिक गिरावट

एजेंसी

मुंबई। डॉलर के चौबीस वर्ष के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के दबाव में वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं में आई भारी गिरावट से बीते सप्ताह घरेलू सर्राफा बाजार में सोना 695 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी में 1547 रुपये प्रति किलोग्राम की साप्ताहिक गिरावट रही।

समीक्षाधीन सप्ताह में वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं में गिरावट का रुख रहा। सोना हाजिर 39.17 डॉलर प्रति औंस गिरकर सप्ताहांत पर 1702.42 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। साथ ही अमेरिकी सोना वायदा भी 22.4 डॉलर प्रति औंस टूटकर 1709.70 डॉलर प्रति औंस रह गया। इसी तरह सप्ताहांत पर चांदी हाजिर 0.73 डॉलर प्रति औंस उतरकर 18.56 डॉलर प्रति औंस रही।

बीते सप्ताह विदेशी बाजार की गिरावट का असर देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स पर भी देखा गया। सप्ताहांत पर सोना 695 रुपये की भारी गिरावट लेकर 50062 रुपये प्रति दस ग्राम पर आ गया। इस दौरान सोना मिनी 600 रुपये गिरकर 50191 रुपये प्रति दस ग्राम पर रही।

इसी तरह समीक्षाधीन अवधि में स्थानीय स्तर पर चांदी 1547 रुपये सस्ती होकर 55492 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। साथ ही चांदी मिनी 1412 रुपये उतरकर सप्ताहांत पर 56048 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई।

विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिका में महंगाई का स्तर काफी ऊंचा है। ऐसे में फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने की उम्मीद बढ़ गई। इससे दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर 24 वर्ष के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जिससे वैश्विक बाजार में पीली और सफेद धातु की कीमत पर दबाव बढ़ा है। इसका असर घरेलू सर्राफा बाजार में भी देखा जा रहा है।

शक्कर सस्ती, खोपरा गोला महंगा, साबूदाना मजबूत

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में सप्ताहांत ग्राहकी ऊपर नीचे होती रही। शक्कर सस्ती बिकी। खोपरा गोला में उठाव बढ़ा रहा इससे भाव ऊंचे बोले गए। हल्दी में मांग बढ़ी रही। साबूदाना मजबूती लिए रहा। स्थानीय किराना बाजार में सोमवार को शक्कर 3575 से 3600 रुपये प्रति क्विंटल खुलने के शनिवार को 3540 से 3580 रुपये बोली गई। शक्कर की दैनिक आवक 07 से 08 गाड़ी की रही। सोमवार को खोपरा गोला 168 से 190 रुपये प्रति किलो के स्तर पर खुलने के बाद 170 से 195 रुपये प्रति किलो बिका। लग्नसरा के कारण हल्दी में मांग सुधार लिए रही इसमें व्यापार 100 से 162 रुपये की रंगत पर सौदे हुए।

विदेशी मुद्रा भंडार 8.06 अरब डॉलर घटकर 580.3 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण भंडार और विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में कमी आने से देश का विदेशी मुद्रा भंडार 08 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 8.06 अरब डॉलर घटकर 580.3 अरब डॉलर रह गया जबकि इसके पिछले सप्ताह यह पांच अरब डॉलर घटकर 588.3 अरब डॉलर पर रहा था।

रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 08 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 6.7 अरब डॉलर कम होकर 518.1 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 1.24 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 39.2 अरब डॉलर पर रहा। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार 12.2 करोड़ डॉलर गिरकर 18.01 अरब डॉलर पर रहा। इसी तरह इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में बढ़ोतरी हुई है और यह 4.9 करोड़ डॉलर घटकर 4.97 अरब डॉलर रह गया।

शार्ट न्यूज

कोविंद और मोदी ने दी सिंधु को बधाई

नयी दिल्ली/हैदराबाद। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भारत की शीर्ष शटलर पीवी सिंधु को सिंगापुर ओपन जीतने पर बधाई दी। श्री कोविंद ने कहा, पहली बार सिंगापुर ओपन 2022 टूर्नामेंट जीतने पर पीवी सिंधु को हार्दिक बधाई। आपकी इच्छाशक्ति और उत्साह प्रेरणादायक हैं। आशा है कि आप इसी तरह देश का वैभव और गौरव बढ़ाती रहें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सिंधु को पहली बार सिंगापुर ओपन जीतने पर बधाई दी। श्री मोदी ने कहा कि यह भारत के लिये गौरव का क्षण है और उभरते खिलाड़ियों को प्रेरणा देगा। प्रधानमंत्री ने केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के एक ट्वीट के जवाब में कहा, मैं पीवी सिंधु को उनका पहला सिंगापुर ओपन खिताब जीतने पर बधाई देता हूं। उन्होंने एक बार फिर असाधारण प्रतिभा दिखाते हुए सफलता हासिल की है। यह देश के लिये गौरव का क्षण है और उभरते खिलाड़ियों को प्रेरणा देगा। तेलंगाना की राज्यपाल तमिलसाई सौंदरराजन ने सिंधु को बधाई देते हुए कहा कि पूरे देश को उनके ऊपर गर्व है।सुश्री सौंदरराजन ने ट्वीट किया, सिंगापुर ओपन 2022 में अपना पहला सुपर 500 टूर्नामेंट महिला खिताब जीतने पर पीवी सिंधु को हार्दिक बधाई। पूरे देश को आप पर गर्व है।

हरियाणा स्टीलर्स के मुख्य कोच बने मनप्रीत सिंह

हिसार। वरिष्ठ कबड्डी खिलाड़ी और ध्यानचंद खेल पुरस्कार से सम्मानित मनप्रीत सिंह प्रो कबड्डी लीग के 2022-23 सत्र में हरियाणा स्टीलर्स के मुख्य कोच की भूमिका निभायेंगे। स्टीलर्स ने रविवार को यह घोषणा की। मनप्रीत 2002 और 2006 एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह 2007 कबड्डी विश्व कप में स्वर्ण जीतने वाली भारतीय टीम में भी थे। उनके साथ नीर गुलिया भी स्टीलर्स के कोच के रूप में टीम का हिस्सा बनेंगे। मनप्रीत ने हरियाणा स्टीलर्स के साथ जुड़ने के बाद कहा, यह एक अद्भुत टीम है जिसने प्रो कबड्डी लीग के हर सीज़न में अपना प्रदर्शन सुधारा है और मैं इनके साथ जुड़कर बेहद खुश हूं। मैं इस अवसर के लिये खुद को भाग्यशाली मानता हूं, क्योंकि मैंने हरियाणा में काफी समय बिताया है। मैं एक कोच के रूप में हरियाणा के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को आगे लाने के लिये तत्पर हूं। मनप्रीत 2016 में पटना पायरेट्स की कप्तानी करते हुए पीकेएल खिताब भी जीत चुके हैं। उन्होंने 2017 में सन्यास ले लिया था।

निर्मल की तिकड़ी, गढ़वाल और सुदेवा की जीत

नयी दिल्ली। निर्मल सिंह बिष्ट की शानदार तिकड़ी की मदद से प्रीमियर लीग में आज यहां अंबेडकर स्टेडियम पर खेले गए मैच में गढ़वाल हीरोज ने तरुण संघा को 4-1 से हरा कर अभियान शुरू किया। दिन के दूसरे मैच में सुदेवा दिल्ली एफसी ने सूरज सिंह और लोटजेम के दर्शनीय गोलों से रेंजर्स स्पोर्ट्स क्लब को 2 -0 से परास्त किया। युवा खिलाड़ियों से सजे सुदेवा अकादमी के खिलाड़ियों को जमने में समय लगा। दोनों ही टीमों ने कई अच्छे मौके बनाए लेकिन तारीफ करनी होगी विजेता टीम के गोलकीपर आशीष सीबी की जिसने कई सुंदर बचाव किए। गढ़वाल और तरुणसंघा के बीच सुस्त रफ्तार से शुरू हुए मैच ने तब रफ्तार पकडी जब घानाई मूल के थेओफिलिस एपो ने 24 वें मिनट में गढ़वाल की रक्षा पंक्ति को छकाते हुए अपनी टीम को बढ़त दिलाई। लेकिन मध्यांतर से दो मिनट पहले निर्मल बिष्ट ने हिसाब बराबर कर दिया। 52 वें मिनट में ध्रुव शर्मा ने बाएं पांव के खूबसूरत गोल से गढ़वाल को 2-1 से आगे किया। इसके साथ ही गढ़वाल ने खेल पर पकड़ बना ली। खास कर मैच के श्रेष्ठ खिलाड़ी निर्मल बिष्ट विपक्षी रक्षकों के लिए सिरदर्द साबित हुआ। निर्मल ने 74वें मिनट में अपना दूसरा गोल बनाया और पेनल्टी पर एक और गोल कर लीग की पहली तिकड़ी जमाई।

लंका प्रीमियर लीग स्थगित

कोलंबो। श्रीलंका की घरेलू क्रिकेट प्रतियोगिता लंका प्रीमियर लीग का 2022 संस्करण अनिश्चितकाल के लिये स्थगित कर दिया गया है। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने रविवार को यह घोषणा की। एसएलसी ने अपनी वेबसाइट पर जारी एक बयान में कहा, श्रीलंका क्रिकेट यह घोषणा करना चाहता है कि एक अगस्त से 21 अगस्त 2022 के बीच होने वाली लंका प्रीमियर लीग को तत्काल प्रभाव से स्थगित किया जाता है। एसएलसी ने कहा कि टूर्नामेंट के अधिकार धारक इनोवेटिव प्रोडक्शन ग्रुप एफजेड़ई ने देश की आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए कहा था कि यह प्रतियोगिता के आयोजन के लिये सही समय नहीं है, जिसके बाद क्रिकेट बोर्ड ने यह निर्णय लिया।

लंबी कूद में सातवें स्थान पर रहे श्रीशंकर

यूजीन (अमेरिका)। भारत के मुरली श्रीशंकर ने शनिवार (भारत में रविवार सुबह) को विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लंबी कूद फाइनल में 7.96 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ सातवां स्थान हासिल किया। यह प्रयास उनके 8.36 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से काफी कम था जो उन्होंने इसी साल फेडरेशन कप में बनाया था। 23 वर्षीय श्रीशंकर ने हेवर्ड फील्ड में 11 अन्य खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए 7.96 मीटर की कूद के साथ शुरुआत की, जिससे वह पहले प्रयास में शीर्ष स्थान पर पहुंच गये। दुर्भाग्यपूर्ण, उनका दूसरा और तीसरा प्रयास फाउल रहा जिससे वह नीचे गिरकर छठे पायदान पर आ गये। अंतिम चार तीसरे प्रयास के बाद बाहर हो गये और श्रीशंकर शीर्ष-आठ में होने के कारण पदक जीतने के दावेदार थे, लेकिन अंतिम दो प्रयासों में 7.89 मीटर और 7.83 मीटर की कूद के साथ प्रतियोगिता में उनका सफर समाप्त हुआ। चीन के जियानन वांग ने अपने अंतिम प्रयास में 8.36 मीटर की कूद के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि ओलंपिक और विश्व इंडोर चैंपियन, यूनान के मिल्टियाडिस टेंटोग्लू ने 8.32 मीटर की कूद के साथ रजत प्राप्त किया। स्विट्जरलैंड के साइमन एहमर ने 8.16 मीटर की छलांग के साथ कांस्य पदक जीता। लंबी कूद के पहले दिन शुक्रवार को श्रीशंकर फाइनल के लिए जगह बनाने वाले एकमात्र भारतीय थे। उनके हमवतन जेस्विन एल्ड्रिन और मोहम्मद अनीस याहिया क्वालीफाई विफल रहे।

पीसीबी ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट पर टी20 लीग के प्रभाव पर चिंता जताई

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टी20 लीगों की बढ़ती संख्या, जो एफ़टीपी कैलेंडर में जगह के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं, के बारे में चिंता व्यक्त की है और आईसीसी को पत्र लिखकर सुझाव दिया है कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट पर फ़्रेंचाइज़ी क्रिकेट के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए, एक कार्यदल का गठन किया जाए। पीसीबी ने इस महीने की शुरुआत में आईसीसी को लिखे एक पत्र में अपने मुद्दों को रेखांकित किया; उन्होंने प्रस्तावित किया कि आईसीसी के सीईओ कार्यकारी समूह का नेतृत्व करें और तीन महीने में एक रिपोर्ट तैयार करें। पीसीबी की मुख्य चिंताओं में से एक यह है कि आईपीएल के लिए निर्धारित एक लंबी अवधि के दौरान पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का अवसर खो देगा। कैलेंडर में कई सालों से आईपीएल की अनौपचारिक दो महीने की विंडो रही है, लेकिन मई 2023 से अप्रैल 2027 तक आईसीसी के अगले फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम (एफ़टीपी) में, जिसका एक ड्राफ़्ट ईएसपीएनक्रिकइन्फ़ो ने प्राप्त किया है, आईपीएल की विंडो मार्च के अंत से जून की शुरुआत तक ढाई महीने की कर दी गई है। इसके अलावा, इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपने-अपने शेड्यूल में द हंड्रेड और बीबीएल के लिए विंडो तैयार की है, जिसके दौरान इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेलेंगे। पीसीबी सहित कई अन्य बोर्ड, अपनी लीग के लिए जगह बनाने के प्रयास में, एफ़टीपी के ड्राफ़्ट में मोटे तौर पर अंतर्राष्ट्रीय कैलेंडर में फ़्रैंचाइज़ी टी20 क्रिकेट की बढ़ती प्रधानता की पुष्टि की। पीसीबी के सीईओ फ़ैसल हसनैन ने कहा, आईसीसी की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के दौरान पाकिस्तान का एक विशेष मुद्दा घरेलू टी20 लीग होगा। हम थोड़ा चिंतित हैं कि दुनिया भर में घरेलू लीगों का प्रसार अंतर्राष्ट्रीय कैलेंडर से समय ले रहा है।

पंत के पहले शतक के दम पर भारत ने जीती वनडे सीरीज

मैनचेस्टर। विकेटकीपर ऋषभ पंत (नाबाद 125) के पहले शतक और हार्दिक पांड्या (24 रन पर चार विकेट तथा 71 रन) के जबरदस्त हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर भारत ने इंग्लैंड को तीसरे और निर्णायक एकदिवसीय मैच में रविवार को पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली। भारत ने इंग्लैंड को 45.5 ओवर में 259 रन पर ऑल आउट कर दिया और 42.1 ओवर में पांच विकेट पर 261 रन बनाकर मैच को एकतरफा अंदाज में जीत लिया। स्पाइडरमैन पंत के स्पेशल शतक की बदौलत भारत ने इंग्लैंड को 2-1 से वनडे सीरीज़ में मात दी।

पहले बल्लेबाज़ी करने के लिए भेजे जाने के बाद बढ़िया स्कोर खड़ा करने के बाद रीस टॉप्ली ने भारत के शीर्ष क्रम को चलता कर मेहमान टीम को मुश्किल में डाला था।

हालांकि इसके बाद सूर्यकुमार यादव और ऋषभ पंत ने पारी को संभाला लेकिन इस मैच की कहानी पलटी पंत और हार्दिक पंड्या की शतकीय साझेदारी ने। गेंद के साथ चार विकेट लेने के बाद हार्दिक ने 55 गेंदों पर 71 रन बनाए लेकिन उनके जाने के बाद भी पंत ने अपना प्रहार जारी रखा और वनडे क्रिकेट में अपना पहला शतक पूरा किया। इसके बाद डेविड विली पर जमकर बसरते हुए उन्होंने लगातार पांच चौके लगाए और मैच को भारत की झोली में डाल दिया।

पहला मैच भारत ने 10 विकेट से जीता फिर दूसरा मैच इंग्लैंड ने 100 रन से, जबकि भारत ने निर्णायक मैच पांच विकेट से जीता। यह 2015 के बाद से घर पर इंग्लैंड की तीसरी वनडे सीरीज़ हार है।

मज़ेदार बात यह है कि तीनों सीरीज़ में निर्णायक मैच मैनचेस्टर में खेला गया।पंत ने 113 गेंदों पर नाबाद 125 रन की मैच विजयी पारी में 16 चौके और दो छक्के लगाए। उन्होंने पांड्या के साथ पांचवें विकेट के लिए 133 रन की मैच विजयी साझेदारी की। पांड्या ने 55 गेंदों पर 71 रन में 10 चौके लगाए। पांड्या के आउट होने के बाद पंत ने रवींद्र जडेजा के साथ छठे विकेट के लिए 56 रन की अविजित साझेदारी की। जडेजा सात रन बनाकर नाबाद रहे। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत खराब रही। शिखर धवन एक, कप्तान रोहित शर्मा 17 और विराट कोहली 17 रन बनाकर रीस टॉप्ली की गेंदों पर आउट हुए। सूर्य ने 16 रन बनाये और पंत के साथ चौथे विकेट के लिए 34 रन जोड़े। क्रेग ओवर्टन ने सूर्य को आउट कर भारत को चौथा झटका दिया। लेकिन इसके बाद पंत और पांड्या ने संभलकर खेलते हुए भारतीय पारी को आगे बढ़ाया।

पांड्या इस साझेदारी में ज्यादा आक्रामक खेले लेकिन उनके आउट होने के बाद पंत ने आक्रामक रुख अपनाया और डेविड विली के पारी के 42वें ओवर में लगातार पांच चौके मारे। उन्होंने अगले ओवर की पहली गेंद पर चौका जड़कर मैच फिनिश कर दिया। भारत ने लगभग साढ़े तीन दशक बाद जाकर इस मैदान पर जीत हासिल की।

बाबर के शतक ने पाकिस्तान को बचाया

गॉल। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आज़म (119) की शतकीय पारी ने पाकिस्तान की नाव को मझधार से निकाला और टीम ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में रविवार को 218 रन बनाये। श्रीलंका के 222 रन के जवाब में पाकिस्तान ने 148 रन पर नौ विकेट गंवा दिये थे, लेकिन बाबर ने दसवें विकेट के लिये 70 रन की साझेदारी कर टीम को 218 रन तक पहुंचाया। सिर्फ चार रन की बढ़त के साथ दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका ने स्टंप्स तक एक विकेट खोकर 36 रन बना लिए हैं और उसकी कुल बढ़त 40 रन की हो गयी है। दिन का खेल समाप्त होने के समय ओशादा फ़र्नांडो 17 और कसून रजिता तीन रन बनाकर क्रीज पर हैं। कप्तान दिमुथ करुणारत्ने 16 रन बनाकर आउट हुए।

इससे पहले मैच के दूसरे दिन की पहली गेंद पर कप्तान दिमुथ करुणारत्ने ने अज़हर अली का कैच छोड़ा, हालांकि अज़हर इसका फायदा नहीं उठा सके और दो गेंद बाद ही पगबाधा होकर पवेलियन लौट गये। पांचवें नंबर पर आये विकेटकीपर मोहम्मद रिज़वान ने आक्रामक बल्लेबाजी का प्रयास किया लेकिन वह भी 19 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। कप्तान बाबर एक छोर पर खड़े रहे लेकिन दूसरे छोर पर लगातार विकेट गिरते रहे। 85 रन पर सात विकेट गिरने के बाद पाकिस्तान श्रीलंका को बड़ी बढ़त देने की कगार पर थी, लेकिन नौंवे नंबर पर आये यासिर शाह (18), हसन अली (17) और नसीम शाह (5) ने बाबर का साथ दिया। बाबर-यासिर के बीच 27 रन, बाबर-हसन के बीच 36 रन और बाबर-नसीम के बीच 70 रन की साझेदारी हुई जो गाले के मैदान में दसवें विकेट के लिये सबसे बड़ी साझेदारी है। नसीम ने इस साझेदारी में केवल पांच रन बनाये, लेकिन उन्होंने 52 गेंदें खेलकर विकेट पर महत्वपूर्ण समय बिताया। बाबर ने इस दौरान अपना शतक भी पूरा किया। उन्होंने 244 गेंदें खेलकर 11 चौकों और दो छक्कों के साथ 119 रन बनाये। श्रीलंका के लिये प्रभात जयसूर्या ने पांच विकेट लिये, रमेश मेंडिस और महीष तीक्षणा ने दो-दो विकेट झटके जबकि कसुन रजिता को एक विकेट हासिल हुआ।

तमीम इक़बाल ने टी20 अंतर्राष्ट्रीय से संन्यास लिया

ढाका। तमीम इक़बाल ने गयाना में वनडे सीरीज़ में वेस्टइंडीज़ पर 3-0 से जीत हासिल करने के तुरंत बाद टी20 अंतर्राष्ट्रीस से संन्यास की घोषणा कर दी। बांग्लादेश ने आख़िरी मैच चार विकेट से जीता, जिसमें तमीम ने प्लेयर ऑफ द सीरीज़ का पुरस्कार जीता। उन्होंने बांग्ला में पोस्ट करते हुए अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर एक छोटा संदेश लिखा, मुझे आज से टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास लिए जाने वाले खिलाड़ियों में गिनिए। सभी को धन्यवाद। इसी के साथ पिछले कई हफ्तों से चल रही अटकलें भी समाप्त हो गई जब उन्होंने इस साल जनवरी में इस प्रारूप से ब्रेक लिया था। तब उन्होंने कहा था कि वह इस प्रारूप से छह महीने का आराम लेने जा रहे हैं। तमीम ने इस साल 27 जनवरी को कहा था, मेरा पूरा ध्यान टेस्ट और वनडे पर होगा। हम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और 2023 विश्व कप के लिए क्वालीफ़ाई करने की तैयारी कर रहे हैं। मैं अगले छह महीनों में टी20 अंतर्राष्ट्रीय के बारे में नहीं सोचूंगा। मुझे उम्मीद है कि इसमें खेलने वाले इतना अच्छा करेंगे कि टीम को टी20 अंतर्राष्ट्रीय में मेरी ज़रूरत नहीं होगी।

यूएई में हो सकता है एशिया कप का आयोजन

शारजाह। एशिया कप 2022 का आयोजन श्रीलंका से बाहर हो सकता है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया की टीम ने श्रीलंका में दो टेस्ट मैचों की सीरीज़ खेली थी। इसके अलावा श्रीलंका में फ़िलहाल पाकिस्तान दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ खेल रहा है।

इन दोनों सीरीज़ की सफलतापूर्वक मेज़बानी करने के बावजूद एशिया कप श्रीलंका में नहीं होगा। भले ही आने वाले समय में इस टूर्नामेंट का आयोजक श्रीलंका ही होगा लेकिन ईएसपीएनक्रिकइंफ़ो को मिली जानकारी के अनुसार अब इस प्रतियोगिता का आयोजन शारजाह और दुबई में हो सकता है। यह निर्णय एशियाई क्रिकेट परिषद की इस सप्ताह हुई बैठक में लिया गया था। मीटिंग में मौजूद अधिकारी श्रीलंका में हो रही ईंधन आपूर्ति की तीव्र कमी से चिंतित हैं।

एशिया कप का आयोजन 2018 के बाद से नहीं हुआ है। इस साल यह 27 अगस्त से 11 सितंबर के बीच टी20 प्रारूप में खेला जाएगा। पिछली बार भी एशिया कप का आयोजन यूएई में ही हुआ था।

पिछले हफ़्ते श्रीलंका क्रिकेट देश के गहराते आर्थिक और राजनीतिक संकट के बावजूद एशिया कप आयोजित करने के लिए बहुत आश्वस्त था। देश में खाद्य आपूर्ति की कमी है। साथ ही निजी वाहनों के ईंधन की आपूर्ति में कटौती की जा रही है। इसके अलावा श्रीलंका के लोग दैनिक बिजली कटौती जैसी कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने श्रीलंका के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के आवासों पर हमला किया था और सरकार बदलने की मांग की थी। हालांकि इस विरोध प्रदर्शनों का क्रिकेट पर कोई असर नहीं पड़ा। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने यहां तीनों फ़ॉर्मेट की सीरीज़ खेली और लगभग एक महीने का समय बिताया। वर्तमान में पाकिस्तान दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में भाग लेने के लिए आया हुआ है।

हालांकि एसएलसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एश्ले डीसिल्वा ने बताया कि द्विपक्षीय श्रृंखला की मेज़बानी करना और एशिया कप जैसे टूर्नामेंट आयोजित करना अलग-अलग बात है। इसमें कई टीमें शामिल होंगी। ऐसे टूर्नामेंट के लिए पर्याप्त बिजली और ईंधन चाहिए। डीसिल्वा ने रविवार को कहा, दो टीमों की मेज़बानी करना 10 टीमों की मेज़बानी करना एक समान नहीं है। आपको उन सभी टीमों के लिए 10 बसें उपलब्ध करानी होंगी। आपको प्रत्येक टीम को ईंधन के साथ लगेज वैन और प्रबंधकों के लिए परिवहन देना होगा। आपको प्रायोजकों को भी परिवहन देना होगा। फ्लड लाइट्स जलाने के लिए भी हमें काफ़ी ईंधन की ज़रूरत होगी।

जबकि एसीसी कार्यक्रम की घोषणा करने के लिए तैयार है, जो 22 जुलाई को होने की संभावना है। भारत और पाकिस्तान को लीग चरण में आपस में दो मैच खेल सकते हैं। सामान्य परिस्थितियों में दोनों देशों के कई हज़ार प्रशंसक श्रीलंका के लिए उड़ान भरने के लिए तैयार थे, लेकिन डीसिल्वा फ़िलहाल देश की परिस्थितियों के लिए चिंतित हैं।

झ्रसोशल मीडिया पोस्ट पर भड़के कट्टरपंथी, हिंदुओं के घरों, दुकानों को लगा दी आग, मंदिर में तोड़फोड़

ढाका। बांग्लादेश में हिंदू मंदिर और हिंदुओं के घरों पर हमले का मामला सामने आया है। एक फेसबुक पोस्ट पर भड़के कट्टरपंथियों ने कई घरों को आग के हवाले कर दिया और मंदिर में तोड़-फोड़ की। घटना नरैल जिले के लहागरा गांव की है। यहां भीड़ ने मंदिर पर हमला कर दिया और हिंदुओं के घरों को आग के हवाले कर दिया। स्थानीय मीडिया के मुताबिक शुक्रवार शाम को भीड़ ने हमला किया जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और हवाई फायरिंग करके स्थिति को संभाला गया।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक भीड़ ने हिंदुओं की कई दुकानों, घरों और मंदिर को निशाना बनाया है। गुस्साए हुए लोगों को आरोप है कि एक लड़के ने सोशल मीडिया पोस्ट करके मुसलमानों की भावनाओं को आहत किया है। जानकारी के मुताबिक जुमा की नमाज के बाद एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर हिंसा भड़क गई। पहले मुसलमानों ने प्रदर्शन किया और फिर हमला कर दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक भीड़ साहापारा मंदिर में घुस गई और यहां के फर्नीचर तोड़ दिए। आसपास की दुकानों में भी तोड़फोड़ की गई। पुलिस अधिकारी हरन चंद्र पॉल के मुताबिक हवाई फायरिंग करके भीड़ को तितर-बितर किया गया। नरैल के एसपी प्रबीर कुमार रॉय ने कहा है कि अब स्थिति कंट्रोल में है। उन्होंने कहा, घटना की जांच की जा रही है जो भी हिंसा के लिए जिम्मेदार पाया जाएगा उसपर कार्रवाई होगी।

बता दें कि बांग्लादेश में बहुसंख्यक मुस्लिमों द्वारा अल्पसंख्यकों पर हमले के कई मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से बहुत सारे हमले सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों के चलते होते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक जनवरी 2013 से सितंबर 2021 तक हिंदुओं पर 3679 हमले हुए। जानकारी के मुताबिक पुलिस ने पोस्ट करने वाले को ढूंढा लेकिन न मिलने पर उसके पिता को उठा ले गई। हमला करने वालों में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। पोस्ट करने वाले युवक का नाम आकाश साहा बताया गया है। इससे पहले हिंदू कॉलेज के एक प्रिंसिपल को जूते की माला पहनने के लिए मजबूर किया गया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर नूपुर शर्मा से जुड़ा पोस्ट किया था।

डूबते पाकिस्तान को तिनके का सहारा, विश्व बैंक ने 20 करोड़ डॉलर की दी मंजूरी

इस्लामाबाद। आर्थिक संकट से गुजर रहे पड़ोसी देश पाकिस्तान को विश्व बैंक ने बड़ी राहत दी है। विश्व बैंक ने शनिवार को पाकस्तिान में कृषि क्षमता को बढ़ाने और पंजाब प्रांत में कृषि क्षेत्र को मजबूती प्रदान करने के लिए 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर के फंडिग की मंजूरी दी। विश्व बैंक ने एक बयान में कहा, %पंजाब में कृषि क्षेत्र पाकस्तिान की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा का केंद्र है क्योंकि यह देश के कुल खाद्य उत्पादन का 73 प्रतिशत हस्सिा है। बैंक के बयान में कहा गया है कि पंजाब लचीला और समावेशी कृषि परिवर्तन परियोजना के तहत वत्तिपोषण किया जा रहा है, जो पंजाब सरकार को कृषि क्षेत्र को बदलने के लिए पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं को हासिल करने में मदद करने के लिए नवीन, जलवायु-स्मार्ट प्रौद्योगिकियों को लागू करने में किसानों का समर्थन करेगा।

चीन में इस्लाम का स्वरूप चीनी समाज के अनुरूप होना चाहिए, शिनजियांग में बोले शी जिनपिंग

बीजिंग। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने अधिकारियों से इस सिद्धांत को कायम करने के लिए प्रयास तेज करने को कहा है कि चीन में इस्लाम का स्वरूप चीनी समाज के अनुरूप होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में धर्मों को सत्तारूढ़ चीन की कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा समाजवादी समाज स्थापित करने की कोशिशों के मुताबिक होना चाहिए।

शी ने अस्थिर शिनजियांग क्षेत्र का दौरा किया, जहां पिछले कई वर्षों से चीनी सुरक्षा बल उइगर मुस्लिमों के विरोध को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहे हैं।

12 जुलाई से शुरू हुए क्षेत्र के अपने चार दिवसीय दौरे के दौरान शी ने अधिकारियों से मुलाकात की। आधिकारिक मीडिया की खबर के मुताबिक उन्होंने चीनी राष्ट्र के लिए मजबूत सामुदायिक भावना को बढ़ावा देने समेत विभिन्न जातीय समूहों के बीच आदान-प्रदान, संवाद और एकीकरण को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

धर्म समाजवादी समाज के अनुकूल बने

शी ने धार्मिक मामलों की शासन क्षमता में सुधार और धर्मों के स्वस्थ विकास को साकार करने की आवश्यकता को रेखांकित किया। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने शी के हवाले से कहा कि इस सिद्धांत को कायम रखने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए कि चीन में इस्लाम का स्वरूप चीनी समाज के अनुरूप होना चाहिए और धर्मों को समाजवादी समाज के अनुकूल बनाना चाहिए।

सामान्य धार्मिक जरूरतों को सुनिश्चित किया जाना चाहिए

शी ने कहा कि उपासकों की सामान्य धार्मिक जरूरतों को सुनिश्चित किया जाना चाहिए और उन्हें पार्टी और सरकार के साथ एकजुट होना चाहिए। पिछले कुछ वर्षों से राष्ट्रपति इस्लाम के सिनीसाइजेशन की वकालत कर रहे हैं, जिसका अर्थ है कि इसे सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की नीतियों के अनुरूप होना चाहिए।

द. अफ्रीका में पासे के खेल के दौरान गोलीबारी में चार की मौत

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में पासा खिलाड़ियों के एक समूह पर गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल मावेला मासोंडो ने रविवार को टाइम्सलाइव न्यूज के हवाले से कहा, चार लोगों को घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोगों को गोली लगने के बाद नजदीकी चिकित्सा केंद्र ले जाया गया। पुलिस को प्रारंभिक जांच के बाद पता चला कि पुरुषों के समूह पर शनिवार को स्थानीय समयानुसार साढ़े पांच बजे अज्ञात हमलावरों ने हमला किया था, जिन्होंने बाद में उन्हें गोली मार दी थी। टाइम्सलाइव न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी है।

सोमालिया में बम विस्फोट से 14 लोगों की मौत

मोगादिशु। सोमालिया में हुए एक बम विस्फोट में स्वास्थ्य और महिला मामलों के क्षेत्रीय मंत्री तथा हिरशैबेले प्रांत की संसद के पूर्व उप अध्यक्ष समेत कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई हैं। मीडिया ने रविवार को अधिकारियों के हवाले से यह रिपोर्ट दी है। सोमाली गार्जियन के अनुसार राजधानी से 90 किलोमीटर उत्तर में स्थित एक शहर के जौहर में क्षेत्र के राष्ट्रपति परिसर के पास स्थित नूर डोब होटल के पास एक ट्रक बम विस्फोट हुआ। विस्फोट इतना जबर्दस्त था कि होटल की इमारत और आसपास के घरों को काफी नुकसान पहुंचा है। सोमाली गार्जियन के हवाले से प्रधानमंत्री हमजा अब्दी बर्रे ने रविवार को हुए इस कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले पर दुख व्यक्त किया है। अल कायदा से संबद्ध आतंकवादी समूह के सोमालिया स्थित अल-शबाब आतंकवादियों ने इस विस्फोट की जिम्मेदारी ली है। उल्लेखनीय है कि 1991 में सियाद बर्रे की तानाशाही के पतन के बाद से सोमालिया में अराजक स्थिति बनी हुई। अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने राजधानी मोगादिशु और कई अन्य क्षेत्रों को नियंत्रित करने वाली संघीय सरकार को देश में एकमात्र वैध सत्ता के रूप में मान्यता दी। सोमालिया के बाकी हिस्सों पर स्व-शासित या गैर-मान्यता प्राप्त संस्थाओं का नियंत्रण है। आतंकवादियों का अल-शबाब समूह सोमालिया की केंद्रीय सरकार के विरूद्ध सशस्त्र संघर्षरत है संयुक्त राष्ट्र की मानवीय गतिविधियों में बाधा डालता रहता है।

चीन में मूसलाधार बारिश से छह लोगों की मौत

बीजिंग। चीन के सिचुआन प्रांत में मूसलाधार बारिश से रविवार को छह लोगों की मौत हो गई और 12 लोग लापता है। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी हैं। अधिकारियों ने बताया कि प्रांत के बेइचुआन कियांग स्वायत्त काउंटी में शुक्रवार शाम आठ बजे से शनिवान सुबह आठ बजे भारी हुई है। बारिश से 13 टाउनशिप और 22,300 लोग प्रभावित हुए है। यहां 110 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। बारिश के कारण नदियों का जल स्तर बढ़ गया है और बाढ़ के पानी में कीचड़, रेत और पत्थर बह रहे है। बाढ़ से बैशी टाउनशिप प्रभावित है जिसके कारण छह लोगों की मौत हो गई और 12 लोग लापता है। अधिकारियों द्वारा लापता लोगों की तलाश, सड़कों और संचार सुविधाओं की मरम्मत और बचाव अभियान के लिए 400 से अधिक बचावकर्मियों को भेजा गया है। बैशी टाउनशिप के 480 लोगों समेत 1,300 से अधिक लोगों को स्थानांतरित किया गया है।

न्यू मैक्सिको में हेलीकॉप्टर दुर्घटना, चार की मौत

सांता फे । अमेरिका के न्यू मैक्सिको प्रांत में शेरिफ कार्यालय का हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। सीएनएन ने सोशल मीडिया पर शेरिफ कार्यालय के हवाले से कहा कि बर्नलिलो काउंटी शेरिफ कार्यालय के तीन कर्मचारी और काउंटी के अग्निशमन विभाग के एक कर्मचारी की शनिवार को लास वेगास के पास दुर्घटना में मौत हो गई। अधिकारियों ने कहा, इस हादसे में कोई जीवित नहीं बचा है। शेरिफ कार्यालय ने कहा, इन कर्मियों को ईस्ट मेसा फायर को लेकर दमकल कर्मियों की सहायता के बाद अल्बुकर्क वापस लाया जा रहा था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. -DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

श्रावण मास पर रुद्र के माहात्म्य

सावन में रुद्राभिषेक की परंपरा है। शिवजी को रुद्र इसलिए कहा जाता है, क्योंकि मान्यता है कि वे रुत अर्थात दैहिक, दैविक और भौतिक दुखों का नाश करते हैं। श्रावण मास पर रुद्र के माहात्म्य पर आलेख..

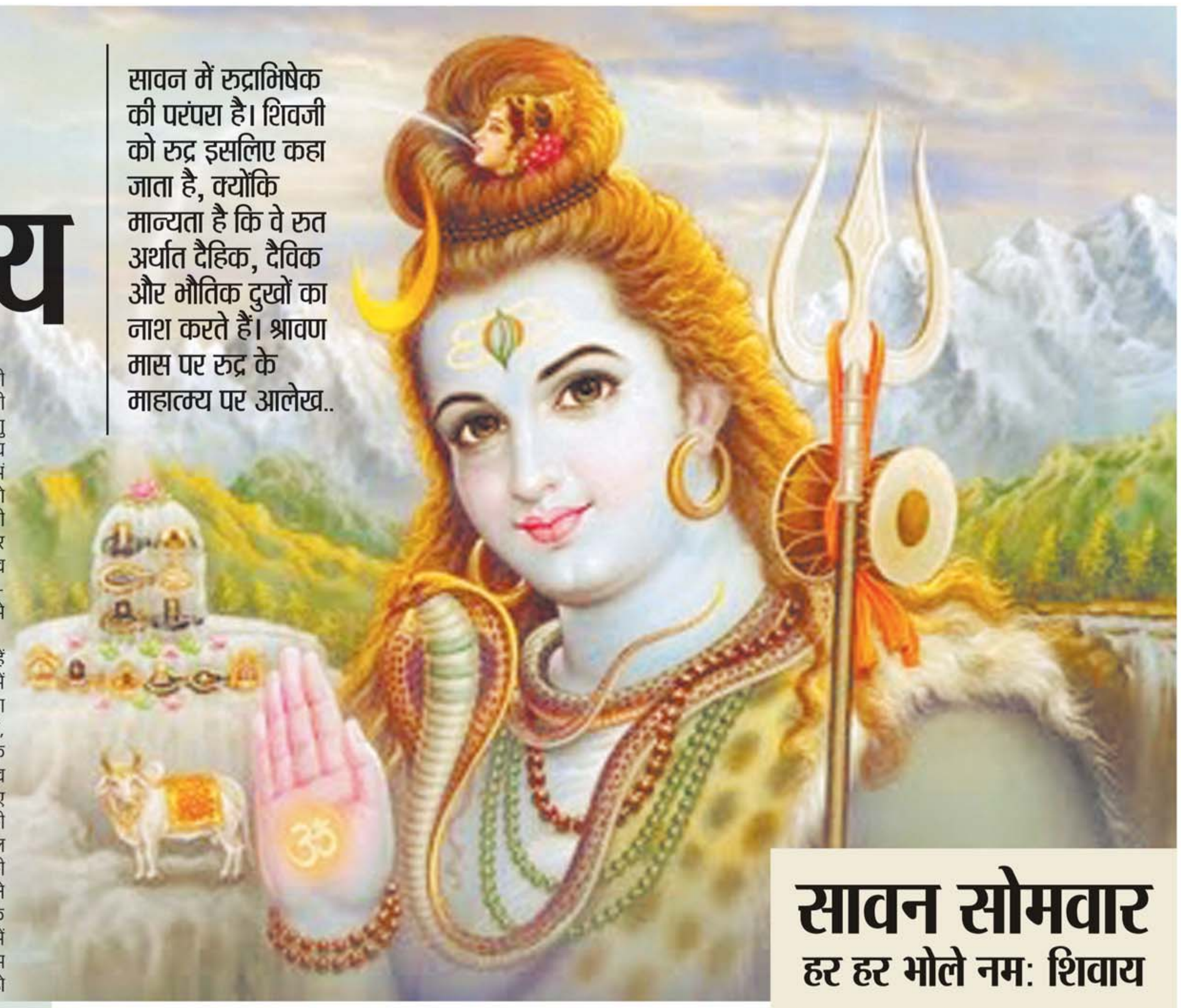

वेद सर्वाधिक प्राचीन ग्रंथ माने जाते हैं। शास्त्रों के अनुसार, वेद- शिव- शिवो वेद- यानी वेद शिव हैं और शिव वेद हैं। अर्थात शिव वेदस्वरूप हैं। इसके साथ ही वेद को भगवान सदाशिव का नि-श्वास बताते हुए उनकी स्तुति में कहा गया है - यस्य नि-श्वसितं वेदायो वेदेभ्योखिलं जगत। निर्ममे तमहं वंदे विद्यातीर्थ महेश्वरम।। अर्थात वेद जिनके नि-श्वास हैं, जिन्होंने वेदों के माध्यम से संपूर्ण सृष्टि की रचना की है और जो समस्त विद्याओं के तीर्थ हैं, ऐसे देवों के देव महादेव की मैं वंदना करता हूं। सनातन संस्कृति में वेदों की तरह शिव जी को भी अनादि कहा गया है।

वेदों में साम्ब सदाशिव को रुद्र नाम से पुकारा गया है। शिवजी को रुद्र इसलिए कहा जाता है, क्योंकि ये रुत अर्थात दुख को दूर कर देते हैं। जो दैहिक, दैविक और भौतिक दुखों का नाश करते हैं, वे रुद्र हैं। इसीलिए उन्होंने त्रिशूल धारण किया है। रुद्रहृदयोपनिषद कहता है, सर्वदेवात्मको रुद्र- अर्थात रुद्र सर्वदेवमय हैं। अथर्व शिखोपनिषद भी इसका समर्थन करता है - रुद्रो वै सर्वा देवता अर्थात रुद्र समस्त देवताओं का स्वरूप हैं। यजुर्वेद के रुद्राध्याय में रुद्रोपासना का विधान मिलता है। इसमें रुद्र शब्द के सौ पर्यायवाची नामों का उल्लेख होने से इसे शतरुद्री भी कहते हैं। माना जाता है कि शतरुद्री के माहात्म्य का उपदेश महर्षि याज्ञवल्क्य ने राजा जनक को दिया था। श्वेताश्वतरोपनिषदके अनुसार, महाप्रलय के समय एकमात्र रुद्र ही विद्यमान रहते हैं। श्रुतियों से यह तथ्य विदित होता है कि रुद्र ही परमपुरुष यानी आदिदेव साकार बहमा हैं, जिनके द्वारा ही सृष्टि की रचना, पालन और संहार होता है। ब्रहमा, विष्णु और महेश इनकी त्रिमूर्ति हैं। रुद्र का परिचय शास्त्रों में इस प्रकार भी दिया गया है - अशुभं द्रावयन् रुद्रो यज्जाहार पुनर्भवम्। तत- स्मृताभिधो रुद्रशब्देनात्राभिधीयते।। अर्थात जो प्राणी जीवनकाल में सब अनिष्टों को दूर करते हैं और शरीर त्यागने पर मुक्ति प्रदान करते हैं, वे सदाशिव रुद्र के नाम से जाने जाते हैं। इसी कारण दुखों-कष्टों से मुक्ति तथा सद्गति प्राप्त करने के उद्देश्य से मनुष्य रुद्रोपासना करता आया है।

रुद्र को अभिषेकप्रिय रुद्र कहा गया है, यानी उन्हें अभिषेक पसंद है। इसीलिए सावन के महीने में रुद्र का अभिषेक किया जाता है। सामान्यत- लोग जल द्वारा अभिषेक करते हैं, तो सामर्थ्यवान दूध, दही, शहद आदि विभिन्न द्रव्यों से उनका अभिषेक करते हैं। मान्यता है कि श्रावण मास में भगवान शिव ने समुद्र मंथन से उत्पन्न विष को जनकल्याण के लिए पिया था, तब इंद्र ने शीतलता देने के लिए वर्षा की थी, इसी कारण श्रावण मास में शिव जी को जल अर्पित करने की परंपरा शुरू हुइ। भगवान शंकर की शक्ति पार्वती पर्वतराज हिमालय की पुत्री हैं। हमने पर्वतीय क्षेत्र को जो क्षति पहुंचाई है, उसके विनाशकारी परिणाम दिखाई देते हैं। इसलिए हमें हिमालय की पवित्रता बनाए रखने का संकल्प इस सावन में लेना चाहिए, तभी शिवार्चन सफल हो सकेगा और शिव हमेशा कल्याणकारी होंगे।

ऐसे करें शिव को प्रसन्न

श्रावण मास में आने वाले सोमवार के दिनों में भगवान शिवजी का व्रत करना चाहिए और व्रत करने के बाद भगवान श्री गणेश जी, भगवान शिवजी, माता पार्वती व नन्दी देव की पूजा करनी चाहिए। पूजन सामग्री में जल, दुध, दही, चीनी, घी, शहद, पंचामृत,मोली, वस्त्र, जनेऊ, चन्दन, रोली, चावल, फूल, बेल-पत्र, भा ंग, आक-धतूरा, कमल,गट्ठा, प्रसाद, पान-सुपारी, लौंग, इलायची, मेवा, दक्षिणा चढाया जाता है। इस दिन धूप दीया जलाकर कपूर से आरती करनी चाहिए। व्रत के दिन पूजा करने के बाद एक बार भोजन करना चाहिए। और श्रावण मास में इस माह की विशेषता का श्रवण करना चाहिए।

श्रावण मास शिव उपासना महत्व

भगवान शिव को श्रावण मास सबसे अधिक प्रिय है। इस माह में प्रत्येक सोमवार के दिन भगवान श्री शिव की पूजा करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। इस मास में भक्त भगवान शकर का पूजन व अभिषेक करते है। सभी देवों में भगवान शकर के विषय में यह मान्यता प्रसिद्ध है, कि भगवान भोलेनाथ शीघ्र प्रसन्न होते है। एक छोटे से बिल्वपत्र को चढ़ाने मात्र से तीन जन्मों के पाप नष्ट होते है।

श्रावण मास के विषय में प्रसिद्ध एक पौराणिक मान्यता के अनुसार श्रावण मास के सोमवार व्रत, एक प्रदोष व्रत तथा और शिवरात्री का व्रत जो व्यक्ति करता है, उसकी कोई कामना अधूरी नहीं रहती है। 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन के समान यह व्रत फल देता है।

इस व्रत का पालन कई उद्देश्यों से किया जा सकता है। महिलाएं श्रावण के 16 सोमवार के व्रत अपने वैवाहिक जीवन की लंबी आयु और संतान की सुख-समृद्धि के लिये करती है, तो यह अविवाहित कन्याएं इस व्रत को पूर्ण श्रद्धा से कर मनोवांछित वर की प्राप्ति करती है। सावन के 16 सोमवार के व्रत कुल वृद्धि, लक्ष्मी प्राप्ति और सुख -सम्मान के लिये किया जाता है।

शिव पूजन में बेलपत्र प्रयोग करना

भगवान शिव की पूजा जब बेलपत्र से की जाती है, तो भगवान अपने भक्त की कामना बिना कहे ही पूरी करते है. बिल्व पत्र के बारे में यह मान्यता प्रसिद्ध है, कि बेल के पेड़ को जो भक्त पानी या गंगाजल से सींचता है, उसे समस्त तीथरें की प्राप्ति होती है। वह भक्त इस लोक में सुख भोगकर, शिवलोक में प्रस्थान करता है। बिल्व पत्थर की जड़ में भगवान शिव का वास माना गया है। यह पूजन व्यक्ति को सभी तीथरें में स्नान करने का फल देता है।

सावन माह व्रत विधि

सावन के व्रत करने से व्यक्ति को सभी तीथरें के दर्शन करने से अधिक पुन्य फल प्राप्त होते है। जिस व्यक्ति को यह व्रत करना हो, व्रत के दिन प्रात- काल में शीघ्र सूर्योदय से पहले उठना चाहिए। श्रावण मास में केवल भगवान श्री शकर की ही पूजा नहीं की जाती है, बल्कि भगवान शिव की परिवार सहित पूजा करनी चाहिए। सावन सोमवार व्रत सूर्योदय से शुरु होकर सूर्यास्त तक किया जाता है। व्रत के दिन सोमवार व्रत कथा सुननी चाहिए। तथा व्रत करने वाले व्यक्ति को दिन में सूर्यास्त के बाद एक बार भोजन करना चाहिए।

प्रात-काल में उठने के बाद स्नान और नित्यक्रियाओं से निवृत होना चाहिए। इसके बाद सारे घर की सफाई कर, पूरे घर में गंगा जल या शुद्ध जल छिड़कर, घर को शुद्ध करना चाहिए। इसके बाद घर के ईशान कोण दिशा में भगवान शिव की मूर्ति या चित्र स्थापित करना चाहिए। मूर्ति स्थापना के बाद सावन मास व्रत संकल्प लेना चाहिए।

सावन सोमवार

हर हर भोले नम: शिवाय

सावन और शिव का भारतीय संस्कृति से गहरा मेल है। सावन के झूलों से लेकर सावन सोमवार की बेलपत्री तक..सब कुछ मानो भावनाओं को हरा-भरा कर देने वाला। सावन के आते ही शिव भक्तों में पूजा अर्चना के लिए नई उमंग का संचार हो गया है। चारों ओर गूंजने लगे हैं बोल बम.. के जयकारे और हरे व केसरिया रंग से धरती पट सी गई है। सावन सोमवार को शिवालयों में सुबह से शाम तक भक्तों का तांता लगा रहेगा। हर कोई भोले से वरदान मांगने पहुंच जाता है उनके द्वार। शास्त्रों और पुराणों का कहना है कि श्रावण मास भगवान शंकर को अत्यंत प्रिय है। इस माह में शिवार्चना के लिए प्रमुख सामग्री बेलपत्र और धतूरा सहज सुलभ हो जाता है। सच पूछा जाए तो भगवान शिव ही ऐसे देवता है, जिनकी पूजा-अर्चना के लिए सामग्री को लेकर किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती। अगर कोई सामग्री उपलब्ध न हो तो जल ही काफी है। भक्ति भाव के साथ जल अर्पित कीजिए और भगवान शिव प्रसन्न।

जल चढ़ाओ और जो चाहे मांग लो

शास्त्रों के अनुसार श्रावण मास भगवान शकर को विशेष प्रिय है। अत- इस मास में आशुतोष भगवान शकर की पूजा का विशेष महत्व है। सोमवार शकर का प्रिय दिन है। इसलिए श्रावण सोमवार का और भी विशेष महत्व है। भगवान शकर का यह व्रत सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला है। इस मास में लघुरुद्र, महारुद्र अथवा अतिरुद्र पाठ करके प्रत्येक सोमवार को शिवजी का व्रत किया जाता है। प्रात- काल गगा या किसी पवित्र नदी सरोवर या घर पर ही विधि पूर्वक स्नान करने का विधान है। इसके बाद शिव मदिर जाकर या घर में पार्थिव मूर्ति बना कर यथा विधि से रुद्राभिषेक करना अत्यत ही फलदायी है। इस व्रत में श्रावण महात्म्य और विष्णु पुराण कथा सुनने का विशेष महत्व है।

श्रीमल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के दर्शन से पूरी होती हैं मनोकामनाएं

दक्षिण भारत में कैलाश के नाम से मशहूर आंध्र प्रदेश का श्रीमल्लिकार्जुन मंदिर भारत के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यह ज्योतिर्लिंग कृष्णा नदी के तट पर श्रीसैलम नाम के पर्वत पर स्थित है। ऐसी मान्यता है कि इस मंदिर के दर्शन करने से सात्विक मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

श्रीमल्लिकार्जुन का पौराणिक महत्व

एक बार भगवान शिव और पार्वती के पुत्र कार्तिकेय स्वामी और गणेश अपने विवाह के लिए आपस में कलह करने लगे। कार्तिकेय का मानना था कि वे बड़े हैं, इसलिए उनका विवाह पहले होना चाहिए, किन्तु श्री गणेश अपना विवाह पहले कराने को लेकर जिद्द पर अड़े थे। जब दोनों के झगड़े की वजह पिता महादेव और माता पार्वती को पता लगी तो उन्होंने इस झगड़े को खत्म करने के लिए कार्तिकेय और गणेश के सामने एक प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि तुम दोनों में जो कोई भी पृथ्वी की परिक्रमा करके पहले यहां आ जाएगा, उसी का विवाह पहले होगा। शर्त सुनते ही कार्तिकेय जी पृथ्वी की परिक्रमा करने के लिए दौड़ पड़े लेकिन गणेशजी के लिए तो यह कार्य बड़ा ही कठिन था।

गणेश जी शरीर से स्थूल किन्तु बुद्धि के सागर थे। उन्होंने एक उपाय सोचा और अपनी माता पार्वती तथा पिता देवाधिदेव महेश्वर से एक आसन पर बैठने का आग्रह किया। गणेश ने उनकी सात परिक्रमा की। इस तरह से वह पृथ्वी की परिक्रमा से प्राप्त होने वाले फल की प्राप्ति के अधिकारी बन गए। उनकी चतुर बुद्धि को देख कर शिव और पार्वती दोनों काफी खुश हुए और उन्होंने श्रीगणेश का विवाह कार्तिकेय से पहले करा दिया। जब तक स्वामी कार्तिकेय सम्पूर्ण पृथ्वी की परिक्रमा करके वापस आए, उस समय तक श्रीगणेश जी का विवाह विश्वरूप प्रजापति की पुत्रियों सिद्धि और बुद्धि के साथ हो चुका था, जिनसे उन्हें क्षेम तथा लाभ नामक दो पुत्र भी प्राप्त हो चुके थे।

यह सब देखकर स्वामी कार्तिकेय नाराज हो गए और क्रौंच पर्वत की ओर चले गए। उन्हें मनाने के लिए देवर्षि नारद को भेजा गया लेकिन वह नहीं माने। कार्तिकेय के चले जाने पर माता पार्वती भी क्रौंच पर्वत पहुंचीं। उधर भगवान शिव भी ज्योतिर्लिंग के रूप में वहां प्रकट हुए। तभी से वह मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के नाम से विख्यात हुए। मल्लिका माता पार्वती का नाम है, जबकि अर्जुन भगवान शंकर को कहा जाता है। इस कथा के अलावा और भी कई कथाएं हैं जो मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के बारे में कही जाती हैं।

कैसे पहुंचे - मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग आंध्र प्रदेश के श्रीसैलम में मौजूद है। आप सड़क, रेल और हवाई यात्रा के जरिए इस ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर सकते हैं। सड़क के जरिए श्रीसैलम पूरी तरह से जुड़ा हुआ है। विजयवाड़ा, तिरुपति, अनंतपुर, हैदराबाद और महबूबनगर से नियमित रूप से श्रीसैलम के लिए सरकारी और निजी बसें चलाई जाती हैं। श्रीसैलम से 137 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैदराबाद का राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट सबसे नजदीकी एयरपोर्ट है। यहां से आप बस या फिर टैक्सी के जरिए मल्लिकार्जुन पहुंच सकते हैं। यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन मर्कापुर रोड है जो श्रीसैलम से 62 किलोमीटर की दूरी पर है।

एतिहासिक जंगेश्वर मंदिर

प्राचीन व एतिहासिक शिव मंदिरों में से एक पलवल के जंगेश्वर मंदिर में श्रावण माह में हर सोमवार को हजारों श्रद्धालु आकर पूजा अर्चना करते हैं। इस मंदिर की मान्यता दूर-दूर तक है। पुराने शहर में स्थापित यह मंदिर लोगों की आस्था का मुख्य केंद्र माना जाता है। पड़वा से पूनो तक श्रावण माह में विशेष पूजा अर्चना की जाती है।

पौराणिक व एतिहासिक महत्व

मंदिर का पौराणिक व एतिहासिक महत्व है। यह इसके नाम से ही पता लगता है। मंदिर का इतिहास काफी पुराना है। पहले इस मंदिर को विधर्मियों ने तोड़कर इसके ऊपर अन्य निर्माण कर दिए थे। फिर इसे काफी संघर्ष के बाद हासिल किया गया। खुदाई की गई तो प्राचीन शिवालय निकला। सन् 1802 में इस मंदिर का पुन- निर्माण किया गया।

मूर्ति व मंदिर के निर्माण की विशेषता

मंदिर में स्थापित शिवलिंग पत्थर का है। मौजूदा लोगों में से किसी को नहीं मालूम कि यह कितना पुराना है। मंदिर के पुजारी राम कुमार बताते हैं कि यह कुदरती है। इस शिवालय का मुख्य मुख पूर्व की तरफ है। जबकि इसके दो अन्य दरवाजे पश्चिम व दक्षिण की तरफ खुलते हैं।

मंदिर की स्थापत्य शैली

जंगेश्वर मंदिर की स्थापत्य शैली अन्य शिव मंदिरों की तरह ही है। इसका निर्माण कखैया ईटों व व चूने से किया गया है। बाद का सारा निर्माण बड़ी ईटों व सीमेंट का है। मंदिर की दीवारों पर देवी-देवताओं के चित्र बने हुए हैं।

पूजा, दिनचर्या, सामग्री व आराधना

मंदिर में रोजाना पूजा अर्चना होती है। रोजाना सैकड़ों लोग पूजा अर्चना करते हैं। श्रावण माह में यह संख्या हजारों में पहुंच जाती है। मंदिर में मेले का सा माहौल रहता है। सोमवार को विशेष श्रृंगार किया जाता है। बेल पत्र, आक, धतूरे शिवलिंग पर चढ़ाए जाते हैं। पलवल से बाहर के श्रद्धालु भी पूजा अर्चना के लिए आते हैं।

श्रावण माह में प्रतिदिन शाम को दूध-दही, गंगाजल, शहद आदि से शिवलिंग का अभिषेक किया जाता है। हर सोमवार को फूल बंगला सजाया जाता है। ठंडाई व खीर का प्रसाद बांटा जाता है। अब पुराना मंदिर तोड़कर नया मंदिर बनाया गया है। उनके अनुसार शिवलिंग पृथ्वी से निकलकर अपने आप स्थापित हुआ।